MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

NA
Naresh Agarwal - 9848020960
Ankush Agarwal - 9885450000
Naresh Agencies
Dealers in :
Welding Electrodes, Welding Accessories,
Safety Equipment, Power Tools,
Self Drilling Screws and Cutting Wheels
15-9-216, Near Dargah, Gowliguda,
Hyderabad - 500 012

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । बुधवार, 20 मार्च, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । www.dailyshubhlabh.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-79

महाराष्ट्र बॉर्डर पर मुठभेड़ में तेलंगाना के 4 नक्सली ढेर

फिर सक्रिय हो रही माओवादियों की तेलंगाना स्टेट कमेटी

राजनांदगांव, 19 मार्च (एजेंसियां)।

छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र बॉर्डर पर गढ़चिरौली पुलिस ने तेलंगाना के चार नक्सलियों को मुठभेड़ में मार गिराया। मारे गए चारों माओवादी तेलांगना स्टेट कमेटी के सदस्य थे। यह मुठबेड़ कोलामारका के जंगल में हुई। मौके पर पुलिस ने नक्सलियों द्वारा इस्तेमाल किए गए लॉन्चर समेत हथियारों का जखीरा बरामद किया है।

पुलिस का कहना है कि मुठभेड़ में हुई क्रॉस फायरिंग में कुछ और नक्सलियों के मारे जाने का अंदेशा है। सघन तलाशी अभियान जारी है। एसपी गढ़चिरौली नीलोत्पल ने घटना की आधिकारिक पुष्टि करते हुए बताया कि गढ़चिरौली के कोलामरका पहाड़ों के पास सी-60 और सीआरपीएफ क्यूएटी की कई टीमों के संयुक्त अभियान में चार नक्सली मारे गए। जिनके शव बरामद किए जा चुके हैं।

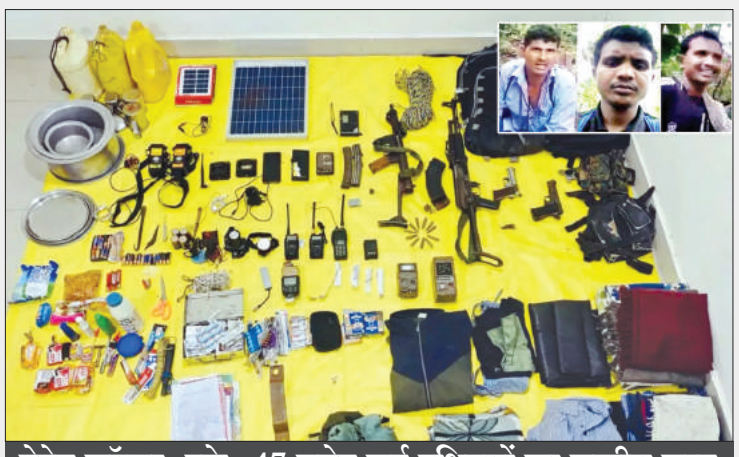

ग्रेनेड लॉन्चर, एके-47 समेत कई हथियारों का जखीरा जब्त

चीन और फिलीपींस के अतिवामपंथी यहां देने आते हैं ट्रेनिंग

इन नक्सलियों के पास से ग्रेनेड लॉन्चर, एके-47, कार्बाइन, देसी पिस्तौल, गोलियां और नक्सली साहित्य बरामद हुए हैं। नक्सलियों पर महाराष्ट्र सरकार ने 36 लाख रुपए का नकद इनाम घोषित कर रखा था। नक्सल विरोधी अभियान जारी है। तेलंगाना पुलिस के एक अधिकारी का कहना है कि कुछ दिनों पहले गिरफ्तार किए गए नक्सली संजय दीपक उर्फ संजय दीपक राव से मिले महत्वपूर्ण सुराग के आधार पर पुलिस ने अपनी छानबीन में ▶9पर

पीएफआई से हो चुकी है तेलंगाना स्टेट कमेटी की साठगांठ

हैदराबाद, 19 मार्च (एजेंसियां)।

तेलंगाना में माओवादी संगठन फिर से सक्रिय हो रहे हैं। खुफिया एजेंसियों ने तेलंगाना सरकार के साथ-साथ केंद्रीय गृह मंत्रालय को भी इस बारे में आगाह किया है। माओवादी संगठन खुद को ताकतवर और सक्षम बनाने के लिए प्रतिबंधित आतंकी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएएफआई) से भी हाथ मिल चुके हैं। पीएफआई के जरिए माओवादियों को कुछ विदेशी संगठनों से फंडिंग के साथ-साथ आधुनिक हथियार भी मिल रहे हैं। दक्षिण एशिया की माओवादी पार्टियों और संगठनों की समन्वय समिति (कॉमपोसा) के साथ भी माओवादियों का सम्पर्क बन गया है। इनके जरिए चीन के साथ हथियारों की डीलिंग हो रही है। तेलंगाना खुफिया विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि कुछ ही दिन पहले उनके महकमे को माओवादियों की इन ताजा गतिविधियों के बारे में सूचनाएं प्राप्त हुईं, जिनके बारे में प्रदेश सरकार और केंद्रीय खुफिया एजेंसियों को जानकारी दे गई थी। माओवादी संगठन के उन खास कैडरों का नाम भी प्राप्त हुआ जो अंतर सांगठनिक सम्बन्ध कायम करने में सक्रिय हैं। माओवादी कमांडर अमृत का नाम खास तौर पर सामने आया। इस छद्म नाम से तेलंगाना स्टेट कमेटी पॉलित ब्यूरो का एक सदस्य सक्रिय है। पोलित ब्यूरो सदस्य मल्लोजुला वेणुगोपाल राव उर्फ सोनू दादा, ▶9पर

सेलम में हुई पीएम की विशाल जनसभा, पलक्कड़ में हुआ जोरदार रोड शो

अब दक्षिण ने तय कर लिया है एनडीए ही एकमात्र विकल्प : मोदी

सलेम, 18 मार्च (एजेंसियां)।

लोकसभा चुनाव में अपनी जीत तय करने के लिए भाजपा इस बार दक्षिण भारत पर ज्यादा फोकस कर रही है। प्रधानमंत्री मोदी एक के बाद एक दक्षिणी राज्यों का दौरा कर रहे हैं। चुनाव की मुनादी होने के बाद प्रधानमंत्री ने अपने चुनाव प्रचार की शुरुआत भी तमिलनाडु से ही की थी।

देश में इन दिनों चुनावी रंग में सभी सराबोर हैं। विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता पूरे देश में अपनी लामबंदी करने में लगे हैं। देश की सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा भी इसी में लगी है। हालांकि भाजपा इस बार दक्षिण भारत पर ज्यादा फोकस कर रही है।

हम कभी नहीं देते किसी धर्म को गाली, विपक्षी देते हैं हिन्दुओं को गाली

कातिलों द्वारा मारे गए भाजपा नेता रमेश को याद कर भावुक हुए मोदी

प्रधानमंत्री मोदी एक के बाद एक दक्षिणी राज्यों का दौरा कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने आज भी तमिलनाडु के सेलम में चुनावी यात्रा की। सलेम की सभा में प्रधानमंत्री ने विपक्षियों पर करारा वार किया। प्रधानमंत्री अपने संबोधन के दौरान भाजपा के राज्य महासचिव ऑडिटर वी रमेश को याद करते हुए भावुक भी हो गई। 2013 में वी रमेश की सलेम में हत्या कर दी गई थी।

भाजपा के तत्कालीन राज्य महासचिव ऑडिटर वी रमेश को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, आज मैं सेलम में हूं, मुझे ऑडिटर रमेश की याद आ रही है। आज सेलम का मेरा साथी वो रमेश नहीं है। रमेश ने पार्टी के लिए दिन-रात काम किया। वे हमारी पार्टी के एक समर्पित नेता थे। वह एक महान वक्ता और बहुत मेहनती थे। मैं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। भाजपा के राज्य महासचिव ऑडिटर वी रमेश की 2013 में सलेम शहर के मरावनेरी इलाके में उनके घर के परिसर के अंदर एक अज्ञात गिरोह ने हत्या कर दी थी।

प्रधानमंत्री ने तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष केएन लक्ष्मणन को भी याद किया। उन्होंने कहा कि आपातकाल विरोधी आंदोलन में उनकी भूमिका अविस्मरणीय थी। पीएम ने कहा कि जब देश में आपातकाल लगाया गया उस समय उसके विरोध में शुरू हुए आंदोलन में लक्ष्मणन जी की भूमिका और सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधियों में भागीदारी को हमेशा याद किया जाएगा।

राज्य में भाजपा के विस्तार में उनका योगदान अविस्मरणीय है। के एन लक्ष्मणन का जून 2020 में सेलम के सेववाइपेट्टई स्थित उनके आवास पर उम्र संबंधी समस्याओं के कारण निधन हो गया।

प्रधानमंत्री ने भाजपा सरकार द्वारा कराए गए विकास कार्यों को भी गिनाया। उन्होंने कहा, हमारी सरकार तमिलनाडु के विकास और समृद्धि को सुनिश्चित करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रही है। मुफ्त चिकित्सा उपचार से लेकर घरों में नल के पानी के कनेक्शन प्रदान करने तक हमने सभी की सेवा की है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अब तमिलनाडु ने तय कर लिया है कि 19 अप्रैल को हर वोट भाजपा और एनडीए को जाएगा। अब तमिलनाडु ने तय कर लिया है कि इस बार 400 के पार। प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, अभी तो चुनाव अभियान की शुरुआत हुई है, लेकिन विपक्षी गठबंधन की योजना मुंबई में हुई उनकी पहली रैली में ही खुलकर सामने आ गई है। ये कह रहे हैं कि हिंदू धर्म की जिस शक्ति में आस्था होती है, उन्हें इस शक्ति का विनाश करना है। हिंदू धर्म में शक्ति किसे कहते हैं, ये तमिलनाडु का हर व्यक्ति जानता है। इंडी गठबंधन के लोग बार-बार जानबूझकर हिंदू धर्म का अपमान कर रहे हैं। ▶9पर

पीएम मोदी ने पलक्कड़ में किया जोरदार रोड शो

तिरुवनंतपुरम, 19 मार्च (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज केरल के पलक्कड़ में जोरदार रोड शो किया। पीएम मोदी का रोड शो देखने के लिए भारी संख्या में लोग यहां आए थे। पीएम मोदी के रोड शो के दौरान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के. सुरेंद्रन ने मीडिया से कहा, यह रोड शो एक बड़ी सफलता है।

लोगों ने खुले दिल से पीएम मोदी का स्वागत किया और उनका अभिवादन किया। जनता और पार्टी के कार्यकर्ताओं में बहुत उत्साह है। जनता एलडीएफ और यूडीएफ से तंग आ चुकी है। अब केवल पीएम मोदी से उन्हें उम्मीद है।

चीन के पागल-प्रलाप को भारत ने किया खारिज, लगाई फटकार

भारत का अभिन्न अंग है अरुणाचल प्रदेश

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)।

अरुणाचल प्रदेश को लेकर चीन के पागल-प्रलाप को भारत ने फिर खारिज करते हुए चीन को कड़ी फटकार लगाई है। भारत ने साफ कहा है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग था, है और रहेगा। भारत ने चीन के अरुणाचल प्रदेश को लेकर दिए गए बेतुके बयान को सिरे से खारिज करते हुए चीन को आगाह किया कि वह ऐसे गैर जिम्मेदाराना बयान देना बंद करे। भारत ने चीन के दावे को आधारहीन बताया। भारत के विदेश मंत्रालय ने इसे लेकर आधिकारिक बयान जारी किया है और कहा है कि भारत की विकास यात्रा का लाभ अरुणाचल प्रदेश के लोगों को मिलता रहेगा।

ऐसे गैर जिम्मेदाराना बयान देना बंद करे चीन

भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि चीन के रक्षा मंत्रालय की तरफ से भारत के राज्य अरुणाचल प्रदेश पर किए बेतुके दावे पर हमने नोटिस लिया है। चीन की तरफ से बार-बार आधारहीन तर्क दिए जा रहे हैं। अरुणाचल प्रदेश, भारत का अभिन्न हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा। अरुणाचल प्रदेश के लोगों को आधारभूत ढांचे के विकास और अन्य विकास परियोजनाओं का लाभ मिलता रहेगा।

विदेश मंत्रालय की प्रतिक्रिया चीनी सेना के उस दावे के बाद सामने आई है, जिसमें चीन ने अरुणाचल प्रदेश को चीनी क्षेत्र का हिस्सा बताया था। चीन के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता कर्नल झांग जियाओगांग ने कहा था कि जिजांग (तिब्बत का चीनी नाम) चीन का हिस्सा है और चीन भारत के कथित अरुणाचल प्रदेश को न कभी स्वीकार करेगा और इसका सख्ती से विरोध करता है। पीएम मोदी ने हाल ही में अरुणाचल प्रदेश में सेला टनल का उद्घाटन किया था।

उसके बाद ही चीन ने अरुणाचल को लेकर बयान दिया। जिस पर भारत ने अपनी प्रतिक्रिया में चीन को कड़ा जवाब दिया है। चीन की तरफ से 15 मार्च को यह बयान दिया गया। भारत पहले भी चीन के ऐसे दावों को सिरे से खारिज कर चुका है। भारत ने अपने पूर्व के एक बयान में कहा था कि चीन का भारतीय नेताओं के अरुणाचल दौरे का विरोध बेतुका है और इसका कोई आधार नहीं है।

TIBCON
CAPACITORS
It`s all about
SAVING ENERGY
AND MONEY

GARG
Garg Power Products Pvt. Ltd.
Cell: -91 99 12 4444 26
-91 99 48 1234 59

शेयर मार्केट

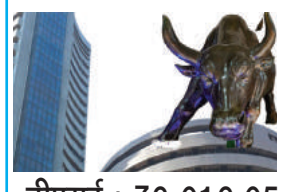

बीएसई : 72,012.05
-736.37 -1.01% ↓
एनएसई :21,817.45
-238.25 (-1.08%) ↓

सेना के मेजर ने बनाई नायाब डिवाइस

एक साथ तबाह किए जा सकते हैं कई टार्गेट, पेटेंट भी मिला

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)।

भारतीय सेना को एक बड़ी कामयाबी मिली है। सेना के एक मेजर ने ऐसी डिवाइस का निर्माण किया है, जिसकी मदद से एक ही समय पर कई ठिकानों को तबाह किया जा सकता है। साथ ही इसकी मदद से सेना के जवानों की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो सकेगी। इस अविष्कार को पेटेंट भी मिल चुका है। भारतीय सेना ने बयान जारी कर इसे बड़ी उपलब्धि बताया है।

भारतीय सेना ने बयान जारी कर बताया कि सेना की कॉर्प्स ऑफ इंजीनियर्स के मेजर राजप्रसाद आरएस ने एक ऐसा हथियार बनाया है, जिसकी मदद से एक साथ कई लक्ष्यों को तबाह किया जा सकता है। खास बात ये है कि सेना के जवान इस वायरलेस डिवाइस की मदद से दूर से ही लक्ष्यों को तबाह कर सकते हैं। इससे उनकी सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी। इस डिवाइस को पोर्टेबल मल्टी टारगेट डेटोनेशन डिवाइस नाम दिया गया है। सेना ने बताया कि इस डिवाइस को पेटेंट मिलने के बाद सेना में शामिल भी कर लिया गया है।

भारतीय वायु सेना ने आंध्र प्रदेश के बापटला जिले में एक राष्ट्रीय राजमार्ग पर आपातकालीन लैंडिंग सुविधा वाली हवाई पट्टी पर परिचालन किया जो वायु सेना और असैन्य एजेंसियों के बीच उच्च स्तर के समन्वय को दर्शाता है। वायुसेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि 18 मार्च को यह परीक्षण किया गया। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनए-चएआई) ने वायु सेना की बताई गई विशिष्टताओं के अनुसार 4.1 किलोमीटर लंबी और 33 मीटर चौड़ी हवाई पट्टी का निर्माण किया है। इन इएलएफ (इमरजेंसी लैंडिंग फील्ड) की मदद से आपात स्थिति में हवाई परिचालन की क्षमता बढ़ेगी और दूर-दराज के क्षेत्रों में मानवीय मदद पहुंचाना भी आसान होगा। ▶9पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)
सोना : 67,600/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 76,092/-
(प्रति किलोग्राम)

कार्टून कॉर्नर

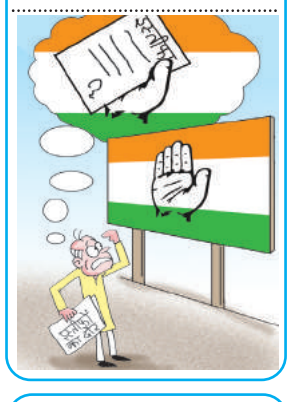

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 34°
न्यूनतम : 22°

अमित शाह से मिले राज ठाकरे

इस मुलाकात के तो गहरे मायने हैं

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)।

लोकसभा चुनाव से पहले महाराष्ट्र की राजनीति में उलट-पुलट जारी है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के प्रमुख राज ठाकरे मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आवास पर पहुंचे। दोनों के बीच कुछ देर अलग से वार्ता हुई। इस मुलाकात और वार्ता के गहरे मायने हैं।

राज ठाकरे सोमवार की रात को ही दिल्ली पहुंचे थे। मंगलवार को उन्होंने एक होटल में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े से मुलाकात की। इस मुलाकात के खत्म होने के बाद ही एमएनएस प्रमुख अमित शाह के आवास की तरफ रवाना हुए। इस दौरान उनके साथ विनोद तावड़े भी मौजूद थे। लोकसभा चुनाव से पहले सियासी गलियारों में चर्चा है कि राज ठाकरे एनडीए में शामिल हो सकते हैं। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस और राज्य भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले पहले से ही नई दिल्ली में मौजूद हैं। दिल्ली पहुंचने के बाद सोमवार को राज ठाकरे ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा, मुझे अभी तक नहीं पता कि मेरा कार्यक्रम क्या है। मुझे तो बस दिल्ली आने के लिए कहा गया था और मैं दिल्ली आ गया। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीज ने भी इस पर कोई भी प्रतिक्रिया देने से इन्कार कर दिया। उन्होंने कहा, अगर कोई निर्णय लिया जाता है तो आपको बताया जाएगा। ▶9पर

लाभ-हानि के गुणा-गणित के बाद ही हुई मुलाकात

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनावों से पहले महाराष्ट्र की सियासत में भाजपा एक और पार्टी के साथ गठबंधन में जाने का प्रयास कर रही है। यह गठबंधन भाजपा और राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के साथ हो सकता है। अब इस गठबंधन की पड़ने वाली नींव को लेकर कहा यही जा रहा है कि उद्धव ठाकरे के विकल्प के तौर पर राज ठाकरे से हाथ मिलाया जा रहा है। ताकि महाराष्ट्र में मराठी वोट बैंक पर राज ठाकरे के माध्यम से मजबूत पकड़ बनाई जा सके। हालांकि जानकारों का कहना है कि महाराष्ट्र में राजठाकरे के पिछले चुनावों के वोट प्रतिशत ऐसे नहीं हैं, जो इसे बड़ी डील करार दे सकें। लेकिन भाजपा इस जुगलबंदी से मराठी वोटरों पर एक मनोवैज्ञानिक असर तो डाल ही सकेगी। ▶9पर

2019 के लोकसभा चुनाव का फ्लैशबैक

वर्तमान आंकने के लिए अतीत में झांकना जरूरी

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। देश में लोकसभा चुनावों का बिगुल बज चुका है। निर्वाचन आयोग ने शनिवार (16 मार्च) को देश में लोकसभा चुनावों की घोषणा कर दी। इसके लिए 19 अप्रैल से सात चरणों में मतदान होगा। नतीजे 4 जून को घोषित किए जाएंगे। यह दुनिया की सबसे बड़ी चुनावी प्रक्रिया होगी। 16 मार्च को चुनाव की घोषणा से लेकर 4 जून को परिणाम घोषित होने तक की पूरी चुनाव प्रक्रिया 80 दिन की होगी।चुनाव की घोषणा के साथ ही सियासी हलचलें भी तेज हो चुकी हैं। केंद्र की सत्ताधारी भाजपा की तरफ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दक्षिण भारत में चुनावी कार्यक्रम कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर रविवार को भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समापन पर मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी गठबंधन के दलों का मुंबई में जमावड़ा लगा।

चुनावों का शिड्यूल एक बार फिर देखते चलें। पहला चरण: 19 अप्रैल को 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 102 सीट पर मतदान होगा। दूसरा चरण: 26 अप्रैल को 13 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों की 89 सीट पर मतदान होगा। तीसरा चरण: 7 मई को 12 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के 94 निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान होगा। चौथा चरण: 13 मई को 10 राज्यों के 96 निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान होगा। पांचवां चरण: 20 मई को आठ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 49 लोकसभा सीटों पर मतदान होगा। छठा चरण: 25 मई को सात राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 57 लोकसभा सीटों पर मतदान होगा। सातवां चरण: 1 जून को आठ राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों की 57 लोकसभा सीटों पर मतदान होगा। नतीजे: 4 जून को मतों की गिनती होगी।

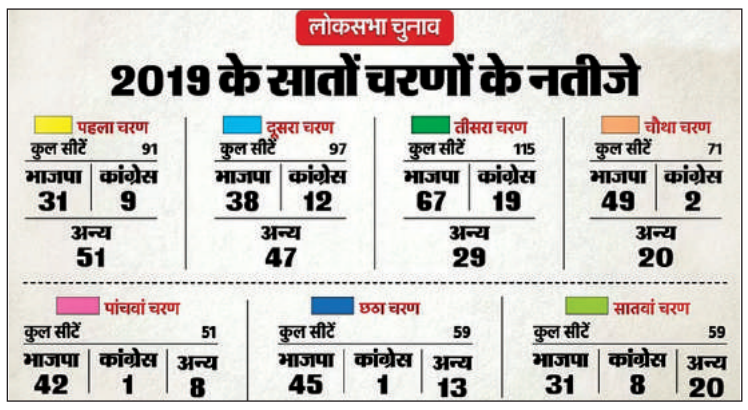

वर्ष 2019 में हुए लोकसभा चुनाव के पहले चरण में कुल 91 सीटों के लिए मतदान कराए गए थे। इनमें से 31 सीटें भाजपा के खाते में गई थीं। वहीं, कांग्रेस के महज 9 उम्मीदवार जीतने में सफल रहे थे। इसके अलावा 51 सीटों पर अन्य दलों ने कब्जा जमाया था। 2019 में दूसरे चरण में 97 लोकसभा क्षेत्रों में मतदान संपन्न हुए थे। इनमें से 38 सीटों पर भाजपा के उम्मीदवार जीते थे। वहीं कांग्रेस के खाते में 12 सीटें गई थीं। इसके अलावा 47 सीटों पर अन्य दलों के उम्मीदवारों को जीत हासिल हुई थी। 2019 में तीसरे चरण में 115 सीटों पर मतदान हुए थे। इनमें से भाजपा ने सबसे ज्यादा 67 सीटें कब्जाई थीं। दूसरी ओर कांग्रेस के महज 19 उम्मीदवार ही जीत सके थे। 29 सीटों पर अन्य उम्मीदवारों को जीत मिली थी। बीते लोकसभा चुनाव के दौरान चौथे चरण के मतदान 71 सीटों पर कराए गए थे। इनमें से भाजपा के सबसे ज्यादा 49 प्रत्याशी विजयी हुए थे। मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस के मात्र 2 प्रत्याशी ही जित दर्ज कर सके थे। वहीं बाकी 20 सीटें अन्य दलों के खाते में गई थीं। 2019 लोकसभा चुनाव में पांचवें चरण के मतदान में 51 सीटें कवर की गई थीं।

इनमें से 42 सीटें भाजपा ने कब्जाई थी। कांग्रेस पांचवें चरण वाली सीटों पर महज खाता ही खोल पाई थी। शेष 8 सीटें अन्य उम्मीदवारों ने जीती थीं। पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान छठे चरण में 59 लोकसभा क्षेत्रों पर मतदान कराए गए थे। इनमें से 45 सीटों पर भाजपा के उम्मीदवार जीतकर संसद पहुंचे थे। कांग्रेस केवल एक सीट पर ही जीत दर्ज कर सकी थी। बाकी 13 विजयी उम्मीदवार अन्य दलों के थे। 2019 में सातवें चरण में भी 59 सीटों पर मतदान की प्रक्रिया हुई थी। सातवें चरण की 59 सीटों में से 31 पर भाजपा को सफलता मिली थी। कांग्रेस के महज आठ उम्मीदवार ही चुने गए थे।

अखिलेश यादव की बेटी अदिति की राजनीति में एंट्री की तैयारी

परिवारवाद में होने वाली एक और एंट्री

मैनपुरी, 19 मार्च (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव की बेटी अदिति यादव को भी राजनीति में प्रवेश कराने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। भारतीय राजनीति में परिवारवाद का एक और अध्याय शुरू होने वाला है। राजनीति में परिवारवाद के पुरोधा परिवारों में लालू परिवार से बड़ा नाम मुलायम परिवार का है।

लोकसभा चुनाव 2024 में मुलायम सिंह यादव के परिवार से एक और सदस्य की राजनीति में एंट्री के लिए नींव मजबूत की जा रही है।

अखिलेश और डिंपल यादव की बेटी 22 वर्षीय अदिति यादव इन दिनों अपनी मां डिंपल यादव के साथ चुनाव प्रचार में खूब नजर आ रही हैं। इतना ही नहीं वे अपनी मां को इतनी गंभीरता से सुनती हैं जिससे माना जा रहा है कि वे राजनीति की शिक्षा ले रही हैं।

यूं तो मुलायम परिवार की तीन पीढ़ियां सियासत की ऊंचाइयां छू चुकी हैं, लेकिन अब सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और सांसद डिंपल यादव की बेटी अदिति यादव भी राजनीति का ककहरा सीख रही हैं। सैफई परिवार से मुलायम सिंह यादव ने सियासत में कदम रखा था। इसके बाद भाई शिवपाल सिंह यादव और प्रो.रामगोपाल यादव भी राजनीति में आए। फिर नंबर आया दूसरी पीढ़ी यानी बेटे अखिलेश यादव और भतीजे धर्मेंद्र यादव का। इसके बाद बहू डिंपल यादव भी राजनीति में उतर आईं। तीसरी पीढ़ी के रूप में मुलायम सिंह के पोते तेजप्रताप यादव ने मैनपुरी से 2014 के लोकसभा उप चुनाव में जीत हासिल कर संसद की सीढ़ी चढ़ी। अब सैफई परिवार का एक नया सदस्य सियासत का ककहरा सीख रहा है।

कार्यकर्ता सम्मेलन में पहुंचीं अदिति यादव चाहतीं तो मंच पर मां डिंपल यादव के साथ भी बैठ सकती थीं। लेकिन उन्होंने अपनी जगह नीचे कार्यकर्ताओं के बीच बनाई। कुछ महिला कार्यकर्ताओं के बीच वे सादगी से बैठीं नजर आईं। या यूं कहें कि कार्यकर्ताओं के बीच बैठकर वे उनसे जुड़ने की कोशिश करती नजर आईं। कारण चाहे जो भी हो लेकिन लोगों के बीच अदिति यादव के राजनीति में आने की चर्चाओं ने जोर जरूर पकड़ लिया है।

जब बसपा ने हथिया लिए कांग्रेस के भी दलित वोट

लखनऊ, 19 मार्च (एजेंसियां)। दुविधाग्रस्त कांग्रेस के मुस्लिम वोट का ज्यादातर हिस्सा मुलायम झपट ले गए। बसपा के उभार ने कांग्रेस के दलित वोटों में सेंधमारी कर दी। अगड़ी और गैर यादव पिछड़ी जातियों का ज्यादातर वोट राम मंदिर के कारण भाजपा के साथ लामबंद हो गया।बसपा नेता मायावती चार बार प्रदेश की मुख्यमंत्री भी बनीं। तीन बार भाजपा के सहयोग से और एक बार अपने बलबूते। बदले समीकरण में मुलायम तीन बार मुख्यमंत्री बने। एक बार उनके पुत्र अखिलेश भी सीएम बने। बीच में कुछ वर्षों के लिए भाजपा की लोकप्रियता में कुछ गिरावट दिखाई दी, तो लोगों को लगा कि राम मंदिर का असर कम हो रहा है। पर, शायद इसकी वजह भाजपा खुद थी। इसके पीछे शायद कारण था भाजपा के तत्कालीन नेतृत्व का मंदिर मुद्दे को कभी घोषणापत्र में शामिल करना और कभी बाहर रखना। आडवाणी के सोमनाथ से अयोध्या रथयात्रा के सारथी रहे नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद यही साबित हो रहा है।मोदी ने प्रधानमंत्री बनने के बाद वाराणसी, काठमांडू और केदारनाथ की यात्राओं से राजनीति को हिंदुत्व पर केंद्रित करना शुरू कर दिया। खासतौर पर 2019 में सर्वोच्च न्यायालय से राम मंदिर के पक्ष में फैसला आने के बाद उन्होंने जिस तरह देश की राजनीति और विदेशों के लिए देश की कूटनीति को राम के सरोकारों से

भारतीयता एवं हिंदुत्व के रंगों से सराबोर किया, उसके निहितार्थ बहुत व्यापक हैं।यही वजह रही कि गैर कांग्रेसवाद के शिल्पकार आचार्य नरेंद्र देव, डॉ. राममनोहर लोहिया, चौधरी चरण सिंह के गृह राज्य में इनके राजनीतिक विरासत पर दावा करने वाले मुलायम सिंह यादव जैसे नेता की समाजवादी पार्टी को कांग्रेस के साथ खड़ा होने को मजबूर कर दिया है। समाजवाद के नाम पर जो डॉ. लोहिया 70 के दशक में नेहरू और कांग्रेस को रोकने के लिए तत्कालीन जनसंघ से मिलकर चुनाव लड़ रहे थे, उन्हीं के चिंतन से निकलने का दावा करने वाली समाजवादी पार्टी वोटों की गणित से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार सत्तारूढ़ होने से रोकने के लिए कांग्रेस के साथ खड़ी है।कांग्रेस भी यह भूलकर कि समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव ही के विदेशी मूल का मुद्दा उठाने के कारण सोनिया गांधी प्रधानमंत्री बनते-बनते रह गई थीं, समाजवादी पार्टी से गलबहियां किए घूम रही है। वर्ष 1980 में गठन के बाद हुए लोकसभा के लगातार दो चुनाव में उत्तर प्रदेश में एक भी सीट न पाने वाली भाजपा 2014 और 2019 में लोकसभा के लगातार दो चुनावों में क्रमशः 71 और 62 सीटें हासिल कर केंद्र में सरकार बना चुकी है। सहयोगियों की सीटें जोड़ दें तो यह आंकड़ा और बढ़ जाएगा।

अकेले रह जाएंगे पशुपति पारस, एनडीए के टिकट का विकल्प बाकी

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने सोमवार को बिहार की 40 लोकसभा सीटों के घटक दलों में बंटवारे की घोषणा की और मंगलवार को एक केंद्रीय मंत्री का इस्तीफा हो गया। शायद इससे ज्यादा बवाल भाजपा के अंदर में नहीं है। अंदर-अंदर यही माना जा रहा है। बाहर समझाने की कोशिश हो रही है, ताकि घर फूटने पर कोई लूटने नहीं चला आए। दरअसल, बिहार की 40 सीटों के बंटवारे के साथ एनडीए के सबसे बड़े दल भारतीय जनता पार्टी ने बड़ा खेला कर दिया। खेला सीट बंटवारे में सीटों के चयन का है। इस बंटवारे में तीन सांसदों का टिकट कैंसिल करते हुए तीन को वेटिंग में छोड़ दिया गया। वह वेटिंग शायद पशुपति कुमार पारस नहीं समझ सके। बहुत चौंकने वाली बात नहीं होगी कि बाकी दो वेटिंग इस बात को समझ जाएं।

केंद्रीय मंत्री पद से इस्तीफा देने वाले पशुपति कुमार पारस ने पिछले हफ्ते बिहार में प्रेस से बात की तो अपने लिए हाजीपुर, प्रिंस राज के लिए समस्तीपुर और चंदन सिंह के लिए नवादा की सीट कन्फर्म बताई। मतलब यह साफ कहा कि वह तीनों अपनी सीटों से ही लड़ेंगे। उनकी ही बात अगर एक हद तक आगे सही हो जाए तो अजूबा नहीं। वह आज शाम बिहार आकर लालू यादव और तेजस्वी यादव से मिलने की योजना में हैं। लेकिन, भाजपा भी उन्हें आसानी से जाने नहीं देना चाह रही है। इसके लिए भाजपा ने विकल्प खोल रखे हैं। इसे समझने के लिए की वह खबर याद कर सकते हैं, जिसमें पशुपति कुमार पारस को उनके गृह जिला खगड़िया से मौका मिलने की बात कही गई थी।

बाकी, सोमवार को जब सीटों की घोषणा की गई तो यह सब एनडीए ने देखकर ही घोषित किया। ऐसे में अब सबकुछ पारस पर निर्भर है। वह हाजीपुर की जिद छोड़ खगड़िया से हाथ आजमाएं तो मौका मिल सकता है। भाजपा मान रही है कि अब सिर्फ यही एक रास्ता है कि वह पीएम मोदी के गुड बुक में कायम रह सकते हैं। यही उन्हें समझाया जा रहा है। फैसला आज से कल तक हो जाएगा।

भाजपा ने शिवहर सीट से रमा देवी को बेटिकट किया। यह सीट मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाईटेड को देने की घोषणा होते-होते बाहुबली पूर्व सांसद आनंद मोहन सिंह की पत्नी लवली आनंद ने पार्टी ज्वाइन कर ली। मतलब, राजपूतों को मनाने का रास्ता पक्का कर लिया गया। गया सीट जदयू से लेकर हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा-सेक्युलर को देने से भूतपूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी को प्रसन्न कर लिया गया। इसी तरह, उपेंद्र कुशवाहा की पसंदीदा सीट काराकाट जदयू से लेकर राष्ट्रीय लोक मोर्चा को दी गई। अब पूर्व केंद्रीय मंत्री कुशवाहा भी इससे खुश हैं। यह है टिकट कैंसिल करने के फायदे की बात।भाजपा ने हाजीपुर सीट चिराग पासवान को भले दी, लेकिन लोक जनशक्ति पार्टी की सीट छह से पांच होने के बावजूद खगड़िया सीट उससे नहीं छीनी। यह सीट एक तरह से पशुपति पारस को ध्यान में रखकर छोड़ी गई है। नवादा सीट लोजपा से ली गई, वहां से बाहुबली सूरजभान सिंह के भाई चंदन सिंह सांसद हैं। चंदन सिंह अगड़ी जाति से हैं, इसलिए वह चिराग पासवान की छोड़ी जमुई सीट पर नहीं जा सकते। उन्हें सोचना पड़ेगा। वैसे, उनके लिए भी शायद चिराग पासवान के साथ जाने का फैसला लेना बहुत मुश्किल नहीं। चिराग के पास वैशाली सीट भी है, हालांकि वहां की सांसद वीणा देवी की दावेदारी तो है ही। उधर, दिवंगत रामविलास पासवान के भतीजे प्रिंस राज को सोचना नहीं पड़ेगा। उनकी समस्तीपुर सीट को चिराग पासवान के पास छोड़ा गया है।राम विलास पासवान के निधन के बाद लोक जनशक्ति पार्टी जब टुकड़ों में बंटी थी तो चिराग पासवान अकेले पड़ गए थे और उनके चाचा पशुपति पारस चार सांसदों प्रिंस राज, चंदन सिंह, वीणा देवी और चौधरी महबूब अली कैसर को लेकर अलग हो गए थे।

उन्हें भाजपा ने केंद्रीय मंत्री बनाया और चिराग को किनारे छोड़ दिया। चिराग की वापसी नहीं हो पा रही थी। 2020 के चुनाव में एनडीए के घटक जदयू को नुकसान पहुंचाने के कारण चिराग पासवान सीएम नीतीश कुमार के निशाने पर थे। जब चिराग की वापसी के संकेत मिले तो वीणा देवी और फिर कैसर ने चिराग के प्रति आस्था जता दी। ऐसे में बाकी दो की आस्था और विश्वास का पता आज से कल तक चल जाएगा। पता चल जाएगा कि पारस अकेले गए या यह सब देख वापसी का फैसला लेने को मजबूर हुए।

कुछ सीटों पर सपा बदलेगी प्रत्याशी

पीलीभीत से वरुण गांधी की चर्चा

लखनऊ, 19 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के पहले चरण के लिए नामांकन बुधवार से शुरू होंगे, पर अभी तक सपा ने रामपुर, मुरादाबाद और पीलीभीत के टिकट फाइनल नहीं किए हैं। बताया जा रहा है कि रामपुर और मुरादाबाद का टिकट जेल में बंद पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खां की सहमति के बाद घोषित किए जाएंगे।2019 में मुरादाबाद से एसटी हसन और रामपुर से आजम खां जीते। पर, कुछ समय बाद आजम खां को एक मामले में कोर्ट ने तीन साल की सजा सुना दी। इससे आजम की सदस्यता चली गई। वर्ष 2022 में हुए उपचुनाव में भाजपा ने यह सीट सपा से छीन ली। वर्तमान में रामपुर से भाजपा के घनश्याम लोधी सांसद हैं।पहले चरण के चुनाव में आठ सीटें सहारनपुर, कैराना, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, नगीना, मुरादाबाद, रामपुर और पीलीभीत शामिल हैं। इनमें से एकमात्र सहारनपुर सीट इंडी गठबंधन के तहत कांग्रेस के खाते में है। सपा अभी तक कैराना, मुजफ्फरनगर, बिजनौर व नगीना में अपने प्रत्याशी घोषित कर चुकी है।मुरादाबाद से एसटी हसन के अलावा दो-तीन विधायक भी टिकट मांग रहे हैं। पिछली बार भी एसटी हसन को टिकट आजम खां के कहने पर ही दिया गया था। रामपुर और मुरादाबाद में हमेशा की तरह इस बार भी आजम खां की राय को ही अहमियत मिलेगी। शीर्ष नेतृत्व उनसे संपर्क के बाद दोनों सीटों पर प्रत्याशी घोषित करेगा।माना जा रहा है कि इस बार भाजपा पीलीभीत से सांसद वरुण गांधी या सुल्तानपुर से सांसद उनकी मां मेनका गांधी में से किसी एक को ही टिकट दे सकती है।

हेमंत सोरेन की भाभी सीता सोरेन भाजपा में शामिल

रांची, 19 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की भाभी सीता सोरेन भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गईं। भाजपा में शामिल होते हुए सीता सोरेन ने कहा कि वे झारखंड मुक्ति मोर्चा परिवार छोड़कर भाजपा परिवार में जुड़ रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरे देश में विकास हो रहा है। इसे देखते हुए ही उन्होंने भाजपा से जुड़ने का निर्णय किया। सीता सोरेन ने कहा कि झारखंड के लिए उनके पति ने जो सपना देखा था, वे उसे पूरा करने का काम करेंगी। उन्होंने कहा कि उनके पति उन्हें राजनीति में आगे बढ़ाना चाहते थे।भाजपा ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के घर बड़ी सेंध लगाई है। झारखंड मुक्ति मोर्चा की पूर्व विधायक और हेमंत सोरेन की भाभी सीता सोरेन ने मंगलवार को अपनी पार्टी से इस्तीफा देने के बाद भाजपा का दामन थाम लिया है। उनके भाजपा खेमे में आने से पार्टी को मजबूती मिल सकती है। विशेषकर हेमंत सोरेन आदिवासियों के जिस कथित उत्पीड़न के सहारे भाजपा को मात देने की कोशिश कर रहे हैं, सीता सोरेन के खेमा बदलने के बाद जेएमएम का दांव हल्का पड़ सकता है। पिछले लोकसभा

चुनाव के दौरान भाजपा ने झारखंड की 14 में से 12 सीटों पर जीत हासिल की थी। लेकिन पार्टी इस बार झारखंड में भी क्लीन स्वीप करने के मूड में है।भाजपा महासचिव विनोद तावड़े ने कहा कि सीता सोरेन के आने के बाद पार्टी की राजनीतिक शक्ति बढ़ेगी। आदिवासी समुदाय के विकास के लिए सीता सोरेन की ताकत का इस्तेमाल किया जायेगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार आदिवासियों के विकास के लिए लगातार काम कर रही है। इसका असर इन वर्गों के जीवन में आ रहे बदलाव में दिखाई दे रहा है।सीता सोरेन ने अपने इस्तीफे में अपने परिवार की उपेक्षा का आरोप लगाया है। उन्होंने अपने पति दुर्गा सोरेन की मौत के बाद अपने परिवार की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए ससुर शिबू सोरेन के लिए आगामी जीवन के लिए शुभकामनाएं दी हैं। झारखंड मुक्ति मोर्चा में रहते हुए भी उन्होंने हेमंत सोरेन सरकार पर खनन मामलों में घोटाले होने के आरोप लगाए थे।सीता सोरेन के पति दुर्गा सोरेन झारखंड के बड़े नेताओं में गिने जाते थे। उनकी अगुवाई में ही झारखंड अलग राज्य बना था। लेकिन उनकी दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु के बाद जेएमएम की कमान हेमंत सोरेन के हाथों में आ गई। आरोप है कि इसके बाद हेमंत सोरेन ने दुर्गा सोरेन के परिवार की उपेक्षा की और उन्हें राजनीति में आगे बढाने के लिए कोई काम नहीं किया। इससे नाराज सीता सोरेन समय-समय पर हेमंत सोरेन के खिलाफ बिगुल फूंकती रहीं और आज अंततः उन्होंने पार्टी का दामन छोड़ भाजपा में शामिल हो गईं।सीता सोरेन झामुमो मुक्ति मोर्चा के प्रमुख रहे शिबू सोरेन की बड़ी बहू और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की भाभी हैं। वह दुमका की जामा विधानसभा सीट से तीन बार की विधायक हैं। लगातार विधायक होने के बावजूद हेमंत सोरेन ने अपनी भाभी को मंत्रिमंडल में कोई जगह नहीं दी। भाजपा में शामिल होने के पहले उन्होंने बाकायदा झामुमो से इस्तीफा दिया। साल 2009 में शिबू सोरेन के बड़े बेटे और झामुमो के तत्कालीन महासचिव दुर्गा सोरेन की बोकारो में संदेहास्पद स्थिति में मौत हो गई थी।

शीर्ष कोर्ट से शरद पवार गुट को बड़ी राहत

राकांपा में जुड़ेगा शरदचंद्र पवार का नाम

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शरद पवार गुट को लोकसभा और विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी के नाम राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शरदचंद्र पवार का उपयोग करने की अनुमति दे दी है। कोर्ट ने शरद पवार गुट को पार्टी चिह्न तुरहा बजाते व्यक्ति का उपयोग करने की भी अनुमति दी। इसके अलावा कोर्ट ने निर्वाचन आयोग को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार और चुनाव चिह्न तुरहा बजाते व्यक्ति को मान्यता देने का निर्देश दिया।

शीर्ष कोर्ट ने निर्वाचन आयोग को निर्देश दिया कि वह लोकसभा और विधानसभा चुनावों के लिए किसी और को चुनाव चिह्न तुरहा बजाता व्यक्ति आवंटित न करे। कोर्ट ने अजित पवार गुट से भी यह सार्वजनिक नोटिस जारी करने को कहा कि राकांपा का चुनाव चिह्न घड़ी विचाराधीन है और इसका इस्तेमाल न्यायिक निर्णय के अधीन है।

शरद पवार के धड़े की ओर से सुप्रीम कोर्ट ने याचिका लगाई थी। असमें अजित पवार गुट को निर्वाचन आयोग की ओर से दिया गया घड़ी चुनाव चिह्न का उपयोग करने से रोकने की मांग की गई थी। याचिका में रोक की मांग का आधार यह बताया कि इससे दोनों धड़ों को समान अवसर नहीं मिल रहे।

दरअसल, शरद पवार की ओर से बनाई गई राकांपा के विभाजन से पहले इसका चुनाव चिह्न घड़ी था। अब यह चिह्न अजित पवार की अगुवाई वाली पार्टी के पास है।

कोर्ट ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार नीत पार्टी के धड़े से अंग्रेजी, हिंदी और मराठी में अखबारों में नोटिस जारी करने को कहा कि घड़ी चुनाव चिह्न कोर्ट में विचाराधीन है और इसका उपयोग फैसले के आधार पर होगा। पीठ ने अजित पवार नीत धड़े से चुनाव से संबंधित सभी विज्ञापनों, बैनर और पोस्टर में भी इसी तरह की घोषणा करने को कहा।

कोर्ट ने अजित पवार की पार्टी को वास्तविक राकांपा मानने के निर्वाचन आयोग के छह फरवरी के आदेश के खिलाफ शरद पवार गुट की याचिका पर अजित पवार खेमे से चार सप्ताह में जवाब दाखिल करने को कहा। शीर्ष कोर्ट ने 19 फरवरी को निर्देश दिया था कि राकांपा के शरद पवार नीत धड़े को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार नाम आवंटित करने का निर्वाचन आयोग का आदेश अगले आदेशों तक जारी रहेगा।

लोकसभा चुनावों के लिए कश्मीर मांग रहा अधिकतम सुरक्षाबल

जम्मू, 19 मार्च (ब्यूरो)। जम्मू कश्मीर में आतंकवाद के खत्म होने का दावा करने वाले सुरक्षाधिकारियों ने प्रदेश में लोकसभा चुनावों के लिए जितने अतिरिक्त सुरक्षाकर्मियों की मांग की है वह चुनाव आयोग तथा केंद्रीय गृहमंत्रालय के लिए चौंकाने वाला है।

हालांकि इस साल मात्र दो आतंकी घटनाएं हुई हैं जिनमें से एक में चार नागरिक मारे गए थे और एक आतंकी को मार गिराया गया था। पिछले साल कश्मीर ने 134 मौतें देखी थीं जिनमें से 87 आतंकी ही थे।बावजूद इसके कश्मीर को आतंकवाद से पूरह तरह से मुक्त के होने का दावा अभी तक नहीं किया गया है। यह बात अलग है कि कश्मीर के जिन कुछ जिलों को आतंकवाद मुक्त घोषित किया गया था वहां भी बाद में आतंकी घटनाओं पर सुरक्षाधिकारियों ने चुप्पी साध रखी है।

प्रदेश में चुनाव आयोग ने सुरक्षाबलों की 635 कंपनियों को तैनात करने की बात की है। लाखों अर्द्ध सैनिक बल और सेना के जवान पहले से ही प्रदेश में आतंकवाद के खात्मे के कगार पर दावों के बावजूद तैनात हैं। पर प्रदेश प्रशासन और पुलिस महानिदेशक इस संख्या को कम मान रहे हैं। प्रशासन पश्चिमी बंगाल जितने सैनिक लोकसभा चुनावों के लिए चाहता है। इसके पीछे वह कई कारण गिनाता था। पहला कारण, वह इसे दबे स्वर में स्वीकार करता था कि आतंकवाद अभी पूरी तरह से खत्म नहीं हुआ है और पाकिस्तान अपने हालत से अपनी जनता का ध्यान बंटाने के लिए आतंकियों पर कुछ बड़ा करने का दबाव बना सकता है।

चुनावी बिगुल बजते ही मैदान में उतरने लगे राजनीतिक दल

जम्मू, 19 मार्च (ब्यूरो)। प्रदेश के सभी राजनीतिक दल विधानसभा चुनावों की घोषणा न होने से निराश तो जरूर हुए हैं पर वे अब लोकसभा चुनावों में अपना दमखम दिखाने को उतावले हैं। यही कारण था कि लोकसभा चुनावों का बिगुल बजते ही प्रदेश में राजनीतिक गतिविधियां तेजी पकड़ चुकी हैं और प्रदेश सियासी रंग में रंग गया है।

नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी, पीपुल्स कॉन्फ्रेंस, अपनी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी, सभी पार्टियां चुनाव प्रचार में जुट गई हैं। अपने कार्यकर्ताओं और जिला कार्यकर्ताओं के साथ बैठकें आयोजित की जा रही हैं। हालांकि नेकां, पीडीपी, भाजपा और अपनी पार्टी सहित किसी ने अभी तक कश्मीर की तीन सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है, लेकिन उनके नेताओं ने जिलों और कस्बों में अभियान शुरू कर दिया है।

कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने कहा कि उनका नेतृत्व आने वाले दिनों में चुनाव प्रचार शुरू करेगा, हालांकि जिला स्तर के प्रमुख पहले से ही कार्यकर्ताओं से मिल रहे हैं। कश्मीर की तीन सीटों के लिए चुनाव 7 मई से होने हैं। तीसरे चरण में अनंतनाग-राजौरी में मतदान होगा, जबकि 13 मई को चरण 4 में श्रीनगर-पुलवामा संसदीय सीटों पर मतदान होगा। चरण 5 में बारामुल्ला और 20 मई को कुपवाड़ा सीट मतदान होगा। जम्मू संभाग की उधमपुर सीट पर पहले चरण में 9 अप्रैल को मतदान होगा और दूसरे चरण में जम्मू-सांबा सीट पर 26 अप्रैल को मतदान होगा।

पतंजलि ने अवमानना नोटिस का नहीं दिया जवाब

सुप्रीम कोर्ट ने रामदेव बालकृष्णन को पेश होने को कहा

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)।
सुप्रीम कोर्ट ने आयुर्वेदिक कंपनी पतंजलि आयुर्वेद के प्रबंध निदेशक आचार्य बालकृष्ण और योग गुरु रामदेव को सुनवाई की अगली तारीख पर पेश होने के लिए कहा है। दरअसल, बीमारियों के इलाज पर भ्रामक विज्ञापनों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने पतंजलि और बालकृष्ण को अवमानना का नोटिस भेजकर जवाब मांगा था, जिसका इन लोगों ने जवाब नहीं दिया।

न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने कंपनी और बालकृष्ण की अदालत द्वारा पहले जारी नोटिसों पर जवाब दाखिल करने में विफल रहने पर कड़ी आपत्ति जताई। पीठ ने रामदेव को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया है कि क्यों न उनके खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू की जाए।

इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने योगगुरु रामदेव की पतंजलि आयुर्वेद को उसके उत्पादों के बारे में न्यायालय में दिए गए पूर्व के आश्वासनों के उल्लंघन और दवाओं के असर से जुड़े गलत दावों के मामले में कड़ी फटकार लगाई थी। न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति ए अमानुल्लाह की पीठ ने पतंजलि आयुर्वेद और उसके प्रबंध निदेशक को नोटिस जारी कर पूछा था कि उनके खिलाफ अवमानना की कार्यवाही क्यों नहीं शुरू की जाए।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के वरिष्ठ अधिवक्ता पीएस पटवालिया ने याचिका में बताया था कि पतंजलि ने दावा किया था कि योग अस्थमा और डायबिटीज को पूरी तरह से ठीक कर सकता है। पिछले साल नवंबर में सुप्रीम कोर्ट ने भ्रामक विज्ञापनों को लेकर केंद्र से परामर्श और गाइडलाइंस जारी करने का आदेश दिया था।

पीठ ने पतंजलि आयुर्वेद और उसके अधिकारियों को मीडिया में (प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक दोनों तरह की) अन्य दवा प्रणालियों के बारे में कुछ गलत कहने के लिए आगाह किया था। कंपनी ने पहले अदालत के समक्ष अपने हलफनामे में ऐसा नहीं करने की बात कही थी। पिछले साल 21 नवंबर को, कंपनी का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील ने शीर्ष अदालत को आश्वासन दिया था कि आगे से कानून का कोई उल्लंघन नहीं होगा।

कंपनी की ओर से हलफनामे में कहा गया था कि पतंजलि उत्पादों के औषधीय असर का दावा करने वाला कोई भी अनौपचारिक बयान या किसी भी दवा प्रणाली के खिलाफ कोई बयान या विज्ञापन जारी नहीं किया जाएगा। शीर्ष अदालत इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) की उस याचिका पर सुनवाई कर रही है जिसमें रामदेव पर टीकाकरण अभियान और आधुनिक दवाओं को बदनाम करने का अभियान चलाने का आरोप लगाया गया है।

आईएमए ने आरोप लगाया कि पतंजलि ने कोविड-19 वैक्सीनेशन के खिलाफ एक बदनाम करने वाला कैंपेन चलाया था।

इस पर अदालत ने चेतावनी दी थी कि पतंजलि आयुर्वेद की ओर से झूठे और भ्रामक विज्ञापन तुरंत बंद होने चाहिए। खास तरह की बीमारियों को ठीक करने के झूठे दावे करने वाले प्रत्येक उत्पाद के लिए एक करोड़ रुपए तक के जुर्माने की संभावना जाहिर की। कोविड-19 महामारी के दौरान एलोपैथिक फार्मास्यूटिकल्स पर अपनी विवादास्पद टिप्पणियों के लिए आईएमए की ओर से दायर आपराधिक मामलों का सामना करने वाले रामदेव ने मामलों को रद्द करने के लिए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था।

अदालत ने केंद्र और आईएमए को नोटिस जारी करते हुए सुनवाई की अगली तारीख 15 मार्च मुकर्रर की। रामदेव पर आईपीसी की धारा 188, 269 और 504 के तहत सोशल मीडिया पर चिकित्सा बिरादरी की ओर से इस्तेमाल की जाने वाली दवाओं के बारे में भ्रामक जानकारी फैलाने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है।

मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत छह अप्रैल तक बढ़ी

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)।
आम आदमी पार्टी (आपा) के नेता पूर्व मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को शराब नीति घोटाला मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत को बढ़ा दिया है। अब अगली सुनवाई छह अप्रैल को होगी।

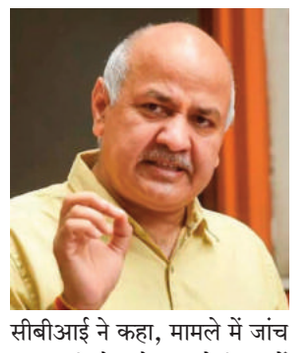

सीबीआई ने अदालत के समक्ष तर्क रखा कि आबकारी नीति मामले में जल्द ही कुछ और हाईप्रोफाइल लोगों को गिरफ्तारी हो सकती है। जांच एजेंसी ने सोमवार को दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर विरोध जताते हुए अदालत के समक्ष तर्क रखा। सीबीआई ने कहा, मामले में जांच चल रही है और आरोपी इसमें बाधा डाल सकते हैं।

उच्चतम न्यायालय की ओर से उपचारात्मक जमानत याचिका खारिज किए जाने के बाद सिसोदिया अपनी जमानत याचिका पर जोर दे रहे हैं। विशेष न्यायाधीश एमके नागपाल ने सिसोदिया के वरिष्ठ वकील मोहित माथुर और सीबीआई के अतिरिक्त लोक अभियोजक पंकज गुप्ता की दलीलें सुनने के बाद प्रवर्तन निद-ेशालय की ओर से दलीलें सुनने के लिए मामले की सुनवाई 22 मार्च तय की है।

सिसोदिया की और से पेश वरिष्ठ वकील मोहित माथुर ने तर्क रखा कि सुप्रीम कोर्ट ने देखा है कि 13 महीने बीत चुके हैं उनके के भागने का ख़तरा नहीं है। सबूतों से छेड़छाड़ की कोई संभावना नहीं है। दरअसल, अब कोई सबूत नहीं बचा है। सभी सरकारी गवाह बन गए हैं। वरिष्ठ अधिवक्ता माथुर ने कहा कि दूसरे आरोपी को जमानत दे दी गई, चाहे यह कितनी भी विडंबनापूर्ण क्यों न हो।

भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने उठाए सवाल

नौ समन पर 18 बहाने क्यों लगा रहे केजरीवाल?

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)।
मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के ईडी समन पर पेश न होने पर भारतीय जनता पार्टी ने निशाना साधा है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने मीडिया के समक्ष कहा कि केजरीवाल समन के नाम पर डरा रहे हैं। बेल को राहत समझने की कोशिश न करें। नौ समन पर 18 बहाने लगा रहे हैं। दिन रात प्रेस कॉन्फ्रेंस करने वाले समन से भाग रहे हैं।

दिल्ली के मुख्यंत्री अरविंद केजरीवाल पर हमला बोलते हुए संबित पात्रा ने कहा कि एक भी समन की केजरीवाल ने लाज नहीं रखी। मुख्यमंत्री टेक्निकल बहाने बना रहे हैं। अब उनके बाहने नहीं चलने वाले हैं। केजरीवाल को नौ समन 18 बाहने बना रहे हैं। संबित पात्रा ने कहा कि अगर आपको शक है तो समन भेजिए, आप जांच कराएं, जो हर दिन प्रेस कॉन्फ्रेंस करते थे। आज वो लोग समन से भाग रहे हैं। समन से डर रहे हैं। बीते छह महीने में नौ समन भेजे गए हैं। अक्तूबर से मार्च तक समन भेजा गया। लेकिन एक भी समन की लाज नहीं रखी। जांच एजेंसियों दस्तावेजों के आधार पर काम करती हैं। सबूत कहीं न कहीं छूट ही जाते हैं।

दिल्ली की वित्त मंत्री आतिशी ने मंगलवार को एक बार फिर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि ईडी की तरफ से कल प्रेस रिलीज जारी की गई। प्रेस रिलीज जारी कर ईडी ने आरोप लगाया था कि आप ने रिश्वत ली। केजरीवाल और मनीष सिसोदिया ने 100 करोड़ रुपए की रिश्वत ली।

उठावना

श्रीमती शकुन्तला भूतड़ा

(धर्मपत्नी : स्व. श्री रामनिवासजी भूतड़ा)

स्वर्गवास : सोमवार दि.18-3-2024

उठावना आज बुधवार दि.20-3-2024 को
दोपहर 1:00 से 1:30 बजे तक
हरे कृष्णा मंदिर (गोल्डन टेम्पल)
MLA कॉलोनी, रोड नं. 12, बंजारा हिल्स, हैदराबाद पर होगा।

शोकाकुल

रामअवतार, श्यामसुन्दर, ओमनारायण, घनश्याम, राधेश्याम, शिवकुमार (देवर), धनराज, श्रीगोपाल (भतीजे), ब्रिजगोपाल (पुत्र), गौरव, आलोक (पौत्र) एवं समस्त भूतड़ा परिवार

रामनिवास ब्रिजगोपाल भूतड़ा

'अयोध्या', म.नं. 71/A/A, MLA कॉलोनी, रोड नं. 12,
बंजारा हिल्स, हैदराबाद मोबाइल : 8008042606, 9885064470

बैठक : बुधवार दि.20 मार्च से शनिवार दि. 23 मार्च 2024 तक
प्रतिदिन मध्याह्न 3 से 5 बजे तक निवास स्थान पर

FINECAB
WIRES AND CABLES
BHAVES

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपका धन आपके काम तभी आता है जब आप फिजूलखर्ची करने से खुद को रोकते हैं आज ये बात आपको अच्छी तरह से समझ में आ सकती है। जिसके साथ आप रहते हैं, उससे वाद-विवाद करने से बचें। यदि कोई समस्या है, तो उसे शान्ति से बातचीत करके सुलझाएँ। आपकी प्रेम कहानी आज एक नया मोड़ ले सकती है, आपका साथी आज आपसे शादी को लेकर बात कर सकता है। ऐसे में कोई भी फैसला लेने से पहले आपको विचार अवश्य करना चाहिए। आपका प्यार, आपका जीवनसाथी आपको कोई ख़ूबसूरत तोहफ़ा दे सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। बिना बताये आज कोई देनदार आपके अकाउंट में पैसे डाल सकता है जिसके बारे में जानकर आपको अचंभा भी होगा और खुशी भी। किसी धार्मिक स्थान पर जाएँ या किसी संत से मिलें, इससे आपके मन को शांति और सुकून मिलेगा। घर के कामों को पूरा करने के बाद गृहणियां आज के दिन फुर्सत में शापिंग का प्लान बन सकती है । आज अचानक तबीयत खराब हो सकती है जिससे आप सारे दिन भर परेशान रह सकते हैं। फिजूलखर्ची से आप को जरुर बचना चाहिए।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

अपने आहार पर नियंत्रण रखें और चुस्त-दुरुस्त रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। आज धन लाभ होने की संभावना तो बन रही है लेकिन ऐसा हो सकता है कि अपने गुस्सैल स्वभाव के कारण आप पैसा कमाने में सक्षम न हो पाएं। सामाजिक उत्सवों में सहभागिता का मौक़ा है, जो आपको प्रभावशाली व्यक्तियों के संपर्क में लाएगा। आपके आस-पास के लोग कुछ ऐसा कर सकते हैं, जिसके चलते आपका जीवनसाथी आपकी तरफ़ फिर से आकर्षित महसूस करेगा। आज आपका कोई सहकर्मी आपको सलाह दे सकता है, हालांकि आपको यह सलाह पसंद नहीं आएगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

पैसों की कमी आज घर में कलह की वजह बन सकती है, ऐसी स्थिति में अपने घर के लोगों से सोच-समझकर बात करें और उनसे सलाह लें। शाम के समय अपने जीवनसाथी के साथ बाहर खाना या फ़िल्म देखना आपको सुकून देगा और ख़ुशमिज़ाज बनाए रखेगा। दिन के अंत में आज आप अपने घर के लोगों को वक्त देना चाहेंगे लेकिन इस दौरान घर के किसी करीबी के साथ आपकी कहासुनी हो सकती है और आपका मूड खराब हो सकता है. वैवाहिक जीवन के लिए अच्छा दिन है। यात्रा पर किसी हसीन अजनबी से मुलाक़ात आपको अच्छे अनुभव करा सकती है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज किसी पार्टी में आपकी मुलाकात किसी ऐसे शख़्स से हो सकती है जो आर्थिक पक्ष को मजबूत करने के लिए आपको अहम सलाह दे सकता है। क्योंकि आपके पास आज अतिरिक्त ऊर्जा है, जो आपको किसी पार्टी या कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए प्रेरित करेगी।अपना समय और ऊर्जा दूसरों की मदद करने में लगाएँ, लेकिन ऐसे मामलों में पड़ने से बचें जिनसे आपका कोई लेना-देना नहीं है। वैवाहिक जीवन के लिहाज़ से यह बढ़िया दिन है। साथ में एक अच्छी शाम गुज़ारने की योजना बनाएँ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपका आकर्षक बर्ताव दूसरों का ध्यान आपकी तरफ़ खींचेगा। पैसा अचानक आपके पास अएगा, जो अपके ख़र्चों और बिल आदि को सम्हाल लेगा। ज़रूरत के वक़्त आपको दोस्तों का सहयोग मिलेगा। आज आप ख़ुद को अपने प्रिय के प्यार से सराबोर महसूस करेंगे। इस लिहाज़ से आज का दिन बहुत ख़ूबसूरत रहेगा। आज जितना हो सके लोगों से दूर रहें। लोगों को वक्त देने से बेहतर है अपने आपको वक्त दें। इसलिए अपने दिन की योजना बेहतर तरीक़े से बनाएँ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप ऐसे स्रोत से धन अर्जित कर सकते हैं, जिसके बारे में आपने पहले सोचा तक न हो। पड़ोसियों से झगड़ा आपका मूड ख़राब कर सकता है। लेकिन अपना आपा न खोएँ, इससे सिर्फ़ आग और भड़केगी। अगर आप सहयोग न करें, तो कोई आपसे नहीं झगड़ सकता है। सबसे अच्छा रिश्ता बनाए रखने की कोशिश करें। आप महसूस करेंगे कि प्यार में बहुत गहराई है और आपका प्रिय आपको सदा बहुत प्यार करेगा। अगर आप शादीशुदा हैं और आपके बच्चे भी हैं तो वो आज आपसे शिकायत कर सकते हैं क्योंकि आप उनको पर्याप्त समय नहीं दे पाते।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

कोई अच्छी ख़बर मिल सकती है। केवल एक दिन को नज़र में रखकर जीने की अपनी आदत पर क़ाबू करें और ज़रूरत से ज़्यादा वक़्त व पैसा मनोरंजन पर ख़र्च न करें। आप दोस्तों के साथ बेहतरीन वक़्त बिताएंगे, लेकिन गाड़ी चलाते वक़्त ज़्यादा सावधानी बरतें। आज धार्मिक कामों में आप अपना खाली समय बिताने का विचार बना सकते हैं। इस दौरान बेवजह की बहसों में आपको नहीं पड़ना चाहिए। दोस्तों के साथ फ़ोन पर गपशप से बढ़िया और क्या हो सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

जब आप कोई फ़ैसला लें, तो दूसरों की भावनाओं का ख़ास ख़याल रखें। आपका कोई भी ग़लत निर्णय न केवल उनपर ख़राब असर डालेगा, बल्कि आपको भी मानसिक तनाव देगा। यदि शादीशुदा हैं तो आज अपने बच्चों का विशेष ख्याल रखें क्योंकि यदि आप ऐसा नहीं करते तो उनकी तबीयत बिगड़ सकती है और आपको उनके स्वास्थ्य पर काफी पैसा खर्च करना पड़ सकता है। जो लोग अब तक किसी काम में व्यस्त थे आज उन्हें अपने लिए समय मिल सकता है लेकिन घर में किसी काम के आ जाने से आप फिर से व्यस्त हो सकते हैं। आज घर पर रहेंगे लेकिन घर की उलझनें आपको परेशान कर सकती हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिजुलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। बच्चे भविष्य की योजनाएँ बनाने की अपेक्षा घर के बाहर ज़्यादा समय बिताकर आपको निराश कर सकते हैं। आप खुद को समय देना जानते हैं और आज तो आपको काफी खाली समय मिलने की संभावना है। खाली समय में आज आप कोई खेल-खेल सकते हैं या जिम जा सकते हैं। वैवाहिक जीवन के दृष्टिकोण से देखें तो चीज़ें आपके पक्ष में जाती हुई नज़र आ रही हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

झगड़ालू स्वभाव को क़ाबू में रखें, नहीं तो रिश्तों में कभी न मिटने वाली खटास पैदा हो सकती है। ख़र्चों पर क़ाबू रखने की कोशिश करें और सिर्फ़ ज़रूरी चीज़ें ही ख़रीदें। घर में और आस-पास छोटे-मोटे बदलाव घर की सजावट में चार चांद लगा देंगे।मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शख़्स आज आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा। आज की शाम दोस्ती के नाम – कहीं बाहर आप अपने दोस्तों के साथ वक़्त का भरपूर लुत्फ़ उठा सकते हैं, लेकिन सेहत के लिहाज़ से ज़रा संभलकर रहें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

व्यापार को मजबूती देने के लिए आज आप कोई अहम कदम उठा सकते हैं जिसके लिए आपका कोई करीबी आपकी आर्थिक मदद कर सकता है। पारंपरिक रस्में या कोई पावन आयोजन घर पर किया जाना चाहिए। आज आपके पास लोगों से मिलने-जुलने का और अपने शौक़ पूरे करने का पर्याप्त खाली वक़्त है। अगर आप अपने जीवनसाथी की छोटी-छोटी बातों को नज़रअन्दाज़ करेंगे, तो उन्हें बुरा लग सकता है। पिता या बड़ा भाई आज आपकी किसी गलती पर आपको डांट सकता है। उनकी बातों को समझने की कोशिश करें।

बुधवार का पंचांग

दिनांक : 20 मार्च 2024 , बुधवार
विक्रम संवत : 2080
मास : फाल्गुन , शुक्ल पक्ष
तिथि : एकादशी रात्रि 02:25 तक
नक्षत्र : पुष्य रात्रि 10:39 तक
योग : अतिगंड सायं 05:00 तक
करण : वणिज दोपहर 01:22 तक
चन्द्रराशि : कर्क
सूर्योदय : 06:20 , सूर्यास्त 06:27 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:23 , सूर्यास्त 06:30 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:16 , सूर्यास्त 06:23 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:11 , सूर्यास्त 06:18 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : आमलकी एकादशी व्रत, गण्डमूल रात्रि 10:39 से , भद्रा दोपहर 01:20 से रात्रि 02:23 तक , बिड़कुला ढाल थापना भद्रा के पहले

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, तेलंगाना.9246159232,
Chidamber011@gmail.com

सिंधिया के दखल के बाद पुलिस ने घोषित किया 20 हजार का इनाम

कोटा,19 मार्च (एजेंसियां)। कोटा शहर में नाबालिग छात्रा के अपहरण के मामले ने तूल पकड़ लिया है। घटना के 20 घंटे बाद भी नाबालिग का सुराग न लगने से परिजनों के साथ-साथ पुलिस भी खासी परेशान है। कोटा पुलिस प्रशासन ने आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास तेज करने के साथ ही 20 हजार का इनाम घोषित कर दिया है। इसके साथ ही मामले में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के दखल के बाद पुलिस की सिरदर्दी बढ़ गई है। कोटा शहर के विज्ञान नगर थाने में मामले को लेकर खासी मशक्कत हो रही है।

वहीं दूसरी ओर छात्रा की कोई जानकारी नहीं मिलने से परिजन चिंतित और परेशान हैं। परिजनों के साथ कोटा शहर वासियों ने विज्ञाननगर थाने पर प्रदर्शन कर नाराजगी जताई। साथ ही पुलिस प्रश्न को चेतावनी भी दी की जल्द ही अपहृत छात्रा की सुरक्षित बरामदगी नहीं हुई तो प्रदर्शन उग्र होगा। परिजनों ने पुलिस पर आरोप लगाया है कि पुलिस मामले में सक्रिय नहीं है। अपने ढुलमुल तरीके से छानबीन कर रही है, पूछने पर मामले में जांच चल रही है, कह कर अपना पल्ला झाड़ रही है।

सामाजिक संगठन सक्रिय

इधर, कोटा शहर भर के सामाजिक संगठन सक्रिय हो चुके हैं। अपहृत छात्रा के परिजनों से लगातार संपर्क बनाए हुए हैं। किसी भी तरह की अनहोनी की आशंका के चलते छात्रा के परिजनों को लगातार सांत्वना दी जा रही है।

केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने दी सांत्वना

मामले में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी परिजनों से फोन के जरिए बात करके मामले की जानकारी ली साथ ही कहा की बेटी सिर्फ आपकी ही नहीं है, हमारी भी है। हमारी बेटी को सही सलामत वापस लाना ही हमारी प्राथमिकता है।

कोचिंग संस्थान और हॉस्टल संचालक ने झाड़ा पल्ला

दूसरी ओर पूरे मामले में एक बड़ा ट्विस्ट ये आ रहा है कि कोटा में जिस कोचिंग संस्थान में छात्रा का एडमिशन बताया जा रहा है उस कोचिंग संस्थान ने अपने यहां छात्रा का एडमिशन होने से मना कर दिया है। वहीं हॉस्टल संचालक ने भी स्पष्ट कहा है कि यह लड़की उनके हॉस्टल में नहीं रहती। यदि रहती है तो किसी तरह का दस्तावेज दिखाया जाए। इन बातों से ऐसा लग रहा है कि कोचिंग छात्रा ने कोटा में एडमिशन भी लिया है या बिना एडमिशन के वह माता-पिता को गुमराह करके रह रही थी। पूरे मामले का खुलासा अपहरणकर्ताओं के पकड़े जाने और कोचिंग छात्रा के रेस्क्यू होने के बाद ही हो सकेगा।

हनुमानगढ़ में देसी कट्टे सहित दो युवक गिरफ्तार

पुलिस ने आर्म्स एक्ट में दर्ज किया मामला

हनुमानगढ़,19 मार्च (एजेंसियां)। हनुमानगढ़ जिले में दो देसी कट्टे (पिस्तौल) सहित दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। रावतसर और जंक्शन थाना पुलिस ने अलग-अलग कार्रवाई करते हुए दो युवकों को आर्म्स एक्ट के तहत गिरफ्तार किया है। जंक्शन थाना पुलिस ने 315 बोर पिस्तौल बरामद कर एक युवक को गिरफ्तार किया है। इस संबंध में आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

जानकारी के अनुसार जंक्शन पुलिस थाना के एएसआई मांगेराम मोठसरा के नेतृत्व में पुलिस टीम सोमवार देर शाम को थाना क्षेत्र में गश्त कर रही थी। गश्त के दौरान पुलिस टीम ने जसपाल सिंह उर्फ खट्टी (27) पुत्र रामनारायण निवासी वार्ड 55, बिजली कॉलोनी, सुरेशिया, जंक्शन के कब्जे से 315 बोर का देसी पिस्तौल बरामद किया है। मौके से जसपाल सिंह उर्फ खट्टी को गिरफ्तार कर मुकदमा दर्ज किया।

बाइक सवार अवैध देसी कट्टा सहित गिरफ्तार

रावतसर थाना पुलिस ने बाइक सवार युवक को अवैध देसी कट्टा (पिस्तौल) सहित गिरफ्तार कर आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है। रावतसर पुलिस थाने के हेड कॉन्स्टेबल संजय कुमार के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम सोमवार रात्रि को गश्त कर रही थी। गश्त के दौरान पुलिस टीम ने रावतसर कस्बे में कार्रवाई करते हुए बाइक सवार कमलदीप (22) पुत्र तरसेम सिंह निवासी वार्ड 9, रावतसर के कब्जे से अवैध देसी कट्टा बरामद किया। मौके से कमलदीप को गिरफ्तार कर बाइक जब्त की। मुकदमे की जांच एएसआई ओमप्रकाश के सुपुर्द की गई है।

राजियासर थाना पुलिस की कार्रवाई

बोलेरो सवार चार लोग 42 ग्राम स्मैक के साथ किए गिरफ्तार

धौलपुर,19 मार्च (एजेंसियां)। श्रीगंगानगर जिले के सूरतगढ़ की राजियासर थाना पुलिस ने 42 ग्राम स्मैक के साथ बोलेरो सवार चार लोगों को गिरफ्तार किया है। उनके खिलाफ थाना में एनडीपीएस में मामला दर्ज किया गया है। साथ ही बोलेरो गाड़ी को भी पुलिस ने जब्त कर लिया है। थानाधिकारी सतीश कुमार ने बताया कि एसपी गौरव यादव के निर्देशानुसार जिले में मेडिकेटेड नशा, मादक पदार्थ, जुआ सट्टा, अवैध हथियारों की धरपकड़ तथा अपराधों की रोकथाम के लिए पुलिस ने विशेष अभियान छेड़ रखा है। इसके साथ ही राज्य सरकार की 100 दिवसीय कार्य योजना के तहत भी कार्रवाई की जा रही है।

अभियान के तहत उन्होंने कांस्टेबल भादरराम, आत्माराम, कालूराम, विनोद कुमार और राजेंद्र कुमार के साथ राजियासर पुलिस थाना के पीछे रेलवे फाटक रोड पर नाकाबंदी कर रखी थी। इसी दौरान फाटक को क्रॉस कर सामने से आई एक बोलेरो जीप को रुकने का इशारा किया तो बोलेरो सवार घबरा गए। गाड़ी की तलाशी ली तो एक प्लास्टिक थैली में 42 ग्राम स्मैक बरामद की गई।

पूछताछ में बोलेरो सवारों ने अपनी पहचान शेराराम (29) पुत्र रामप्रताप, ओम प्रकाश (32) पुत्र मालूराम, हंसराज (33) पुत्र सुगनाराम तथा मोडाराम (35) पुत्र जोगाराम और चारों के बीकानेर जिले के लूणकरणसर थाना क्षेत्र के खोखराना गांव का निवासी होना सामने आया। जिस पर उन्हें गिरफ्तार कर जीप को भी जब्त कर लिया। थानाधिकारी ने बताया कि फिलहाल इस संबंध में आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज करते हुए प्रकरण में आगे की जांच सूरतगढ़ सदर थाना अधिकारी कृष्ण कुमार को सौंपी गई है।

लोटवाड़ा गांव में पत्नी का गला रेतकर हत्या करने के बाद पति ने भी की आत्महत्या

दौसा,19 मार्च (एजेंसियां)। दौसा जिले के सदर थाना इलाके के लोटवाड़ा गांव में बीती रात करीब डेढ़ बजे एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी। हत्या करने के बाद आरोपी पति मौके से फरार हो गया। सूचना के बाद पुलिस ने हत्यारोपी पति का मोबाइल नंबर ट्रेस पर लगाया तो उसकी लोकेशन नजदीक की नदी बाणगंगा में मिली। लोकेशन ट्रैक करते हुए पुलिस मौके पर पहुंची तो देखा कि पति ने भी आत्महत्या कर ली थी। उसने कोई जहरीला पदार्थ खाकर खुद की भी जीवन लीला समाप्त कर ली। पुलिस जांच में उसके पास कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। ऐसे में सदर थाना पुलिस पत्नी की हत्या करने के बाद आरोपी द्वारा सुसाइड करने के मामले की जांच करने में जुटी हुई है।

जानकारी के अनुसार दौसा जिले के सदर थाना क्षेत्र के लोटवाड़ा गांव में जयप्रकाश गुर्जर पुत्र किशन गुर्जर ने बीती रात अपनी अनीता की किसी हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी।

वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी जयप्रकाश घर से फरार हो गया था। वारदात के समय घर पर आरोपी की मां, छोटे भाई की पत्नी और दोनों भाइयों के चार बच्चे घर पर ही मौजूद थे। ऐसे में अचानक हुए इस घटनाक्रम से परिवार के सभी लोग सदमे में थे। आरोपी छोटा भाई जयपुर में काम करता है। लोगों ने जब इस हादसे की सूचना उसको दी तो छोटा भाई जयपुर से गांव पहुंचा।

नायब सैनी सरकार का कुनबा बढ़ा

चंडीगढ़,19 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा की नायब सिंह सैनी सरकार का मंत्रिमंडल विस्तार हो गया है। आठ विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली है। सभी की नजरें पूर्व गृहमंत्री अनिल विज पर टिकी थी, जो इस समारोह से दूर नजर आए। शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हो गया है। आज आठ विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली। इनमें एक को कैबिनेट मंत्री बनाया गया है, बाकी सात को स्वतंत्र प्रभार सौंपा गया है।

ये है सैनी की नई टीम

सोहना से विधायक संजय सिंह, विधायक विशंभर वाल्मीकि, सुभाष सुधा, अभय यादव, असीम गोयल, महिपाल ढांडा, बड़खल से विधायक सीमा त्रिखा, डॉक्टर कमल गुप्ता ने मंत्री के रूप में शपथ ली है।

ये पहले ले चुके हैं कैबिनेट मंत्री की शपथ

कंवरपाल गुर्जर, मूलचंद शर्मा, रणजीत सिंह, जेपी दलाल, डॉ. बनवारी लाल

सूत्रों का दावा है कि सैनी सरकार के मंत्रिमंडल का विस्तार पहले लोकसभा चुनाव के बाद होना था, लेकिन बाद में तय हुआ कि कैबिनेट में जातीय और क्षेत्रीय संतुलन बैठाने के बाद ही भाजपा लोकसभा चुनाव के मैदान में उतरे। अभी मंत्रिमंडल में सीएम ओबीसी, दो जाट, एक-एक एससी, गुर्जर और ब्राह्मण समाज से मंत्री हैं। पंजाबी, राजपूत, वैश्य और यादव समाज से कोई मंत्री नहीं था। इसलिए भाजपा हाईकमान ने चुनाव से पहले ही मंत्रिमंडल विस्तार को हरी झंडी दे दी। शनिवार को भी मंत्रिमंडल विस्तार की तैयारियां हो गई थीं। मंत्रियों के लिए पांच गाड़ियां राजभवन के बाहर पहुंच गई थीं, लेकिन कुछ देर बाद आनन-फानन कार्यक्रम बदल दिया गया।

नाराजगी की बात से विज का इनकार

दो दिन पहले अंबाला छावनी में उपमंडल कार्यालय शहीद भगत सिंह की प्रतिमा के अनावरण के दौरान विधायक अनिल विज ने अपनी चुप्पी तोड़ी थी। उन्होंने कहा था कि वह किसी से नाराज नहीं हैं। मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर उन्हें कोई जानकारी नहीं थी और उन्हें उनसे किसी ने संपर्क भी नहीं किया था। उन्होंने यह भी कहा था कि शपथ ग्रहण के बाद से उनकी किसी ने कोई बात नहीं की है। उन्होंने कहा था कि जो कर रहे हैं अच्छा कर रहे हैं।अच्छी सरकार चलाएंगे, और जो नायब सैनी, जिसको मुख्यमंत्री बनाया है, हमारा छोटा भाई है, हमें उम्मीद है कि वो बहुत बेहतरीन काम करेगा।

अज्ञात वाहन ने बाइक सवार दो लोगों को मारी टक्कर, एक की मौत, दूसरा घायल

झज्जर,19 मार्च (एजेंसियां)। झज्जर के गिरावड गांव के पास अज्ञात वाहन ने बाइक सवार दो लोगों को टक्कर मार दी। इसमें एक किसान की मौत हो गई जबकि दूसरा युवक घायल हो गया। घायल को वर्ल्ड मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर सरकारी अस्पताल के शव गृह में रखवाया। मंगलवार को मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया।

पुलिस ने शिकायत पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। जानकारी के अनुसार बहराणा गांव निवासी 32 वर्षीय मनदीप और 25 वर्षीय मनीष बाइक पर सवार होकर सोमवार शाम को झज्जर किसी कार्यक्रम में भाग लेने के लिए थे। जब वह रात लगभग साढे.9 बजे अपने गांव वापस जा रहे थे तो गिरावड में वर्ल्ड मेडिकल कॉलेज से 500 मीटर दूर अज्ञात वाहन ने बाइक सवारों को टक्कर मार दी। इससे दोनों सड़क पर जा गिरे।

दोनों को आसपास के लोगों ने वर्ल्ड मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने मनदीप को मृत घोषित कर दिया जबकि मनीष का मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सरकारी अस्पताल के शव गृह में रखवाया। मंगलवार को मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

सोनीपत में जींद रोड पर हादसा

ट्रैक्टर ट्राली की चपेट में आने से बाइक सवार मां-बेटे की मौत, पिता-पुत्र गंभीर

सोनीपत,19 मार्च (एजेंसियां)। सोनीपत में गोहाना-जींद रोड पर मिट्टी से भरी ट्रैक्टर-ट्राली की चपेट में आने से बाइक सवार मां-बेटे की मौत हो गई, जबकि पिता-पुत्र घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए खानपुर कलां महिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। हादसा ट्रैक्टर-ट्राली को ओवरटेक करते समय हुआ। हादसे की सूचना पर पहुंची गोहाना शहर थाना पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल भिजवा दिया है।

गोहाना के गांव महमूदपुर निवासी प्रवेश अपनी पत्नी प्रोमिला (25) व दो बेटों के साथ बाइक पर सवार होकर जा रहे थे। गोहाना-जींद रोड पर खंदराई मोड़ के पास वह जब मिट्टी से भरी ट्रैक्टर-ट्राली को ओवरटेक कर रहे थे, तभी ट्रैक्टर चालक ने ट्रैक्टर मोड़ दिया। जिससे ट्रैक्टर-ट्राली की चपेट में आने से बाइक गिर गई और ट्राली का पहिया मां प्रोमिला व पांच बर्षीय बेटे के ऊपर से उतर गया। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि प्रवेश व उनका एक वर्षीय बेटा पूरव गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की हालत देखते हुए उपचार के लिए खानपुर कला महिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल में दाखिल करवाया गया है।

विधानसभा अध्यक्ष से मिलने पहुंचे अनिल विज

कहा-मुझे मंत्रिमंडल विस्तार की जानकारी नहीं

चंडीगढ़,19 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा मंत्रिमंडल में विस्तार से पहले पूर्व गृहमंत्री अनिल विज चंडीगढ़ में विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता से मिलने पहुंचे। इस दौरान मीडिया से बातचीत में विज ने कहा कि मेरी किसी से नाराजगी नहीं है। विज ने ये भी साफ किया कि मुझे मंत्रिमंडल विस्तार के लिए न पहले बताया गया था और न ही अब बताया गया है। मैं विधानसभा कमेटी का मेंबर बनने के लिए आया हूं। विधानसभा पहुंचे अनिल विज ने साफ कहा कि मुख्यमंत्री का बदला जाना मेरे लिए एक बम की तरह था। मुझे बिल्कुल भी इल्म नहीं था कि प्रदेश का मुख्यमंत्री बदला जा रहा है, मुझे भी मीटिंग में ही पता चला। यह मेरे लिए एक बम की तरह था।

विज ने कहा कि मैं विधानसभा की कमेटियों का सदस्य बनने के लिए विधानसभा आया हूं ताकि मैं चंडीगढ़ आता जाता रहूं। आज मुझसे कोई संपर्क नहीं किया गया। यदि सीएम अंबाला कैंट में मेरे आवास पहुंचते तो उन्हें चाय पिलाते। विज ने फिर दोहराया कि मैं बीजेपी का अनन्य भक्त हूं और मैं बिल्कुल भी नाराज नहीं हूं। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के बयान कि अनिल विज बहुत जल्दी नाराज होते है और जल्दी ही मान भी जाते हैं, पर विज ने कहा कि मुझे नहीं पता कि उन्होंने यह बयान क्यों दिया। ये कहीं पर निगाहें और कहीं पर निशाने वाली बात है। इससे पहले मंगलवार सुबह सीएम नायब सैनी अंबाला पहुंचे तो विज उनसे मिलने नहीं आए थे।

टोरी पार्टी के भीतर बढ़ती अशांति की खबरों पर सुनक ने दी प्रतिक्रिया, कहा– सकारात्मक बदलाव आ रहे

नई दिल्ली,19 मार्च (एजेंसियां) ।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कंजर्वेटिव पार्टी (टोरी पार्टी) के भीतर बढ़ती अशांति की खबरों के बीच आशावादी सुधार का दावा किया। उन्होंने छोटे व्यवसायों के लिए सुधारों के एक नए पैकेज की शुरुआत करते हुए जोर देकर कहा कि ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था में सकारात्मक बदलाव आने लगे हैं। इस दौरान ब्रिटिश भारतीय नेता ने दक्षिणी इंग्लैंड के बंदरगाह शहर साउथेम्प्टन में अपने परिवार द्वारा संचालित फार्मेसी का भी संदर्भ दिया और कहा कि उन्हें छोटे व्यवसाय की चुनौतियों का अनुभव है। अपने विद्रोहियों के लिए एक अप्रत्यक्ष संदेश में, उन्होंने जोर देकर कहा कि कठिन दौर से गुजर रही अर्थव्यवस्था के लिए योजना के साथ काम करना महत्वपूर्ण था।

सुनक ने इंग्लैंड के मिडलैंड्स क्षेत्र में वारविकशायर में एक बिजनेस कनेक्ट कार्यक्रम के दौरान कहा, अर्थव्यवस्था सही दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा, 2024, वह वर्ष होगा जब ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था में उछाल आएगा। मुद्रास्फीति आधे से कम हो गई है और तेजी से गिर रही है। विकास की राह खुल रहे हैं। ऋण में भी कमी आई है। उन्होंने कहा कि हम अभी वहां नहीं पहुंचे हैं, जहां हमें होना चाहिए लेकिन हम बिल्कुल सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा, इसलिए, आइए सरकार की ओर से चलाई जा रही योजना पर टिके रहें और एक साथ बेहतर, उज्जवल भविष्य का निर्माण करें।

नए पैकेज के तहत, ब्रिटिश सरकार 1 अप्रैल से छोटे व्यवसायों में प्रशिक्षण के लिए पूरी निधि देगी। 21 वर्ष की आयु तक किसी के लिए प्रशिक्षण की पूरी लागत का भुगतान करके सरकार व्यवसायों की लागत कम करेगी और युवाओं को करियर शुरू करने के अधिक अवसर प्रदान करेगी। सरकार अपने इस कदम पर एक साल में अतिरिक्त 60 मिलियन पाउंड खर्च करेगी। लालफीताशाही में भी कटौती की कोशिश करेगी। उन्होंने कहा मेरी मां की फार्मेसी में काम करने के अनुभव से मुझे पता है कि छोटे व्यवसाय कितने महत्वपूर्ण हैं। न केवल अर्थव्यवस्था के लिए, बल्कि नवाचार और आकांक्षा के लिए एक चालक के रूप में भी ये महत्वपूर्ण हैं।

ब्रिटेन की व्यापार व वाणिज्य मंत्री केमी बेडनॉक ने कहा, चाहे लालफीताशाही में कटौती हो, निवेश का ताला खोलना हो या कारोबारी लागत कम करना हो, आज की घोषणाओं से पता चलता है कि यह सरकार एसएमई को टर्बो चार्ज करने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि वे पहले से कहीं अधिक तेजी से आगे बढ़ सकें।

न्यूज ब्रीफ

क्या स्पाइसजेट के सीएमडी को मिलेगी दिवालिया एयरलाइन गो फर्स्ट बोली बढ़ाने के बाद जगी उम्मीद

मुंबई । पिछले दिनों भारत की दिवालिया एयरलाइन गो फर्स्ट के रिवाइवल के लिए दो बोलियां मिली थीं। लेकिन, ये बिड लेंडर्स यानी गो फर्स्ट को कर्ज देने वाले बैंकों की उम्मीदों के मुताबिक नहीं थी। अब लेंडर्स के अनुरोध के बाद दो में से एक बिडर ने अपनी बोली की रकम बढ़ा दी है। बिडर ने कितनी बढ़ाई बोली की रकम किफायती उड़ान सेवा देने वाली स्पाइसजेट के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर अजय सिंह ने बिजी बी एयरवेज ने मिलकर गो फर्स्ट के लिए बोली लगाई है। इन्होंने पहले गो फर्स्ट के लिए करीब 16 अरब रुपये की बिड जमा की थी। लेकिन, बैंकों की गुजारिश के बाद दोनों कंपनियों ने अपनी बोली को 1 से डेढ़ अरब रुपये के बीच बढ़ा दिया है। कब दिवालिया हुई थी गो फर्स्ट गो फर्स्ट ने पिछले साल मई में दिवालिया होने की अर्जी लगाई थी। इसकी दिवालिया प्रक्रिया के तहत दो वित्तीय बोलियां मिली हैं। दूसरी बोली शारजाह स्थित स्काई वन एयरवेज थी। लेकिन, दोनों ही बिड कमेटी ऑफ क्रेडिटर्स की उम्मीदों से काफी कम थीं। इसमें भारी कटौती भी शामिल थी। यह वजह है कि बैंकों ने दोनों बिडर्स से कहा कि वे अपनी बोलियों को बढ़ाएं। गो फर्स्ट ने अपनी बैंकरप्सी फाइलिंग में बताया कि उसके लेनदारों की लिस्ट में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ बड़ौदा, बैंक शामिल हैं। इन सबका गो फर्स्ट पर 65 अरब रुपये से अधिक बकाया है। लेनदार बैंक रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल के जरिए स्काई वन के साथ बात कर रहे हैं कि वह भी अपनी बिड बढ़ाए। हालांकि, अभी तक उसकी ओर से कोई रिस्पॉन्स नहीं आया है। अगले हफ्ते होगी लेनदारों की मीटिंग अगले हफ्ते की शुरुआत में लेनदारों की मीटिंग होने वाली है। अगर स्काई वन से बिड बढ़ाने के बारे में कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिलती है, तो लेनदार स्पाइसजेट और बिजी बी की ज्वाइंट बिड पर ही चर्चा करेंगे। लेनदार बैंक इस महीने के आखिर तक बिडर्स को अपने फैसले के बारे में बता सकते हैं।

भारत की ऑटो इंडस्ट्री अगले 5 साल में विश्व में शीर्ष स्तर पर होगीः गडकरी

नई दिल्ली । केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने एक साक्षात्कार में कहा कि

अगले पांच साल में भारत की ऑटो इंडस्ट्री दुनिया के शीर्ष स्तर पर होगी। नितिन गडकरी ने कहा कि इस समय भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग का आकार 12.5 लाख करोड़ रुपये है। उद्योग ने अब तक 4.5 करोड़ रोजगार दिए हैं और यह केंद्र और राज्य सरकारों को अधिकतम जीएसटी का भुगतान करता है। उन्होंने कहा कि जब मैं मंत्री बना तो भारत की ऑटो इंडस्ट्री दुनिया में 7वें स्थान पर थी। मैंने नई तकनीक वाली कंपनियों को प्रोत्साहित किया। अब भारत की ऑटो इंडस्ट्री जापान को पछाड़कर तीसरे नंबर पर आ गई है। महाराष्ट्र में इस समय ट्रिपल इंजन की सरकार है। उन्होंने कहा कि हम अपने काम के दम पर लोकसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता कि चुनाव लड़ने के लिए धन की जरूरत होती है और हर पार्टी को इसकी जरूरत होती है। वास्तव में इस योजना के पीछे मूल विचार यह था कि पार्टियों को बॉन्ड के माध्यम से पैसा मिलेगा और अगर आप इसे नंबर एक बनाना चाहते हैं तो इससे अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी, इसमें गलत क्या था उन्होंने चुनावी बांड के मुद्दे से संबंधित सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। केंद्रीय मंत्री ने चुनावी बॉन्ड योजना पर रोक लगने की स्थिति में एक और खामी बताई। उन्होंने कहा कि अगर चुनावी बॉन्ड पर प्रतिबंध लगा दिया जाता है, तब भी पैसा आना जारी रहेगा, केवल काले धन के रूप में।

म्यूचुअल फंडों ने बेचा 26प्रतिशत हिस्सा, आरबीआई की सख्ती के बाद कंपनी के शेयर 50 फीसदी टूटे

नई दिल्ली । पेटीएम पेमेंट्स बैंक के खिलाफ आरबीआई की कार्रवाई के बाद से म्यूचुअल फंडों ने इसकी मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस में 26 फीसदी हिस्सा बेच दिया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, जनवरी में म्यूचुअल फंडों के पास पेटीएम के 4.45 करोड़ शेयर थे। फरवरी अंत में ये 26 फीसदी घटकर 3.28 करोड़ रह गए। कुल हिस्सेदारी का मूल्य मौजूदा भाव पर 1,212 करोड़ रुपये है। पेटीएम के शेयर का भाव आरबीआई की सख्ती की वजह से फरवरी में गिरकर लगभग आधा रह गया। हालांकि, कंपनी का शेयर 5 फीसदी बढ़कर 389.40 रुपये के भाव पर बंद हुआ। जी एंटरटेनमेंट में भी घटाई हिस्सेदारी म्यूचुअल फंडों ने जी एंटरटेनमेंट में भी अपना निवेश घटाया है।

भारतीय स्टार्टअप इस साल जुटा सकते हैं एक लाख करोड़ रुपये, विदेशी कंपनियों का बढ़ रहा भरोसा

नई दिल्ली,19 मार्च (एजेंसियां) ।

भारत का स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र दुनिया में सबसे जीवंत है। भारतीय स्टार्टअप इस साल करीब एक लाख करोड़ रुपये की पूंजी जुटा सकते हैं। स्टार्टअप महाकुंभ में उद्यम पूंजी फर्म पीक एक्सवी के प्रबंध निदेशक राजन आनंदन ने कहा, करीब 20 अरब डॉलर की निजी पूंजी बिना निवेश के पड़ी है और वह भारत में निजी फर्मों एवं स्टार्टअप में निवेश के लिए प्रतिबद्ध हैं। उम्मीद है कि भारतीय स्टार्टअप इस साल 8-12 अरब डॉलर (66,316 से 99,493 करोड़ रुपये) जुटा सकते हैं।

आनंदन ने कहा, 2021 से पहले स्टार्टअप में निवेश राशि 8-10 अरब डॉलर थी। 2021 और 2022 में यह संयुक्त रूप से बढ़कर 60 अरब डॉलर पहुंच गई। पिछले साल निवेश राशि सात अरब डॉलर थी, जिसे लोगों ने कम कहा। यह शून्य भी हो सकती थी, क्योंकि छह साल की फंडिंग दो साल में मिल गई थी। इस साल हम 8-12 अरब डॉलर के निवेश की राह पर हैं।

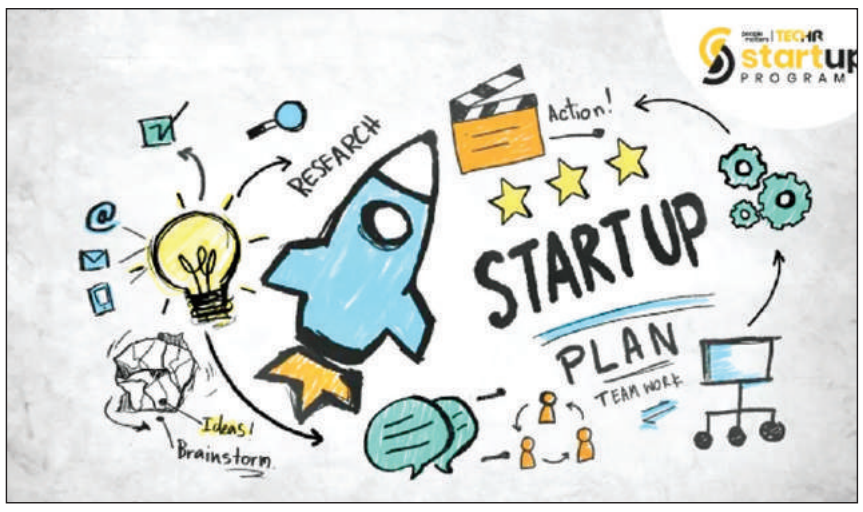

कॉरपोरेट गवर्नेंस व मूल्यांकन पर दें जोर : कांत

नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत ने कहा, स्टार्टअप इनोवेशन व विकास जारी रखने के लिए कॉरपोरेट गवर्नेंस और सही मूल्यांकन पर ध्यान केंद्रित करें। कांत ने देश में स्टार्टअप की चिंता पर कहा, लंबे समय के टिकाऊ और समृद्ध बनने के लिए ऐसी कंपनियों को कड़े कदम उठाने होंगे। उन्होंने कहा, मैंने स्टार्टअप को बढ़ते हुए देखा है। उनमें से कई को ढहते हुए भी देखा है। इसलिए, कॉरपोरेट गवर्नेंस बहुत महत्वपूर्ण है। इसकी जिम्मेदारी भी उन्हीं पर है। देश के स्टार्टअप तंत्र में स्व-नियमन की जरूरत है।

सरकारी अनुबंध पाने को मिलेंगे अतिरिक्त अवसर

कांत ने इजराइल का उदाहरण देकर कहा, वहां नवाचार के कारण सरकार खुद स्टार्टअप से उत्पाद खरीदती है। ऐसा नवाचार हो तो भारत में भी स्टार्टअप के लिए सरकारी अनुबंध पाने और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के अतिरिक्त अवसर पैदा होंगे। अगर सरकार पहली खरीद करने में सक्षम हैं तो यह कई स्टार्टअप में बड़ी वृद्धि को चलाने के लिए सबसे बड़ा उत्प्रेरक होगा।

सात-आठ साल में 100 स्टार्टअप होंगे सूचीबद्ध

भारतीय स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के लिए हर साल 10 अरब डॉलर या लगभग 80,000 करोड़ रुपये का वित्तपोषण पर्याप्त है। आज भारत में करीब 20 स्टार्टअप हैं, जो शेयर बाजार में सूचीबद्ध हैं। अगले 7-8 वर्षों में इनकी संख्या बढ़कर 100 तक पहुंचने की उम्मीद है।

प्रौद्योगिकी स्टार्टअप नीतिचर्चा के अंतिम चरण में

सघन प्रौद्योगिकी स्टार्टअप के लिए नीति अंतर-मंत्रालयी चर्चा के अंतिम चरण में है। इसे जल्द ही लागू किया जाएगा। उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव राजेश कुमार सिंह ने कहा, हम एक बड़ा कोष बनाने की दिशा में आगे बढ़ेंगे।

2025 में एसयूवी ईपिक पेश करेगी स्कोडा

नई दिल्ली । कार निर्माता स्कोडा इलेक्ट्रिक एसयूवी ईपिक अगले साल 2025 में लॉन्च करेगी। यूरोपीय बाजार में इसकी कीमतें लगभग 25,000 यूरो (लगभग 23 लाख रुपये) के करीब होंगी। यह एसयूवी लगभग 4.1 मीटर लंबी है और स्कोडा कुशाक से कुछ छोटी है। छोटा बनाती है। इस एसयूवी को लेकर कंपनी का कहना है कि इसमें स्मार्ट कार्यक्षमता और व्यावहारिकता एक साथ शामिल है। सामने की तरफ नया टेक-डेक फेस है। ग्रिल के किनारे नए टी-आकार के एलईडी डीआरएल हैं और नीचे मैट्रिक्स एलईडी तकनीक वाली हेडलाइट्स हैं। बम्पर में बड़े पैमाने पर वर्टिकल स्लैट हैं, जो इसे जीप एसयूवी की तरह लुक देते हैं। इसमें पीछे की ओर फ्लेयर्ड व्हील आर्च और टी-आकार की एलईडी टेललाइट्स जोड़े गए हैं। इस कॉन्सेप्ट का केबिन डुअल-टोन थीम के साथ आता है। मॉडल में टू-स्पोक स्टीयरिंग व्हील, 5.3-इंच वर्चुअल कॉकपिट और 13-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम के अलावा वायरलेस चार्जिंग और सहित कई सुविधाएं हैं।

लक्ष्य के पार पहुंच सकता है शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह, कॉरपोरेट लाभ में वृद्धि का दिखेगा असर

नई दिल्ली,19 मार्च ।

शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह चालू वित्त वर्ष में 19.45 लाख करोड़ रुपये के लक्ष्य के पार पहुंच सकता है। सूत्रों के मुताबिक, अग्रिम कर भुगतान से शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह को बढ़ावा मिला है। एक अप्रैल, 2023 से 15 मार्च, 2024 तक कुल 18.95 लाख करोड़ का कर संग्रह हुआ है। यह एक साल पहले की समान अवधि से 14.05 फीसदी अधिक है। सरकार को चालू वित्त वर्ष 2023-24 में 9.10 लाख करोड़ का अग्रिम कर मिला है। कॉरपोरेट ने 6.72 लाख करोड़ दिया टैक्स

कॉरपोरेट ने अब तक 6.72 लाख करोड़ और व्यक्तिगत करदाताओं ने 2.37 लाख करोड़ रुपये का कर भुगतान किया है। इसकी अंतिम तारीख 15 मार्च थी। ऐसे में सरकार को उम्मीद है कि 31 मार्च को जो आंकड़े आएंगे, उनमें शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 20 लाख करोड़ के करीब पहुंच सकता है। जानकारों के मुताबिक, अग्रिम कर संग्रह में वृद्धि इस बात का प्रमाण है कि कॉरपोरेट लाभ और व्यक्तिगत आय बढ़ रही है।

सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 22.2 लाख करोड़ रुपये

रिफंड से पहले सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 15 मार्च तक 22.25 लाख करोड़ रुपये था। यह पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 13.5 फीसदी अधिक है। सकल कॉरपोरेट कर संग्रह 10.97 लाख करोड़ रुपये रहा, जो सालाना आधार पर 9.26 फीसदी अधिक है। सिक्योरिटी ट्रांजेक्शन टैक्स सहित व्यक्तिगत आयकर 13.4 फीसदी बढ़कर 10.80 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। सरकार ने 15 मार्च तक 3.33 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड रिफंड जारी किया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 3.03 लाख करोड़ रुपये से 10 फीसदी अधिक है।

सोने और चांदी की कीमतों में उछाल, सोना 65,700, चांदी लगभग 75,600 रुपए

नई दिल्ली,19 मार्च (एजेंसियां) ।

सोने व चांदी के वायदा कारोबार में तेजी देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोना 65,700 रुपये और चांदी 75,600 रुपये के करीब कारोबार कर रही है। वैश्विक बाजार में सोने व चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। लेकिन बाद में इनके भाव में सुधार देखने को मिला। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रेक्ट 1 रुपये की तेजी के साथ 65,609 रुपये के भाव पर खुलकर 57 रुपये की तेजी के साथ 65,665 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था।

वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरूआत तेजी के साथ हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रेक्ट 79 रुपये की तेजी के साथ 75,575 रुपये के भाव पर खुलकर 90 रुपये की तेजी के साथ 75,586 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने व चांदी के वायदा भाव की शुरुआत हल्की गिरावट के साथ हुई। हालांकि बाद में इनके भाव में सुधार देखने को मिला। कॉमेक्स पर सोना 2,164 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,164.30 डॉलर था। फिलहाल यह 0.50 डॉलर की तेजी के साथ 2,164.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 25.25 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 25.26 डॉलर था। फिलहाल यह 0.07 डॉलर की तेजी के साथ 25.33 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

अब हमारे पास जेनरेटिव एआई युग के लिए एक चिप है : एनवीडिया सीईओ

नई दिल्ली,19 मार्च (एजेंसियां) ।

बिग टेक कंपनियों का लक्ष्य आजकल जेनेरिक एआई दौड़ का नेतृत्व करना है। ऐसे में एनवीडिया के संस्थापक और सीईओ जेन्सेन हुआंग ने कहा कि उन्होंने जेनएआई युग के लिए एक प्रोसेसर बनाया है। अमेरिका में आयोजित जीटीसी सम्मेलन में कंपनी के नए ब्लैकवेल कंप्यूटिंग प्लेटफॉर्म को पेश करते हुए हुआंग ने कहा कि बढ़ी हुई कंप्यूटिंग शक्ति सॉफ्टवेयर से लेकर सेवाओं, रोबोटिक्स से लेकर चिकित्सा प्रौद्योगिकी के साथ काफी कुछ दे सकती है। हुआंग ने अपने मुख्य भाषण के दौरान 11,000 से अधिक उपस्थित लोगों को बताया, एक्सेलरेटेड कंप्यूटिंग अपने चरम बिंदु पर पहुंच गई है, जनरल पर्पस कंप्यूटिंग अब समाप्त हो गई है। दुनिया के एआई बुनियादी ढांचे पर बड़े पैमाने पर जानकारी देते हुए हुआंग ने ट्रिलियन पैरामीटर लार्ज लैंगुएज मॉडल को रियल टाइम में जेनरेटर एआई में लाने के लिए एनवीडिया ब्लैकवेल प्लेटफॉर्म पेश किया। हुआंग ने एनवीडिया एनआईएम को भी पेश किया जो पैकेजिंग और सॉफ्टवेयर वितरित करने का एक नया तरीका है। यह डेवलपर्स को सभी प्रकार के कस्टम एआई को तैनात करने के लिए लाखों जीपीयू के साथ जोड़ता है। कंपनी ने उन्नत सिमुलेशन क्षमताएं प्रदान करने के लिए ओम्निवर्स क्लाउड एपीआई भी पेश किया। हुआंग ने कहा, हम इसे मल्टीमॉडैलिटी डेटा के साथ प्रशिक्षित करने जा रहे हैं, न केवल इंटरनेट पर टेक्स्ट, बल्कि हम इसे टेक्स्ट और इमेज ग्राफ और चार्ट पर प्रशिक्षित करने जा रहे हैं। हुआंग ने साफ तौर पर कहा कि हमें बड़े जीपीयू की आवश्यकता है। हुआंग ने कहा, भविष्य में डेटा केंद्रों को

एआई फैक्ट्री के रूप में देखा जाएगा। इसका लक्ष्य इस मामले में राजस्व उत्पन्न करना है। एनवीआईडीआईए पहले से ही जीन अनुक्रमण उपकरणों में इमेजिंग सिस्टम में है और अग्रणी सर्जिकल रोबोटिक्स कंपनियों के साथ काम कर रही है। इस पर हुआंग ने कहा कि एआई का सबसे बड़ा प्रभाव स्वास्थ्य सेवा में होगा।

टाटा संस ब्लॉक डील के तहत बेच सकता है हिस्सेदारी, इस खबर ने टीसीएस के शेयर पर डाला असर

नई दिल्ली,19 मार्च (एजेंसियां) ।

टाटा की सहायक कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के स्टॉक में गिरावट देखने को मिला है। बीते दिन कंपीन ने ऐलान किया था कि उनकी प्रमोटर कंपनी टाटा संस आईटी सर्विस की लगभग 2.3 करोड़ शेयर या 0.65 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी ब्लॉक डील के माध्यम से बेचेगी। इस ऐलान का असर कंपनी के शेयर पर देखने को मिला है। एनएसई पर टीसीएस के शेयर 3.30 फीसदी गिरकर 4,015.65 रुपये के निचले स्तर पर आ गए। बीएसई पर, स्टॉक 3.15 प्रतिशत गिरकर 4,014 रुपये प्रति पीस पर आ गया।

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार टीसीएस के शेयर मूल्य में गिरावट मुख्य रूप से टाटा संस की हिस्सेदारी बिक्री के कारण है। टीसीएस के शेयर में आई गिरावट के बाद बीएसई पर कंपनी का एम-कैप 45,497.45 करोड़ रुपये घटकर 14,54,109.37 करोड़ रुपये हो गया।

शेयर में क्यों आई गिरावट

टाटा संस ने ब्लॉक डील शुरू कर दी है। इस डील का लक्ष्य टीसीएस के 2.34 करोड़ शेयरों को 4,001 रुपये प्रति शेयर के न्यूनतम मूल्य पर बेचना है। शेयर का न्यूनतम मूल्य पिछले दिन के समापन मूल्य से 3.65 प्रतिशत की छूट दर्शाता है।

ब्लॉक डील की कीमत लगभग 9,000 करोड़ रुपये आंकी गई है। अभी तक खरीदार और विक्रेता की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इनकी पुष्टि शाम को सार्वजनिक की जाएगी जब स्टॉक एक्सचेंज डेटा जारी करेंगे।

पिछले साल दिसंबर 2023 तक प्रमोटरों और प्रमोटर ग्रुप के पास टीसीएस में 72.41 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जिसमें से 72.38 प्रतिशत हिस्सेदारी टाटा संस के पास है।

बीते दिन कारोबारी सत्र में टीसीएस के शेयर लगभग 2 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए। प्रमोटर टाटा संस आईटी प्रमुख में अपनी बड़ी हिस्सेदारी बेच सकते हैं।

मार्च में स्पार्क कैपिटल की एक रिपोर्ट के अनुसार टाटा ग्रुप के शेयर सुर्खियों में रहे हैं। इसमें उल्लेख किया गया था कि टाटा संस भारतीय रिजर्व बैंक के पैमाने-आधारित नियमों को पूरा करने के लिए सितंबर 2025 तक सार्वजनिक हो सकता है।

आरबीआई का आदेश है कि गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों को तीन साल के भीतर स्टॉक एक्सचेंजों पर सूचीबद्ध होना आवश्यक है। टाटा संस को 15 ऊपरी स्तर की एनबीएफसी में नामित किया गया है, जिसका कुल बाजार मूल्यांकन 31.6 लाख करोड़ रुपये है, टाटा संस सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध 29 टाटा समूह संस्थाओं का मालिक है।

एमजी मोटर एक्सेलर ईवी नाम से पेश कर सकती है एक और इलेक्ट्रिक कार

नई दिल्ली । भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के क्षेत्र में अपनी भागीदारी बढ़ाने अब एमजी मोटर इंडिया देश में अपनी एक और इलेक्ट्रिक (कार) पेश करने जा रही है। इसी को देखते हुए कंपनी ने एक्सेलर ईवी नाम से एक ट्रेडमार्क करवाया है। इस नाम का उपयोग इस कार के लिए किया जाएगा। एमजी की योजना इस साल दो मॉडल पेश करने की है, जिनमें से एक ईवी जबकि दूसरा फेसलिफ्ट ग्लॉस्टर है। कंपनी इसी माह 20 मार्च को अपनी भविष्य की योजनाओं की भी घोषणा करेगी। एमजी ने पिछले साल 2023 ऑटो एक्सपो में अपनी वैश्विक लाइन-अप से कई मॉडल दिखाये थे। कंपनी ने इससे पहले ईएमजी6 हाइब्रिड सेडान, ईएचएस एसयूवी, ईआरएक्स5 एसयूवी और मार्वल आर जैसे मॉडल्स पेश किये थे। इनमें से कंपनी एक को भारत में एक्सेलर ईवी के रूप में एक बार पेश कर सकती है।

संपादकीय

पाकिस्तान बसाने को सीएए नहीं

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) की व्याख्या ही बदलने की कोशिश की है। उन्होंने कुछ सवाल उठाए हैं, जो भावोत्तेजक हैं। उनकी मंशा हिंदू-मुसलमान से आगे बढक़र आर्थिक संसाधनों और स्थितियों पर केंद्रित करने की है, ताकि राजनीति की दिशा और दशा बदली जा सके। हालांकि ऐसी संभावनाएं नगण्य हैं। संयुक्त राष्ट्र नागरिकता को व्यक्तिपरक सुरक्षा का बुनियादी तत्त्व मानता है और प्रताड़ित, शोषित, मानवाधिकार कुचलन के शिकार लोगों को 'शरणार्थी' के तौर पर किसी भी देश में प्रवेश करने को 'मानवीय कर्म' मानता है। संयुक्त राष्ट्र ऐसे अंतरराष्ट्रीय समझौते का भी जिक्र करता है, जिसके तहत शरणार्थियों को नागरिकता भी दी जा सकती है। केजरीवाल ने उत्तेजित अवस्था में कहा है कि पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान के लोगों को भारत में बसाने का कानून बनाया गया है। कल हमारे देश में चोरियां, डकैतियां, बलात्कार होंगे। जगह-जगह दंगे भी भडक़ेंगे। देश की सुरक्षा-व्यवस्था का क्या होगा? केजरीवाल का आकलन है कि अब जो पलायन होगा, वह भारत-विभाजन से भी बड़ा और खतरनाक होगा। केजरीवाल के मुताबिक, तीनों पड़ोसी देशों से 2.5 करोड़ से अधिक लोगों का पलायन हो सकता है। भारत सरकार उन्हें कहां रखेगी? कहां घर देगी? कहां खाने को अनाज देगी? कितनी नौकरियां और रोजगार दिए जा सकेंगे? देश के आर्थिक संसाधन तो सीमित हैं। हमारे नौजवानों के लिए नौकरी, रोजगार के पर्याप्त अवसर नहीं हैं और भाजपा ने देश के भीतर एक और पाकिस्तान को बसाने का कानून बनाया है। केजरीवाल ने सीएए को भाजपा का वोट बैंक तैयार करने की रणनीति करार दिया है। बहरहाल केजरीवाल के अपने तर्क और राजनीति-शास्त्र हो सकते हैं। वह सीएए पर सांप्रदायिक उन्माद फैलाने वाली भीड़ में शामिल नहीं होना चाहते, लिहाजा आर्थिक संसाधनों के आधार पर भावोत्तेजक राजनीति कर रहे हैं। विभाजन के दौर का वीभत्स और त्रासद सरकारी आंकड़ा यह है कि पाकिस्तान, पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश), अफगानिस्तान तीनों पड़ोसी देशों से 72 लाख के करीब लोगों ने पलायन किया था। हालांकि अनौपचारिक आंकड़े ये हैं कि तब 2 या 2.5 करोड़ से अधिक लोगों ने पलायन किया होगा! ये आंकड़े विभिन्न संगठनों और मीडिया प्रतिनिधियों ने जुटाए थे। भारत-विभाजन से ज्यादा खौफनाक घटनाक्रम उस दौर में कोई और नहीं हुआ। हालांकि कुछ सालों के बाद तिब्बती धर्मगुरु दलाईलामा और हजारों नागरिकों ने, चीन से पलायन करके, भारत में शरण मांगी थी। तब के गरीब भारत ने उन्हें भी सम्मान से 'शरणार्थी' बनाया। आज भी तिब्बत की निर्वासित सरकार हिमाचल के धर्मशाला में काम कर रही है। आज भी भारत के कई शहरों में तिब्बती ऐसे बसे हैं मानो वे भारत के ही नागरिक हों! दरअसल सीएए कोई निरंतर प्रक्रिया नहीं है। जिन्होंने 31 दिसंबर, 2014 तक आवेदन किया है अथवा भारत में शरणार्थी बने हैं, उन्हीं पर सीएए के तहत फिलहाल विचार किया जाएगा। यह तारीख सरकार ने तय की है, लेकिन वह यह भी मानती है कि इन तीन पड़ोसी देशों में धार्मिक अल्पसंख्यक समूहों का उत्पीडऩ, अपहरण, धर्मांतरण, जबरन निकाह, पूजा-स्थलों के विध्वंस और अन्य अत्याचार लगातार जारी रहे हैं। फिर यह तारीख किस आधार पर तय की गई है? 1947 के बाद वाले दौर में भारत अपेक्षाकृत बहुत गरीब था, लेकिन आज तो विश्व की 5वीं सबसे बड़ी आर्थिक ताकत है। सीएए पर जनता को उकसाना, भडक़ाना नहीं चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र ऐसे अंतरराष्ट्रीय समझौते का भी जिक्र करता है, जिसके तहत शरणार्थियों को नागरिकता भी दी जा सकती है। केजरीवाल ने उत्तेजित अवस्था में कहा है कि पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान के लोगों को भारत में बसाने का कानून बनाया गया है। कल हमारे देश में चोरियां, डकैतियां, बलात्कार होंगे। जगह-जगह दंगे भी भडक़ेंगे। देश की सुरक्षा-व्यवस्था का क्या होगा? केजरीवाल का आकलन है कि अब जो पलायन होगा, वह भारत-विभाजन से भी बड़ा और खतरनाक होगा। केजरीवाल के मुताबिक, तीनों पड़ोसी देशों से 2.5 करोड़ से अधिक लोगों का पलायन हो सकता है। भारत सरकार उन्हें कहां रखेगी? कहां घर देगी? कहां खाने को अनाज देगी? कितनी नौकरियां और रोजगार दिए जा सकेंगे? देश के आर्थिक संसाधन तो सीमित हैं। हमारे नौजवानों के लिए नौकरी, रोजगार के पर्याप्त अवसर नहीं हैं और भाजपा ने देश के भीतर एक और पाकिस्तान को बसाने का कानून बनाया है। केजरीवाल ने सीएए को भाजपा का वोट बैंक तैयार करने की रणनीति करार दिया है। बहरहाल केजरीवाल के अपने तर्क और राजनीति-शास्त्र हो सकते हैं। वह सीएए पर सांप्रदायिक उन्माद फैलाने वाली भीड़ में शामिल नहीं होना चाहते, लिहाजा आर्थिक संसाधनों के आधार पर भावोत्तेजक राजनीति कर रहे हैं।

नंदीग्राम में किसानों पर गोलीबारी की घटना विनाशकारी साबित हुई

ममता बनर्जी के लिए कहीं नंदीग्राम न बन जाए संदेशखाली

विकास सक्सेना

स्वतंत्र भारत के एक राज्य में सत्ताधारी दल का नेता किस प्रकार महिलाओं को अपनी 'निजी सम्पत्ति' की तरह 'इस्तेमाल' कर रहा था यह सुनकर सभ्य समाज के किसी भी व्यक्ति की रूह तक कांप जाए। पीड़ति महिलाओं ने स्वयं आरोप लगाए हैं कि कबीलाई संस्कृति की तरह सुन्दर महिलाओं के घरों पर संदेश भेजे जाते थे कि वे रात को पार्टी कार्यालय पर आ जाएं अन्यथा सफेद साड़ी पहनने के लिए तैयार रहें। हालात इतने खौफनाक थे कि तृणमूल कांग्रेस के गुंडे वहां के पुरुषों से सरेआम कहा करते थे कि वह महिला पत्नी भले ही तुम्हारी हो लेकिन उस पर अधिकार 'हमारा' है।

अंग्रेजी की एक प्रसिद्ध कहावत है कि एक कील की वजह से पूरा राज्य खो जाता है। इसको स्पष्ट करते हुए कहा गया है कि कील की वजह से नाल, नाल की वजह से घोड़ा, घोड़े की वजह से युद्ध और युद्ध की वजह से राज्य से हाथ धोना पड़ जाता है। यही हाल लोकतंत्र में भी होता है। कई बार बहुत मजबूत दिख रहे नेता या दल के लिए कोई घटना उसके पतन का कारण बन जाती है। पश्चिम बंगाल इसका जीता जागता उदाहरण है। यहां 34 साल के वामपंथी शासन के लिए 14 मार्च, 2007 को नंदीग्राम में किसानों पर गोलीबारी की घटना विनाशकारी साबित हुई। कभी राज्य की 80 प्रतिशत से ज्यादा सीटें जीतने वाले वामदलों का आज यहां एक भी विधायक नहीं है। वामपंथियों को बेदखल करके यहां की सत्ता पर काबिज होने वाली ममता बनर्जी के लिए अब संदेशखाली का मामला वामपंथियों के नंदीग्राम की तरह साबित हो सकता है। इसके अलावा अब नागरिकता संशोधन कानून लागू करके केंद्र सरकार ने दीदी के लिए नई मुसीबत खड़ी कर दी है। स्वतंत्र भारत के एक राज्य में सत्ताधारी दल का नेता किस प्रकार महिलाओं को अपनी 'निजी सम्पत्ति' की तरह 'इस्तेमाल' कर रहा था यह सुनकर सभ्य समाज के किसी भी व्यक्ति की रूह तक कांप जाए। पीड़ति महिलाओं ने स्वयं आरोप लगाए हैं कि कबीलाई संस्कृति की तरह सुन्दर महिलाओं के घरों पर संदेश भेजे जाते थे कि वे रात को पार्टी कार्यालय पर आ जाएं अन्यथा सफेद साड़ी पहनने के लिए तैयार रहें। हालात इतने खौफनाक थे कि तृणमूल कांग्रेस के गुंडे वहां के पुरुषों से सरेआम कहा करते थे कि वह महिला पत्नी भले ही तुम्हारी हो लेकिन उस पर अधिकार 'हमारा' है। मामला सामने आने के बाद पश्चिम बंगाल की महिला मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने संदेशखाली गांव की महिलाओं का शोषण रोकने की जगह उनकी अस्मत से खेलने वाले पार्टी कार्यकर्ता शेख शाहजहां और उसके गुर्गों को बचाने में अपनी राजसत्ता की ताकत का इस्तेमाल किया। मुख्य आरोपित शेख शाहजहां के मामले में ममता बनर्जी एक के बाद एक गलती करती चली गईं। जब खाद्यान्न घोटाले के मामले में पूछताछ के लिए गए ईडी के अधिकारियों पर शेख शाहजहां और उसके गुंडो ने हमला किया तो उनको गिरफ्तार कराने की जगह यह जताने की कोशिश की गई कि किस तरह केंद्रीय जांच एजेंसियों को बंगाल में काम करने से रोका जा सकता है। इस घटना के बाद गांव में केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती की गई जिससे पीड़ति महिलाओं को नई ताकत मिल गई। उन्होंने शेख शाहजहां के जुल्मों के खिलाफ आवाज बुलंद की। लेकिन जब ये महिलाएं कैमरे के सामने आकर अपनी व्यथा सुना रही थीं उस समय राज्य की महिला मुख्यमंत्री ममता बनर्जी उनकी पीड़ा समझने के बजाए उन पर लांछन लगा रही थीं। ममता बनर्जी के सवाल हैरान करने वाले थे। वे अपनी पीड़ा बताने वाली महिलाओं के मुंह ढंकने पर सवाल उठा रही थीं। जबकि दुष्कर्म पीड़िताओं की पहचान उजागर करने पर रोक है। पीड़िताओं से पूछा जा रहा था कि उन्होंने अब तक पुलिस में शिकायत दर्ज क्यों नहीं कराई। महिलाएं बता रही थीं कि जब वे पुलिस के पास शिकायत दर्ज कराने जाती थीं तो उन्हें वापस शेख शाहजहां और उसके गुंडों के पास भेज दिया जाता था। शोषण की सारी सीमाएं पार होने के बाद सड़कों पर उतरी महिलाओं ने बाकायदा न्यायालय में शपथ पत्र देकर आप बीती बताई तो न्यायालय के दबाव में आरोपित शिबू हाजरा, उत्तम सरदार और शेख शाहजहां आदि के खिलाफ कई मुकदमे दर्ज हो गए। प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों पर हमले के मामले में फरार चल रहे शेख शाहजहां को 56 दिनों तक सरकार बचाती रही। मामले के ज्यादा तूल पकड़ने और न्यायालय से फटकार लगने पर आखिरकार उसे गिरफ्तार किया गया पर उसे बचाने के लिए ममता बनर्जी की सरकार पूरी ताकत से जुटी रही। कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद पश्चिम बंगाल की पुलिस ने शेख शाहजहां को सीबीआई के सुपुर्द नहीं किया। इसके बाद जब अवमानना का मामला दर्ज हुआ तो भी दो घंटा इंतजार कराने के बाद पश्चिम बंगाल की पुलिस ने शेख शाहजहां को सीबीआई के हवाले किया। न्यायालय जाते समय शेख शाहजहां की चाल - ढाल से उसके रुतबे का सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। पश्चिम बंगाल के एक छोटे सुदूर गांव संदेशखाली जहां पहुंचने के लिए धामाखाली से नाव में सवार होकर इच्छामती नदी को पार करना पड़ता है। वहां की पीड़िताओं ने पूरे पश्चिम बंगाल के वातावरण का बदल कर रख दिया है। मां, माटी और मानुष की बात करने का दावा करने वाली ममता बनर्जी पर आरोप लग रहे हैं कि पीड़िताएं अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग की होने के कारण इनके लिए उनकी संवेदनाएं नहीं जगीं। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की राजनीतिक हैसियत का अंदाजा विधानसभा चुनाव 2021 के परिणामों से आसानी से लगाया जा सकता है। यहां की 292 विधानसभा सीटों पर हुए चुनाव में से 213 पर टीएमसी, 77 पर भाजपा और दो सीटों पर अन्य दलों के उम्मीदवारों ने जीत हासिल की। चुनाव नतीजे आने के बाद टीएमसी कार्यकर्ताओं ने अराजकता की सारी सीमाएं पार कर दीं। टीएमसी के गुंडो पर भाजपा समर्थक महिलाओं के साथ बलात्कार के भी आरोप लगे। इसके बाद किसी ने सिर मुंडवाकर तो किसी ने नाक रगड़कर भाजपा को छोड़कर टीएमसी का दामन थाम लिया। अब कई सामाजिक और राजनीतिक चिंतकों का मानना है कि संदेशखाली ममता बनर्जी के लिए वामपंथियों के नंदीग्राम की तरह हो सकता है। विधानसभा चुनाव 2006 में 233 सीटें जीतकर सीपीएम नेता बुद्धदेव भट्टाचार्य ने सत्ता में वापसी की थी। तब ममता बनर्जी की पार्टी महज 30 सीटों पर सिमट कर रह गई थी। लगातार तीन दशक के शासन के बावजूद प्रचंड जीत से उत्साहित बुद्धदेव भट्टाचार्य ने हल्दिया बंदरगाह के निकट एक छोटे गांव नंदीग्राम में केमिकल हब बनाने की जिद ठान ली। इसके लिए इंडोनेशिया के सलीम ग्रुप को 10 हजार एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया जाना था। लेकिन नंदीग्राम के किसानों ने अपनी जमीन देने से इनकार कर दिया। उनका नेतृत्व वहां के स्थानीय नेता और कांथी के विधायक शुभेंदु अधिकारी ने किया। ममता बनर्जी भी आंदोलनकारियों के साथ हो गईं। इन आंदोलनकारियों ने इस इलाके की नाकेबंदी करके सरकारी कर्मचारियों की आवाजाही पर रोक लगा दी। इससे बलपूर्वक निपटने के लिए आज से 17 साल पहले 14 मार्च को 2500 पुलिसकर्मियों का एक जत्था नंदीग्राम भेजा गया।

दृष्टि कोण

लोकसभा चुनावों में कांग्रेस इस बार उत्तर प्रदेश में शून्य पर सिमट सकती है

उत्तर प्रदेश की राजनीति में जिस कांग्रेस का हमेशा अपर हैंड रहता था, वह अब दूसरों के रहम-ओ-करम पर राजनीति करने को मजबूर हो गई है। प्रदेश में ना उसका वोट बैंक बचा है, ना नेता और संगठन। हाँ, यदि हवा-हवाई बातों से पार्टी को फायदा हो पाता तो जरूर यूपी में कांग्रेस टॉप पर होती, लेकिन ऐसा होता नहीं है। आज का मतदाता अपने नेताओं पर बारीकी से नजर रखता है। इस कसौटी में कांग्रेस की टॉप लीडरशिप और गांधी परिवार पूरी तरह से नाकामयाब रहा है। कांग्रेस के विधान सभा और लोकसभा चुनाव में खराब प्रदर्शन के आंकड़े भी चुनाव-दर-चुनाव उसके जनाधार खिसकने के साक्षी हैं। यह गिरावट 1984 के बाद चार दशक में आई है। 1984 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस सभी 85 सीटों (तब उत्तराखंड की भी पांच सीटें शामिल) पर चुनाव लड़ी थी और 83 सीटों पर जीत हासिल की थी। भले ही तब पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद कांग्रेस के साथ जनभावनाओं का ज्वार था, जिसके सहारे पार्टी ने उत्तर प्रदेश में अपने प्रदर्शन के शिखर को छुआ।

यह वह दौर था जब राष्ट्रीय राजनीति में कांग्रेस का एकछत्र राज था और बीजेपी की एंट्री भर हुई थी, लेकिन उसकी राजनैतिक विचारधारा कांग्रेस से उलट थी। बीजेपी तुष्टिकरण की जगह हिन्दुत्व की बात करती थी। अयोध्या, काशी और मथुरा उसके एजेंडे में प्रमुख रूप से शामिल थे, जिससे कांग्रेस हमेशा किनारा करती रही थी। वहीं क्षेत्रीय दलों के रूप में समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी जातिवादी राजनीति को आगे बढ़ा रहे थे। प्रदेश की राजनीति में बदले समीकरणों ने जहां दूसरे दलों के लिए नई संभावनाएं जगाईं, वहीं कांग्रेस को अपनों से मायूसी ही मिलती गई। 1984 में 51.03 प्रतिशत वोट हासिल करने वाली कांग्रेस फिर ऐसे जनाधार को वापस नहीं हासिल कर सकी। आज उसका जनाधार दो प्रतिशत में सिमट गया है। दरअसल, प्रदेश में सपा व बसपा के उदय के साथ ही कांग्रेस पीछे होती गई और भाजपा की प्रखर हिंदुत्व वाली छवि ने उसकी राह और मुश्किल कर दी। ब्राह्मण, दलित और मुस्लिम कांग्रेस के परंपरागत वोटर माने जाते थे। सपा के उदय के साथ मुस्लिम कांग्रेस से छिटक कर उसके पाले में चला गया। बसपा ने कांग्रेस के दलित वोट बैंक पर कब्जा कर लिया। कांग्रेस से मोहभंग के बाद ब्राह्मणों ने भाजपा का दामन थाम लिया। वर्ष 2000 में उत्तर प्रदेश से उत्तराखंड के अलग होने के बाद की बात की जाए तो कांग्रेस वर्ष 2009 के लोकसभा चुनाव में 80 सीटों पर लड़ी थी और 21 सीटों पर जीत हासिल की थी। पिछले ढाई दशक में यह कांग्रेस का सर्वाधिक उत्साहित करने वाला प्रदर्शन था। इसके पीछे कांग्रेस की मनरेगा व खाद्य सुरक्षा को लेकर नीतियों की बड़ी भूमिका मानी गई थी। कांग्रेस केंद्र में दोबारा सरकार बनाने में सफल हुई थी। इसके बावजूद कांग्रेस उत्तर प्रदेश में अपनी साख को बचाए रखने में कामयाब नहीं रही। उत्तर प्रदेश में अपना जनाधार बढ़ाने के लिय पार्टी ने कई प्रयोग भी किए। राहुल गांधी को यूपी में पैर पसारने के लिये खुली छूट दी गई, इसके नतीजे उत्साहवर्धक नहीं आये तो प्रियंका वाड्रा को प्रदेश का प्रभारी भी बनाया गया, लेकिन बूथ स्तर पर कमजोर हुई पार्टी के सामने कार्यकर्ताओं में पुराना जोश भरना सपना ही रहा। उधर, कांग्रेसी नेता आपस में टांग खिंचाई करते रहे, जिसकी वजह से पार्टी में अंतरकलह भी बढ़ता गया। 2014 लोकसभा चुनाव के बाद केंद्र में भाजपा की सरकार बनने के बाद कांग्रेस के लिए उत्तर प्रदेश में 2009 का अपना प्रदर्शन दोहराने को तरसती ही रही। नेहरू-गांधी परिवार का उत्तर प्रदेश से गहरा रिश्ता होने के बाद भी पार्टी खोया दमखम नहीं जुटा सकी। पिछले चुनाव में कांग्रेस रायबरेली की एकमात्र सीट पर ही जीत का स्वाद चख सकी थी। पिछले लोकसभा चुनाव में अमेठी से राहुल गांधी तक हार गये।

कुछ अलग

हनुमान ने शनिदेव को कैसे किया शांत

एक समय हनुमान, हिमालय पर्वत पर तपस्या में लीन थे। तभी उनके पास सूर्य-पुत्र शनिदेव पहुंच गए। शनिदेव लोगों को कष्ट देने के लिए आज भी प्रसिद्ध हैं। शनिदेव इसी मंशा से हनुमान के पास गए थे। हनुमान ने शनिदेव से आने का कारण पूछा, तो शनिदेव ने कह दिया, 'मैं लोगों के शरीर में प्रवेश करके उन्हें कष्ट देता हूं और आपके पास भी इसी उद्देश्य से आया हूं।' हनुमान बोले, 'मेरे भीतर तो केवल राम रहते हैं; तुम कहां रहोगे?' इस पर शनिदेव ने हंसकर कहा, 'मैं ढाई वर्ष तक मस्तिष्क में, अगले ढाई वर्ष उदर के भीतर और अंतिम ढाई वर्ष उदर से नीचे रहकर व्यक्ति को निष्क्रिय कर देता हूं। आपके साथ भी यही करूंगा।' हनुमान तुरंत तैयार हो गए और बोले, 'तो फिर मेरे सिर पर सवार हो जाओ।' शनिदेव ने जैसे ही हनुमान के मस्तिष्क में प्रवेश किया, हनुमान के सिर में दर्द होने लगा। परंतु उन्हें शनिदेव से निपटने का तरीका आता था। उन्होंने एक बड़ी-सी शिला उठाई और अपने सिर पर रख ली। शनिदेव पीड़ा से चिल्ला उठे। लेकिन हनुमान ने उस पर ध्यान नहीं दिया। फिर एक और शिला उठाकर सिर पर रख ली। अब शनिदेव के लिए संकट खड़ा हो गया। वे आए थे हनुमान को कष्ट देने, लेकिन स्वयं कष्ट में फंस गए! अब शनिदेव, हनुमान से मोल-भाव करने लगे। 'यदि आप मुझे छोड़ दें, तो मैं आपके कष्ट की अवधि साढ़े सात वर्ष से घटाकर साढ़े सात दिन कर दूंगा!' इस पर हनुमान तपाक से बोले, 'तुम मेरे लिए अपना नियम मत बदलो। मेरा सिरदर्द जब तक ठीक नहीं होगा, मैं सिर पर शिलाएं रखता जाऊंगा।' हनुमान ने एक और शिला उठा ली, लेकिन इससे पहले कि उसे सिर पर रखते, शनिदेव ने बिलखते हुए कहा, 'प्रभु, मुझसे भूल हो गई। मुझे क्षमा कर दीजिए। मैं आपको कभी कष्ट नहीं दूंगा।' हनुमान ने कहा, 'मुझे नहीं दोगे, लेकिन दूसरे लोगों को तो कष्ट दोगे! मैं आज पूरा उपाय करके ही तुम्हें छोड़ूंगा।' यह कहकर हनुमान ने तीसरी शिला भी सिर पर रख ली। शनिदेव का तो जैसे दम ही निकल गया! उन्होंने विनती की, 'हे रामदूत! दया कीजिए! मैं आपको वचन देता हूं कि जो भी आपको स्मरण करेगा, उसे कभी मुझसे कष्ट नहीं होगा।' तब हनुमान ने प्रसन्न होकर शनिदेव को मुक्त कर दिया। इसीलिए कहते हैं, हनुमान का नाम लेने से शनिदेव के कोप से रक्षा हो जाती है। एक अन्य कथा भी प्रसिद्ध हैं...शनिदेव ने हनुमान का बहुत यश सुना था। शनिदेव को लगा कि यदि वह हनुमान को परास्त कर दें, तो उनका अपना यश बढ़ जाएगा। इस उद्देश्य से शनिदेव ने हनुमान को चुनौती दे डाली। 'हनुमान! मैं ग्रहों में सर्वशक्तिमान शनि हूं। विश्व 'मेरे नाम से कांपता है। यदि साहस है, तो मुझसे युद्ध करो!' हनुमान, शनिदेव से लड़ने को उत्सुक नहीं थे। उन्होंने विनम्रतापूर्वक शनिदेव से कहा, 'मैं वृद्ध हो चुका हूं तथा श्रीराम नाम के अतिरिक्त मेरी किसी कार्य में रुचि नहीं है। आप बहुत बलवान हैं, इसलिए आपको अपने समान किसी बलशाली से युद्ध करना चाहिए।' शनिदेव ने हनुमान की विनम्रता को उनकी कायरता समझने की भूल कर दी। इससे शनिदेव का दुस्साहस और बढ़ गया। उन्होंने हनुमान से कहा, 'मैं आ गया हूं, तो युद्ध किए बिना नहीं जाऊंगा। अन्यथा आप अपनी पराजय स्वीकार कर लीजिए।' तब हनुमान ने शनिदेव का अहंकार तोड़ने का निश्चय किया। उन्होंने शनिदेव को अपनी पूंछ में बांध लिया। शनिदेव छटपटाने लगे, लेकिन बहुत प्रयास करने के बावजूद हनुमान की पकड़ से मुक्त नहीं हो सके। सहसा हनुमान उछले और ऊबड़-खाबड़ पथरीले रास्तों पर बेतहाशा दौड़ने लगे। इस दौरान, हनुमान अपनी पूंछ को शिलाओं पर पटकते जाते थे।

देश दुनिया से

जंगल की शेरनी का सफरः कश्मीर की वादियों से घने जंगलो तक

भारत की बाघ राजकुमारी (दी टाइगर प्रिंसेस) के रूप में जानी जाने वाली लतिका की कहानी सिर्फ शाही विरासत के बारे में नहीं है, बल्कि उन महिलाओं की शक्ति का प्रमाण है जो बाधाओं को तोड़ती हैं और साहस और दृढ़ विश्वास के साथ अपनी नियति को आकार देती हैं। एक फोटोग्राफर के रूप में, लतिका ने जंगल के बीचों-बीच जाकर, उसकी सुंदरता और चुनौतियों का दस्तावेजीकरण करके रूढ़ियों को तोड़ा। अपने लेंस के माध्यम से, उन्होंने न केवल वन्यजीवों की असुरक्षा को बल्कि महिला भावना की ताकत और लचीलेपन को भी प्रदर्शित किया। लतिका मानती हैं की जब भी आप किसी ऐसी जगह जाते हैं जहां पर प्रकृति अपने आप में संपूर्ण होती है तब ऐसा लगता है की आप भगवान के बनाये एक मंदिर में हो।

भारत के हृदय में, जहां जंगलों और नदियों के रहस्यमय परिदृश्य मिलते हैं, वहां एक ऐसी कहानी मौजूद है जो इस भूमि की तरह ही मंत्रमुग्ध कर देने वाली है। ये कहानी है भारत की बाघ राजकुमारी लतिका नाथ की, जिसमें साहस, जुनून और प्रकृति के प्रति गहरा प्रेम शामिल है। ऐसी दुनिया में जहां जंगली जानवर लगातार खतरे में हैं, लतिका आशा की किरण बनकर खड़ी है और जंगलों में रहने वाले जीवों की रक्षा के लिए अथक प्रयास कर रही है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के इस उपलक्ष्य में, लतिका नाथ के साथ हुए साक्षात्कार (इंटरव्यू) की एक झलक को प्रस्तुत किया है जिसकी यात्रा शक्ति, जुनून और वन्यजीव संरक्षण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के प्रतीक के रूप में सामने आती है। भारत की बाघ राजकुमारी (दी टाइगर प्रिंसेस) के रूप में जानी जाने वाली लतिका की कहानी सिर्फ शाही विरासत के बारे में नहीं है, बल्कि उन महिलाओं की शक्ति का प्रमाण है जो बाधाओं को तोड़ती हैं और साहस और दृढ़ विश्वास के साथ अपनी नियति को आकार देती हैं। एक फोटोग्राफर के रूप में, लतिका ने जंगल के बीचों-बीच जाकर, उसकी सुंदरता और चुनौतियों का दस्तावेजीकरण करके रूढ़ियों को तोड़ा। अपने लेंस के माध्यम से, उन्होंने न केवल वन्यजीवों की असुरक्षा को बल्कि महिला भावना की ताकत और लचीलेपन को भी प्रदर्शित किया। लतिका मानती हैं की जब भी आप किसी ऐसी जगह जाते हैं जहां पर प्रकृति अपने आप में संपूर्ण होती है तब ऐसा लगता है की आप भगवान के बनाये एक मंदिर में हो। और जैसे लोग खुद को फोकस्सड रखने के लिए मैडिटेशन करते हैं और जैसा उस समय वो लोग महसूस करते है, मुझे वैसा ही महसूस होता है जब मैं प्रकृति क नज़दीक होती हूं फिर चाहे वो हिमालय की छोटी हो या फिर घाना जंगल, या एक शेर के साथ बैठना या फिर किसी कछुए को समुद्र से आते देखना या फिर एक चिड़िया को अपना घोसला बनाते हुए देखना ये नजारा सच में मंत्र मुग्ध कर देने वाला होता है। कैमरा के लेंस से जब हम एक चीज पर फोकस करते हैं तब हम सारी दुनिया भूल जाते है और यही उनके लिए मैडिटेशन है। लतिका की यात्रा में एक गहरा मोड़ आया क्योंकि वह वन्यजीव संरक्षण के लिए एक सशक्त शक्ति के रूप में विकसित हुई। मुख्य रूप से पुरुषों के कब्जे वाले क्षेत्र में, उन्होंने निडर होकर भारत की लुप्तप्राय प्रजातियों की रक्षा के लिए अपने प्रयासों को समर्पित करते हुए, इस मुद्दे का समर्थन किया। लतिका ने साझा किया की बहुत से पुरुष कंजर्वेशनिस्ट्स ने भी उन्हें अपना निशाना बनाया और जिसकी वजह से लतिका को शोध तक छोड़नी पड़ी। परिवार और दोस्तों से सहायता मिलने के बावजूद यह यात्रा फूलों से भरी तो बिलकुल भी नहीं थी। आज से करीब 30 दशक पहले जब मुट्ठी भर औरतें विज्ञान जैसे सब्जेक्ट में अपना भविष्य बनाने के बारे में सोचती थी और उसमे भी अगर कोई महिला वन्य जीवन (वाइल्डलाइफ) जैसी फील्ड में जाना चाहती हो जो की बेहद जोखिम भरी होने के साथ साथ पुरुष प्रमुख थी उसमे आगे बढ़ना चाहती है तो यकीन मानिए समाज में कुछ पुरुष प्रधान सोच रखने वाले लोगो की कमी नहीं रही होगी जिन्होंने हर कदम पर मुश्किलें खड़ी की और हर कदम पर ये जताने की कोशिश की होगी की एक औरत कैसे काम करेगी इस फील्ड में और ये सिलसिला शुरुआत के कुछ सालो तक नहीं बल्कि बहुत लम्बे समय तक चलता रह। लेकिन वह मानती हैं की जब आप खुद पर भरोसा करते है की आपको इसी राह में आगे बढ़ना है तो कोई मुश्किल आपका रास्ता नहीं रोक सकती। हम अपने आप में सौभाग्यशाली है की हमारी इतनी आबादी होने के बावजूद हम इस पृथ्वी के सबसे ज्यादा जैव विविधता से भरपूर की में हैं और हमारे अंदर एक अंदरूनी भावना है की हम पृथ्वी और प्रकृति का इतना आदर करते है। भारत सही दिशा में कदम बढ़ा रहा है लेकिन अपनी बहुत काम करना बाकी है और समय की मांग यही है की सिटीजन साइंस, प्राइवेट सेक्टर, और गवर्नमेंट एक जुट होकर प्रकृति को बचाए। लतिका बताती हैं की अगर हम प्लेनेट अर्थ के इतिहास को खंगाले तो हम देखेंगे की परिवर्तन हमेशा से हुए है और प्रकृति अपने तरीके से इंसान को दिखा रही है की यूं तो इंसान खुद को बहुत शक्तिशाली तो समझता है लेकिन वो भी मात्र एक भाग है प्रकृति का क्योंकि अगर पृथ्वी पर जीवन ही खत्म हो जयेगा तो इंसान का वजूद भी खत्म हो जएगा। इसीलिए हमें अपने तरीके बदलने होंगे और हम सभी को मिलकर इसे सफल बनाना होगा। लतिका की कहानी भावनात्मक स्तर पर गूंजती है, न केवल एक संरक्षणवादी के रूप में बल्कि एक महिला के रूप में जो पुरुष-प्रधान क्षेत्र में आगे बढ़ रही है। लतिका में, हम एक ऐसी महिला को पाते हैं जो मनुष्यों और वन्यजीवों के बीच की दीवारों को तोड़ती है

आप का नजरिया

केवल और केवल अनुराग

सियासत के अद्भुत प्रतीक और शिनाख्त के पद्चिन्हों में राजनीतिक सपूत चुनने की कवायद में आगामी लोकसभा चुनाव की दृष्टि सामने आ रही है। पांचवीं बार हमीरपुर लोकसभा के अपने अभेद्य दुर्ग पर अनुराग ठाकुर को भाजपा, लोकसभा में मुकाम दिखा रही है। शिमला से सुरेश कश्यप पर भरोसा जताने के बावजूद मंडी का जौहर दिखाने में भाजपा की सियासी किफायत और कांगड़ा की दौड़ में हिम्मत दिखाने की कंजूसी अभी सूची से बाहर नहीं आई, लेकिन पार्टी का जलबा इस बार हमीरपुर संसदीय सीट के सामने मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू के प्रभुत्व की मांद में जरूर नई कहानी लिखना चाहेगा। प्रदेश के विधानसभा चुनाव में एकतरफा जीत के दो शंखनाद हुए थे, तो मंडी में भाजपा का वर्चस्व लोकसभा चुनाव की तासीर में पूर्व सरकार की छवि की पहरेदारी में क्या नया हासिल करता है, यह देखना होगा। यहां पूर्व मुख्यमंत्री जयराम की छत्रछाया में कोई नया नाम, कोई नया दांव, अपनी परख के हथौड़े की तरह टन-टन कर रहा है, तो कांगड़ा में भाजपा की सूची उस शोहरत से मुकाबिल है जहां वर्तमान सांसद किशन कपूर ने सात लाख से अधिक वोट जुटा कर ऐतिहासिक काम किया था। लोकसभा चुनाव की पात्रता में विधानसभा चुनाव की दक्षता का ईनाम क्या होगा, इसका फैसला कांग्रेस को भी कांगड़ा में करना है। सुक्खू सरकार के गठन और सत्ता के संगठन में दस विधायकों की जुंबिश लगा कांगड़ा के जिस आधार ने भाजपा को निराधार किया था, उसके आश्रालय में संसदीय चुनाव की अनुगूंज चंबा तक आंखें खोल कर देख रही है। जिला से कुल दो मंत्री, विधानसभा अध्यक्ष, चंद कैबिनेट रैंक और कुछ नियुक्तियों की पैमाइश के बूते कांगड़ा संसदीय क्षेत्र में कांग्रेस का शीर्षासन इसलिए भी देखा जाएगा, क्योंकि सुधीर शर्मा जैसे चेहरे को दरकिनार करके पार्टी अपने वजूद की नई पैरवी कर रही है। यहां से सत्ता के पाले में जितने पद भरे हैं, उनमें से शाहपुर के विधायक केवल सिंह पठानिया का रुतबा अब हाथों में व्हिप लेकर अपनी मंजिलें बता रहा है। तमाम नियुक्तियों और तरह-तरह के पदभारों से सुसज्जित चेहरों के बीच केवल केवल सिंह पठानिया क्यों लोकसभा चुनाव से पूर्व अलग नजर आने लगे हैं, यह बदली कांगड़ा की सियासत में सरकार के खास नजर आने लगे हैं। केवल सिंह का गैर परिवारवाद तथा कभी कांगड़ा की ललकार रहे मेजर विजय सिंह मनकोटिया के व्यूह चक्र से निकल कर मुख्य सचेतक तक पहुंचना, वीरभद्र सिंह की आभा में चलती रही पार्टी की नई प्रतिभा है। कांग्रेस बदल रही है और बदल रहा है इसकी आभा का केंद्र। हमीरपुर संसदीय क्षेत्र में कांग्रेस महज सत्ता नहीं सत्ता का नया पौधारोपण भी है। इस लिहाज से यह सरकार, सरकार के मुखिया तथा उपमुख्यमंत्री की सबसे बड़ी परीक्षा का द्वार भी है। सरकार इसी संसदीय सीट से पार्टी व दो सहयोगी निर्दलीयों समेत पांच विधायकों को बाहर का रास्ता दिखा कर अपना रास्ता साफ करती हुई दिखाई दी है, लेकिन अपने कांटों के बाहर भाजपा के साम्राज्य की दीवारों पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर के हस्ताक्षर स्पष्ट हैं।

हारे को सहारा देने वाले बाबा खाटू श्याम

बाबा खाटू श्याम हिंदू धर्म में एक प्रसिद्ध और पूज्य देवता हैं। खाटू श्याम के मंदिर राजस्थान के खाटू गाँव में स्थित हैं, जहाँ भक्त उनकी पूजा और अर्चना करते हैं। खाटू श्याम को अधिकतर कृष्ण भक्त भारत में पूजते हैं, और उन्हें उनके निष्काम भक्ति और कृपा के लिए प्रस्तुत किया जाता है। खाटू श्याम के मंदिर में उन्हें मधुराष्टकम, आरती, और भजनों की आराधना की जाती है, और भक्तों को श्रद्धा और आनंद का अनुभव होता है। बाबा खाटू श्याम, जिन्हें श्याम बाबा और कालीचरण के नाम से भी जाना जाता है, भगवान कृष्ण का एक अवतार हैं। वे राजस्थान के सीकर जिले के खाटू में स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर में विराजमान हैं।

बाबा खाटू श्याम का जन्म द्वापर युग में हुआ था। वे पांडव राजकुमार भीम और द्रौपदी के पुत्र घटोत्कच के पुत्र बर्बरीक थे। महाभारत युद्ध में कौरवों और पांडवों दोनों पक्षों ने बर्बरीक को अपनी ओर से युद्ध में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। बर्बरीक ने दोनों पक्षों को मना कर दिया और कहा कि वह उस पक्ष का साथ देगा जो युद्ध में हार रहा होगा। कौरवों और पांडवों के बीच युद्ध शुरू हुआ और कौरव हारने लगे। बर्बरीक ने कौरवों की ओर से युद्ध में शामिल होने का फैसला किया। पांडवों को बर्बरीक की शक्ति का पता था और वे जानते थे कि यदि बर्बरीक युद्ध में शामिल होता है तो वे युद्ध हार जाएंगे। अर्जुन, भीम और दुर्योधन ने बर्बरीक को युद्ध से दूर रहने के लिए कहा। बर्बरीक ने उनकी बात मानने से इनकार कर दिया। श्रीकृष्ण ने बर्बरीक को युद्ध से दूर रहने के लिए मनाने का प्रयास किया, लेकिन बर्बरीक ने अपनी बात पर अड़ी रही। श्रीकृष्ण ने बर्बरीक से कहा कि अगर वह युद्ध में शामिल होता है तो उसे मृत्यु का सामना करना पड़ेगा। बर्बरीक ने श्रीकृष्ण से कहा कि वह मृत्यु से नहीं डरता और वह युद्ध में शामिल होने के लिए दृढ़ है। श्रीकृष्ण ने सुदर्शन चक्र से बर्बरीक का शीश काट दिया। बर्बरीक की मृत्यु के बाद श्रीकृष्ण ने बर्बरीक को वरदान दिया कि वह कलियुग में श्याम बाबा के नाम से जाना जाएगा और लोगों की मनोकामनाएं पूर्ण करेगा। बाबा खाटू श्याम आज भी लोगों के बीच बहुत लोकप्रिय हैं। उनके दर्शन के लिए लाखों भक्त हर साल खाटू श्याम मंदिर जाते हैं।

बाबा खाटू श्याम की पूजा बहुत ही सरल है। उन्हें फूल, फल, मिठाई और चंदन अर्पित किया जाता है। बाबा खाटू श्याम की पूजा बहुत ही महत्वपूर्ण है और उन्हें भक्ति और आदर से की जाती है। खाटू श्याम की पूजा में विशेष ध्यान देवता के मंदिर में जाकर किया जाता है. पूजा के समय, भक्त उनके मंदिर में पहुंचते हैं और उनकी मूर्ति के सामने विधिवत पूजा करते हैं. खाटू श्याम की पूजा में भक्त उन्हें अलंकृत करते हैं, उनके चारणों को प्रणाम करते हैं और मंगलारति और भजनों के माध्यम से उनकी महिमा गाते हैं. धूप, दीप, फल, फूल आदि से भोग अर्पित किया जाता है. पूजा के बाद, प्रसाद वितरित किया जाता है और भक्तों को आशीर्वाद प्राप्त होता है। खाटू श्याम की पूजा को समर्पित करने से भक्तों को आनंद, शांति, और आत्मा का प्रकाश मिलता है। यह पूजा भक्तों को उनके अभिप्रायों को पूर्ण करने में सहायक होती है और उन्हें धार्मिक उन्नति की प्राप्ति में मदद करती है।

बाबा खाटू श्याम के चमत्कार:

बाबा खाटू श्याम अपने चमत्कारों के लिए प्रसिद्ध हैं। वे अपने भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं।

बाबा खाटू श्याम के भजन:

बाबा खाटू श्याम के कई भजन हैं जो बहुत ही लोकप्रिय हैं। इन भजनों को सुनकर भक्तों का मन प्रसन्न हो जाता है। बाबा खाटू श्याम के भजन भक्तों को उनके निष्काम भक्ति और प्रेम में लीन करते हैं। ये भजन उनके भक्तों के द्वारा उनकी पूजा-अर्चना में प्रयोग किए जाते हैं और उन्हें खुशी और आनंद का अनुभव कराते हैं। यहाँ कुछ प्रसिद्ध बाबा खाटू श्याम के भजन हैं:

श्याम तेरे भरोसे नैन भरे
मेरे श्याम बाबा का दरबार
रंग दे मोहना
श्याम तेरे भरोसे नैन हमारे
आजा रे मेरे श्याम सावरे
बाबा तेरे चरणों में
बाबा तेरे प्यार में
श्याम सुंदर काँवरिया
श्याम तेरी बंसी का
श्यामा तेरे चरणों में

ये भजन भक्तों को भावनात्मक रूप से प्रेरित करते हैं और उन्हें खाटू श्याम की भक्ति में लीन करते हैं। बाबा खाटू श्याम की आरती भी बहुत ही लोकप्रिय है। आरती करके भक्त बाबा श्याम की स्तुति करते हैं। उनके दर्शन करने के लिए हर साल लाखों श्रद्धालु खाटू श्याम मंदिर आते हैं। दर्शन करने के लिए सुबह जल्दी उठकर मंदिर जाना चाहिए।

रवि योग में आज मनाई जाएगी आमलकी एकादशी

20 मार्च को फाल्गुन महीने के शुक्ल पक्ष की एकादशी है। इसे आमलकी यानी आंवला एकादशी कहते हैं। फाल्गुन महीने में आने के कारण ये हिंदी कैलेंडर की आखिरी एकादशी होती है। इस दिन आंवले के पेड़ की पूजा के साथ ही आंवले का दान करने का भी विधान है। जिससे कई यज्ञों का फल मिलता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डॉ. अनीष व्यास ने बताया कि 20 मार्च को आंवला एकादशी है। यानी इस दिन भगवान विष्णु के साथ आंवले के पेड़ को भी खासतौर पूजा जाएगा। तभी ये एकादशी व्रत पूरा माना जाता है, क्योंकि आंवले के पेड़ को हिंदू धर्म में बेहद पवित्र और पूजनीय माना जाता है। इस दिन आंवला खाने से बीमारियां खत्म होती हैं। एकादशी पर किए गए व्रत-उपवास और पूजन से घर-परिवार में सुख-समृद्धि बनी रहती है। कार्यों में आ रही बाधाएं दूर होती हैं और सफलता मिलती है। ये व्रत भगवान विष्णु के लिए किया जाता है। आमलकी एकादशी पर विष्णु जी के साथ आंवले की और माता अन्नपूर्णा की पूजा करने की परंपरा है। इस बार ये व्रत बुधवार को आने से इस दिन गणेश जी और बुधवार ग्रह की पूजा का शुभ योग है।

बुधवार और आमलकी एकादशी के योग में विष्णु जी, आंवले का पेड़, अन्नपूर्णा माता के साथ ही गणेश जी और बुध ग्रह की पूजा भी जरूर करें। एकादशी की शाम तुलसी के पास दीपक अनिवार्य रूप से जलाना चाहिए। भगवान विष्णु की पूजा के साथ ही विष्णु जी के मंत्र ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय का जप करते रहें। श्रीकृष्ण का अभिषेक करें और कृं कृष्णाय नमः मंत्र का जप करें। श्रीकृष्ण के साथ गौ माता की भी पूजा जरूर करें। किसी गौशाला में गायों की देखभाल के लिए दान-पुण्य करें। किसी मंदिर में पूजन सामग्री का सामान जैसे कुमकुम, चंदन, मिठाई, तेल-घी, हार-फूल, भगवान के वस्त्र आदि का दान करें। आमलकी एकादशी पर खाने में आंवले का सेवन जरूर करें। आंवले का रस भी पी सकते हैं। आंवले का दान भी करें। माता अन्नपूर्णा अन्न की देवी है। इस तिथि पर देवी की पूजा करें और जरूरतमंद लोगों अन्न का दान करें।

शुभ योग

आमलकी एकादशी पर काफी शुभ योग बन रहे हैं। इस दिन रवि योग के साथ अतिगण्ड और पुष्य नक्षत्र बन रहा है। सुबह 06:25 मिनट से रवि योग शुरू होगा, जो रात 10:38 मिनट पर समाप्त होगा। इसके साथ ही अतिगण्ड योग सुबह से शाम 05:01 मिनट तक है। इसके अलावा पुष्य नक्षत्र रात 10:38 मिनट तक है।

रंगभरी और आमलकी एकादशी

होली से चार दिन पहले आने से इसे रंगभरी एकादशी भी कहा जाता है। इस दिन से बनारस में बाबा विश्वनाथ को होली खेलकर इस पर्व की शुरुआत की जाती है। ब्रह्मांड पुराण के मुताबिक इस दिन आंवले के पेड़ और भगवान विष्णु की पूजा करने का विधान है। इस दिन शुभ ग्रह योगों के प्रभाव से व्रत और पूजा का पुण्य और बढ़ जाएगा।

मिलता है यज्ञों का पुण्य

पद्म और विष्णु धर्मोत्तर पुराण का कहना है कि आंवले का वृक्ष भगवान विष्णु को बहुत प्रिय होता है। इस पेड़ में भगवान विष्णु के साथ ही देवी लक्ष्मी का भी निवास होता है। इस वजह से आमलकी एकादशी के दिन आंवले के पेड़ के नीचे बैठकर भगवान विष्णु की पूजा करते हैं। मान्यता है कि इस दिन आंवले के पेड़ को पूजन और आंवले का दान करने से समस्त यज्ञों और 1 हजार गायों के दान के बराबर फल मिलता है। आमलकी एकादशी का व्रत करने से व्यक्ति को मोक्ष मिल जाता है।

तिल, गंगाजल और आंवले से नहाने की परंपरा

इस एकादशी पर सूर्योदय से पहले उठकर पानी में गंगाजल की सात बूंद, एक चुटकी तिल और एक आंवला डालकर उस जल से नहाना चाहिए। इसे पवित्र या तीर्थ स्नान कहा जाता है। ऐसा करने से जाने-अनजाने में हुए हर तरह के पाप खत्म हो जाते हैं। इसके बाद दिनभर व्रत और भगवान विष्णु की पूजा करना चाहिए। इससे एकादशी व्रत का पूरा पुण्य फल मिलता है।

सूर्यास्त के बाद जलाएं दीपक

विष्णु जी की पूजा में तुलसी का इस्तेमाल खासतौर पर किया जाता है। मान्यता है कि तुलसी के पत्तों के बिना विष्णु जी भोग स्वीकार नहीं करते हैं, इसलिए भोग के साथ ही तुलसी जरूर रखी जाती है। एकादशी विष्णु जी की तिथि है, लेकिन इस दिन विष्णु प्रिया तुलसी की भी विशेष पूजा करनी चाहिए। सुबह तुलसी को जल चढ़ाएं और शाम को सूर्यास्त के बाद तुलसी के पास दीपक जलाएं। ध्यान रखें शाम को तुलसी को स्पर्श न करें। दीपक जलाकर दूर से ही परिक्रमा करें।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

पूजा विधि

सुबह उठकर भगवान विष्णु का ध्यान कर व्रत का संकल्प करें। संकल्प लेने के बाद स्नान से निवृत्त होकर भगवान विष्णु की पूजा करनी चाहिए। दीपक जलाकर विष्णु सहस्रनाम का पाठ करें। पूजा के बाद आंवले के पेड़ के नीचे नवरत्न युक्त कलश स्थापित करें। आंवले के वृक्ष का धूप, दीप, चंदन, रोली, फूल और अक्षत से पूजन कर किसी गरीब या ब्राह्मण को भोजन कराना चाहिए। अगले दिन स्नान कर स्नान कर पूजन के बाद कलश, वस्त्र और आंवला का दान करना चाहिए। इसके बाद भोजन ग्रहण कर व्रत खोलना चाहिए।

सनातन धर्म में भूखों को खाना खिलाना एक पुण्य कार्य माना जाता है। यह न केवल एक धार्मिक कर्तव्य है, बल्कि मानवता के प्रति भी हमारा दायित्व है। सनातन धर्म एक प्राचीन धर्म है जो भारतीय सभ्यता और संस्कृति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसे 'अद्वैत वेदांत' का भी कहा जाता है, जिसमें ब्रह्मांड और व्यक्ति के बीच एकता का सिद्धांत है। सनातन धर्म में कई शाखाएँ, दर्शन और धाराएँ हैं जैसे कि हिंदू धर्म, जैन धर्म, बौद्ध धर्म, और सिख धर्म। इसके मूल तत्वों में ध्यान, ध्यान, कर्म और भक्ति का महत्व होता है। यह धर्म जीवन के उद्देश्य को मानता है, जिसमें मोक्ष और आत्मज्ञान की प्राप्ति शामिल है। सनातन धर्म के अनुयायी धर्म, अहिंसा, सहानुभूति, और समरसता के प्रति समर्पित रहते हैं।

धार्मिक महत्व: पुराणों में इस बारे में पढ़ने को मिलता है। भूखों को भोजन खिलाने का महत्व सनातन धर्म के कई ग्रंथों में बताया गया है। गरुड़ पुराण में कहा गया है कि जो व्यक्ति भूखे को भोजन करवाता है, उसे स्वर्ग में स्थान प्राप्त होता है। भूखों को भोजन करवाना एक धार्मिक कर्तव्य माना जाता है। हिंदू धर्म में, सभी प्राणियों को भगवान का रूप माना जाता है। भूखे को भोजन खिलाना भगवान की सेवा करने का एक तरीका है। भोजन दान को सबसे उत्तम दानों में से एक माना जाता है। कहा जाता है कि भोजन दान करने से व्यक्ति के पापों का नाश होता है और उसे मोक्ष प्राप्त होता है।

मानवीय महत्व: सनातन धर्म में भूखों को भोजन खिलाना सबसे बड़ी मानवीय सेवा बतायी गयी है। दुनिया में आज भी लाखों लोग भूखे रहते हैं। भूखों को भोजन खिलाकर हम उनके जीवन में बदलाव ला सकते हैं। यह समाज में समानता लाने का एक तरीका है। भूखों को भोजन खिलाकर हम समाज में गरीबी और भेदभाव को कम कर सकते हैं। सहानुभूति और करुणा का भाव पैदा करता है। जब हम भूखों को भोजन खिलाते हैं, तो हम उनके दुखों को समझते हैं और उनके प्रति सहानुभूति महसूस करते हैं।

अन्नदान सनातन धर्म में एक महत्वपूर्ण धार्मिक अनुष्ठान है। अन्नदान में, लोगों को भोजन दान किया जाता है। देवी अन्नपूर्णा को भोजन की देवी माना जाता है। देवी अन्नपूर्णा की पूजा करने से भूखों को भोजन मिलता है। सनातन धर्म में लंगर का आयोजन किया जाता है, जिसमें सभी को मुफ्त भोजन दिया जाता है। इसके अलावा, भूखों को भोजन खिलाने के लिए हम कई तरह के कार्य कर सकते हैं। हम अपने घर में भूखे लोगों को भोजन खिला सकते हैं, या फिर किसी अन्नदान कार्यक्रम में भाग ले सकते हैं। हम भूखों को भोजन खिलाने के लिए स्वयंसेवी संस्थाओं के साथ भी काम कर सकते हैं। भूखों को भोजन खिलाना एक छोटा सा कार्य है, लेकिन इसका प्रभाव बहुत बड़ा होता है। यह एक व्यक्ति के जीवन में बदलाव ला सकता है। हमें सभी को इस कार्य में अपना योगदान देना चाहिए और भूखों को भोजन खिलाकर एक बेहतर समाज का निर्माण करना चाहिए। सनातन धर्म में भूखों को खाना खिलाने का बहुत महत्व है। यह एक पुण्य कार्य है, जिसके धार्मिक और मानवीय दोनों महत्व हैं। हमें सभी को इस कार्य में अपना योगदान देना चाहिए।

गीता में कृष्ण ने बताए हैं खुश रहने के रहस्य

जान लिया तो नीरस जीवन बन जाएगा खुशहाल

तमाम उम्र खुशी की तलाश में गुजरी, तमाम उम्र तरसते रहे खुशी के लिए । अबुल मुजाहिद के इस शेर से कई लोग वाकिफ होंगे। लेकिन आखिर खुशी का अभाव जीवन में कैसे हो गया, क्यों आजकल लोग मुस्कुराना और खुश रहना जैसे भूल चुके हैं। खुश रहने के महत्व को देखते हुए और इसे बढ़ावा देने के लिए हर साल 20 मार्च के दिन को अंतरराष्ट्रीय खुशी दिवस या अंतरराष्ट्रीय प्रसन्नता दिवस के रूप में मनाया जाता है।

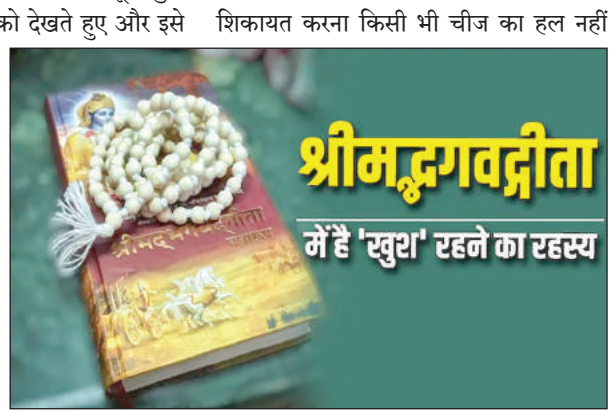

खुश रहना मानव का मूलभूत अधिकार है और हर किसी को इसके महत्व को समझना होगा। चिंता, तनाव, अवसाद आदि कारणों से लोग मानसिक रूप से परेशान रहते हैं और खुशी उनके जीवन से कोसों दूर चली जाती है। लेकिन धर्म ग्रंथों और शास्त्रों में खुश रहने के कई उपायों के बारे में बताया गया है।

इन्हीं में एक है हिंदू धर्म का महत्वपूर्ण ग्रंथ श्रीमद्भगवद्गीता। श्रीकृष्ण ने अर्जुन को कुरुक्षेत्र की युद्ध भूमि पर कर्म और धर्म से जुड़े कई उपदेश दिए थे। इसे गीता उपदेश कहा जाता है। गीता में ऐसी कई बातों का उल्लेख मिलता है, जिसे अमल करने वालों के जीवन से परेशानियां दूर रहती है और वे सदा खुश रहते हैं। आइये जानते हैं इसके बारे में-

खुश रहना है तो आज ही छोड़ दें ये काम

तुलना करना बंद करें : कृष्ण कहते हैं कि आप जीवन में तब तक खुश नहीं रह सकते जब तक आप अपनी तुलना किसी और से करते रहेंगे। इसलिए शास्त्रों में कहा गया है कि, ईश्वर ने आपको जितना दिया है उतने में ही खुश रहना सीखिएं। जो लोग इससे संतुष्ट हो जाते हैं और दूसरों से तुलना नहीं करते वो सदैव खुश रहते हैं।

शिकायत करना करें बंद : दूसरों से किसी की शिकायतें करना कई लोगों का स्वभाव होता है। लेकिन शिकायतें करने से किसी भी चीज को पाया नहीं जा सकता है। यानी शिकायत करना किसी भी चीज का हल नहीं है। ऐसे स्वभाव वाले लोग अपने काम पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते हैं और यही उनके जीवन को नीरस बना देता है। खुश रहना है तो आपको आज से ही इस आदत का त्याग करना होगा।

न करें आलोचना : खुश रहने के लिए बेहद जरूरी है कि दूसरों की आचोलना करना बंद कर दीजिए। आलोचना करने वाले धीरे-धीरे अपनी खुशियों को नष्ट कर देते हैं। इसलिए सभी के साथ प्रेम पूर्वक और खुशमिजाज बनकर रहें।

चिंता करना : चिंता करना हर व्यक्ति का स्वभाव होता है, जोकि स्वाभाविक भी है। लेकिन अतीत में हुई घटनाओं को लेकर चिंता करना या भविष्य को लेकर हद से ज्यादा चिंतित रहना आपके लिए केवल समय की बर्बादी से अधिक कुछ भी नहीं। ऐसा करने से आप वर्तमान जीवन के खुशियों को भी खो देते हैं। इसलिए अतीत की चिंता छोड़ वर्तमान में खुश रहना सीखें।

शिल्पा शेट्टी की नई ड्रेस देख चकराया लोगों का दिमाग

एक्ट्रेस को बताया उर्फी की बहन...

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी बॉलीवुड की फिल्मों के साथ-साथ वेब सीरीज में भी अपनी एक्टिंग का जलवा दिखा रही है। अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा शिल्पा शेट्टी पर्सनल लाइफ को लेकर भी खूब चर्चा में रहती हैं। शिल्पा शेट्टी के नए-नए लुक सोशल मीडिया पर जमकर वायरल होते रहते हैं। शिल्पा शेट्टी के यूनिक लुक सोशल मीडिया पर खूब वायरल होते हैं। अब इन सब के बीच एक शिल्पा शेट्टी का एक ऐसा लुक सामने आया है, जिसे देखने के बाद शिल्पा शेट्टी की तुलना उर्फी जावेद से की जा रही है। तो चलिए जानते हैं शिल्पा शेट्टी के नए लुक में क्या खास है।

नए लुक में नजर आईं शिल्पा शेट्टी

एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी अभी हाल ही में अवॉर्ड शो में पहुंची थीं। इस इवेंट में पहुंचे के बाद शिल्पा शेट्टी सोशल मीडिया पर छा गई। इस अवॉर्ड शो से शिल्पा शेट्टी की एक वीडियो खूब वायरल हो रहा है। इस वीडियो में शिल्पा शेट्टी एकदम नए लुक में नजर आ रही हैं। शिल्पा शेट्टी ने एकदम अजीबोगरीब ड्रेस पहने दिखाई दीं। शिल्पा शेट्टी की इस ड्रेस को देखने के बाद लोग उन्हें देखते ही रह गए। शिल्पा शेट्टी की इस अजीबोगरीब ड्रेस में प्लास्टिक या रबड़ लगी हुई थी। जिसे देखने के बाद हर कोई हैरान हो गया। शिल्पा शेट्टी का ये नया लुक सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। शिल्पा शेट्टी इस वीडियो पर लोग जमकर कमेंट कर रहे हैं। पहले बिना देर किए शिल्पा शेट्टी का ये नया वीडियो देखते हैं, जो काफी चर्चा में हैं।

नागिन एक्ट्रेस आहना शर्मा ने करवाया बोल्ड फोटोशूट

एकता कपूर का पॉपुलर टीवी शो नागिन 5 से घर-घर में अपनी पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस आहना शर्मा अपने बोल्ड लुक से फैंस के दिलों पर कहर बरपाती रहती हैं। आहना शर्मा बोल्डनेस के मामले में टीवी से लेकर बॉलीवुड हसीनाओं तक को टक्कर देती हैं। आहना शर्मा बेहद खूबसूरत और बोल्ड हैं। इस बीच आहना शर्मा की कुछ तस्वीरें सामने आई हैं, जिनमें उन्होंने अपना टोंड फिगर दिखाया है।टीवी एक्ट्रेस आहना शर्मा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट को अपडेट करते हुए कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वो किसी अप्सरा से कम नहीं लग रही हैं।सामने आई इस तस्वीर में आहना शर्मा नागिन की तरह बलखा रही हैं। एक्ट्रेस का ये अंदाज देख फैंस के दिलों की धड़कनें बढ़ गई हैं। आहना शर्मा पर लोग फिदा हो गए हैं।इन तस्वीरों को देखकर ये साफ हो गया है कि आहना शर्मा ने क्वालिटी टाइम स्पेंड किया हैं। आहना शर्मा इन तस्वीरों में मौज-मस्ती करती नजर आ रही हैं।सामने आई इन तस्वीरों में आहना शर्मा कैमरे के सामने अलग-अलग पोज दे रही हैं। टीवी की नागिन आहना शर्मा का हर एक पोज इंटरनेट पर वायरल हो रहा है।टीवी की नागिन आहना शर्मा की अदाएं इतनी ज्यादा कातिलाना है कि हर कोई घायल हो गया है। आहना शर्मा की फोटोज पर लोग जमकर रिएक्ट करते हुए उनकी तारीफ कर रहे हैं।

उर्फी जावेद से बोल्डनेस में एक कदम आगे निकलीं श्वेता शर्मा

एक्ट्रेस का दीदार कर उतावले हुए फैंस

भोजपुरी एक्ट्रेस श्वेता शर्मा इन दिनों सोशल मीडिया पर चर्चा में बनी रहती हैं। इसी बीच श्वेता शर्मा का नया लुक सामने आया है। श्वेता शर्मा ने क्रॉप टॉप पहन अपनी बोल्ड फोटोज शेयर की हैं। इन फोटोज को श्वेता शर्मा के फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। श्वेता शर्मा की नई फोटोज आते ही सोशल मीडिया पर छा गई हैं। तो चलिए एक नजर डालते हैं श्वेता शर्मा की लेटेस्ट फोटोज पर जो सोशल मीडिया पर धमाल मचा रही हैं।श्वेता शर्मा इस तस्वीर में शॉर्ट ड्रेस पहने दिखाई दे रही हैं। श्वेता शर्मा का ये नया बोल्ड लुक सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। श्वेता शर्मा इस वायरल हो रही तस्वीर में बेहद हसीन लग रही हैं। श्वेता शर्मा की इस तस्वीर को उनके फैंस जमकर शेयर कर रहे हैं।श्वेता शर्मा इस तस्वीर में कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करती हुई दिखाई दीं। श्वेता शर्मा का कर्वी फिगर लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींच रहा है। श्वेता शर्मा इस तस्वीर में अपने टोन्ड लेग्स फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं। श्वेता शर्मा के टोन्ड लेग्स को देखने के बाद लोग देखते रह गए।श्वेता शर्मा इस तस्वीर में अपनी किलर अदाएं दिखाती हुई नजर आ रही हैं। श्वेता शर्मा की अदा पर फैंस फिदा हो गए। श्वेता शर्मा इस तस्वीर में किलर स्माइल पास करती हुई नजर आ रही हैं। श्वेता शर्मा की स्माइल ने लोगों को दीवाना बना दिया।श्वेता शर्मा इस तस्वीर में डीपनेक ड्रेस पहने दिखाई दे रही हैं। श्वेता शर्मा की डीपनेक ड्रेस लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींच रही है।

वरुण धवन-सामंथा रुथ प्रभु की वेब सीरीज का टाइटल होगा सिटाडेल हनी बनी

बॉलीवुड एक्टर वरुण धवन और साउथ एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु की वेब सीरीज 'सिटाडेल' जब से अनाउंस हुई तब से चर्चा में बनी हुई है। प्राइम वीडियो की इस वेब सीरीज को लेकर फैंस काफी ज्यादा एक्साइटेड हैं। प्राइम वीडियो ने बीते कुछ दिनों से लगातार सोशल मीडिया पर पोस्ट करके बताया कि 19 मार्च को बड़े अनाउंसमेंट होने वाले हैं। अब 19 मार्च को प्राइम वीडियो ने की अनाउंसमेंट किए हैं, जिसमें वरुण धवन और सामंथा रुथ प्रभु की वेब सीरीज का टाइटल अनाउंस किया है। वरुण धवन और सामंथा रुथ प्रभु की वेब सीरीज का टाइटल 'सिटाडेल हनी बनी' होगा। हालांकि, अभी इस वेब सीरीज की रिलीज डेट सामने नहीं आई है। आइए जानते हैं कि वेब सीरीज 'सिटाडेल हनी बनी' में वरुण धवन और सामंथा रुथ प्रभु के अलावा कौन नजर आएगा।

सिटाडेल हनी बनी से वरुण-सामंथा का फर्स्ट लुक आउट

प्राइम वीडियो ने 19 मार्च यानी मंगलवार को अपने इवेंट के दौरान तमाम वेब सीरीज और फिल्मों का अनाउंसमेंट किया है। इस इवेंट में वरुण धवन और सामंथा रुथ प्रभु की मोस्ट-अवेटेड वेब सीरीज के टाइटल का भी अनाउंसमेंट हो गया है। इन स्टार्स की वेब सीरीज का टाइटल 'सिटाडेल हनी बनी' होगा। राज और डीके के डायरेक्शन में बनने वाली वेब सीरीज 'सिटाडेल हनी बनी' से वरुण धवन और सामंथा रुथ प्रभु के फर्स्ट लुक पोस्टर भी सामने आए हैं, जिन्होंने लोगों का ध्यान खींचा है। वरुण धवन और सामंथा रुथ प्रभु हाथों में बंदूक और गन लिए नजर आ रहे हैं। दोनों स्टार्स काफी खतरनाक अंदाज में दिखाई दे रहे हैं।

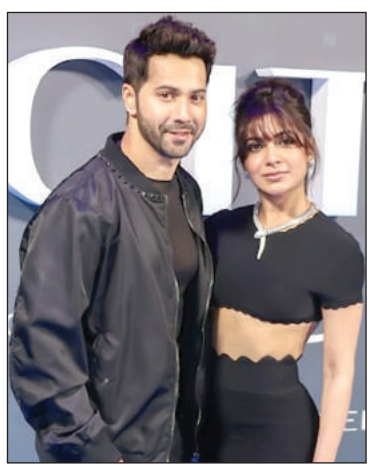

मल्होत्रा की इन 10 फिल्मों ने की बंपर कमाई

'योद्धा' की टॉप ओपनिंग वीकेंड मूवीज में हुई एंट्री

बॉलीवुड एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म 'योद्धा' को सिनेमाघरों में पहला वीकेंड पूरा हो चुका है। फिल्म 'योद्धा' ने पहले दिन में अच्छी कमाई कर ली है। फिल्म 'योद्धा' को अच्छा मिला है और ये सिद्धार्थ मल्होत्रा की टॉप 10 ओपनिंग वीकेंड मूवीज की लिस्ट में शामिल हो गई। आइए जानते हैं कि फिल्म 'योद्धा' को सिद्धार्थ मल्होत्रा की टॉप 10 ओपनिंग वीकेंड मूवीज की लिस्ट कौन सा नंबर मिला है। यहां पर आप सिद्धार्थ मल्होत्रा की टॉप 10 ओपनिंग मूवीज की लिस्ट देख सकते हैं।सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म 'ब्रदर्स' साल 2015 में आई थी। फिल्म 'ब्रदर्स' ने ओपनिंग वीकेंड पर 52।08 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था।सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म 'एक विलेन' ने फर्स्ट वीकेंड पर 50।70 करोड़ रुपये कमाए थे। फिल्म 'एक विलेन' साल 2014 में रिलीज थी।सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' साल 2012 में रिलीज हुई थी। सिद्धार्थ मल्होत्रा की इस फिल्म ने पहले वीकेंड पर 30।00 करोड़ रुपये कमाए थे।सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म 'थैंक गॉड' फर्स्ट वीकेंड पर 28।78 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। फिल्म 'थैंक गॉड' साल 2022 में हुई थी। सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म 'कपूर एंड संस' ने साल 2016 में रिलीज हुई थी। सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म 'योद्धा' 15 मार्च को रिलीज हुई थी। सिद्धार्थ मल्होत्रा की इस फिल्म ने ओपनिंग वीकेंड पर 17।51 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है।सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म 'इत्तेफाक' ने फर्स्ट वीकेंड पर 16।05 करोड़ रुपये की कमाई की।

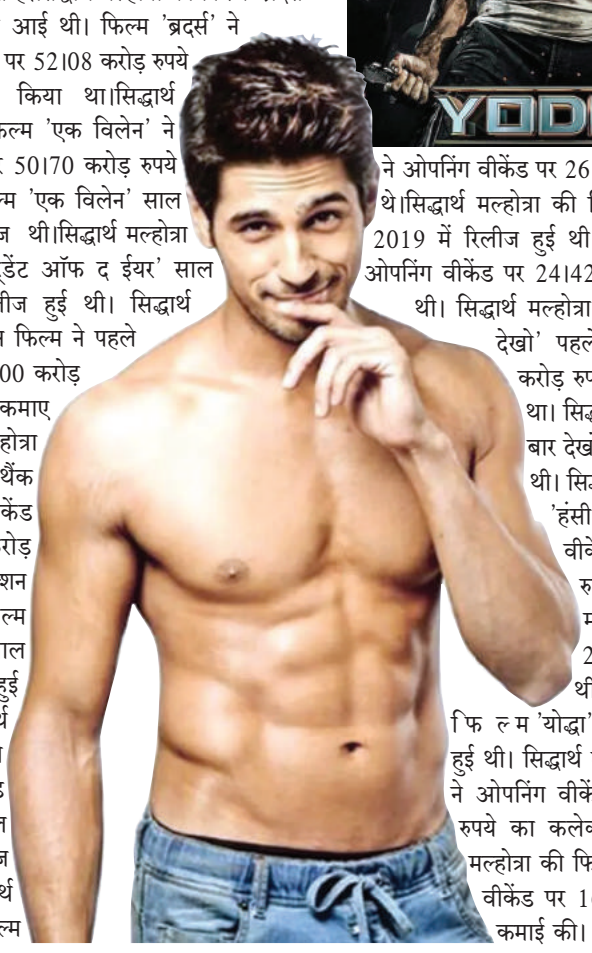

ने ओपनिंग वीकेंड पर 26।35 करोड़ रुपये कमाए थे।सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म 'मरजावां' साल 2019 में रिलीज हुई थी। फिल्म 'मरजावां' ने ओपनिंग वीकेंड पर 24।42 करोड़ रुपये की की थी। सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म 'बार-बार देखो' पहले वीकेंड पर 21।16 करोड़ रुपये की कलेक्शन किया था। सिद्धार्थ मल्होत्रा की 'बार-बार देखो' साल 2016 में आई थी। सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म 'हंसी तो फंसी' ओपनिंग वीकेंड पर 18।40 करोड़ रुपये कमाए थे। सिद्धार्थ मल्होत्रा की ये फिल्म 2014 रिलीज हुई थी।सिद्धार्थ मल्होत्रा की

ओह गुरु, हो जा शुरू, कमेंट्री करने लौटा शेर और शायरी का बादशाह नवजोत सिंह सिद्धू, आईपीएल का मजा होगा दोगुना

नई दिल्ली,19 मार्च (एजेंसियां) ।

भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू आईपीएल 2024 में अपनी आवाज का जादू बिखेरते हुए नजर आएंगे। 22 मार्च से शुरू होने वाले आईपीएल 2024 के लिए सिद्धू का नाम कमेंट्री पेनलिस्ट में शामिल है।

बता दें कि आगामी आईपीएल का उद्घाटन मुकाबला गत चैंपियन चेन्नई सुपरकिंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के बीच चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाएगा। आईपीएल के प्रसारणकर्ता स्टार स्पोर्ट्स ने सोशल मीडिया के जरिये नवजोत सिंह सिद्धू के कमेंट्री पैनल में जुड़ने की पुष्टि की।

एक बुद्धिमान व्यक्ति ने कहा, उम्मीद सबसे बड़ी तोप है। और यह बुद्धिमान महान नवजोत सिंह सिद्धू खुद, हमारे शानदार स्टारकास्ट से जुड़ेंगे। उनकी गजब कमेंट्री और शानदार एक लाइनर आप मिस न करें।

बता दें कि कमेंट्री से दूर रहने के समय सिद्धू विवादों में फंसे थे जब 2019 में उन्हें द कपिल शर्मा शो से बाहर किया गया था। वैसे, 60 साल के नवजोत सिंह सिद्धू ने 2001 में अपनी कमेंट्री के जरिये जलवा बिखेरा था।

उनके शेर और शायरी व वन-लाइनर लोगों को बहुत रास आए। क्रिकेट की बारीकी को मजेदार अंदाज में पेश करने की कला सिद्धू में रही, जिसके कारण उनकी फैन फॉलोइंग गजब की रही।

नवजोत सिंह सिद्धू अपने खेलने वाले दिनों में बेहद शांत स्वभाव के क्रिकेटर माने जाते थे, लेकिन कमेंट्री में आने के बाद उनका अलग अवतार लोगों ने देखा। सिद्धू की क्रिकेट की समझ और उसे पेश करने का अंदाज लोगों को एकदम अलग हटकर लगा। यही वजह रही कि नवजोत सिंह सिद्धू भारतीय शीर्ष कमेंटेटरों में से एक माने जाने लगे।

पता हो कि नवजोत सिंह सिद्धू का अंतरराष्ट्रीय करियर 15 साल का रहा। उन्होंने 1983 से 1998 तक भारतीय टीम को अपनी सेवाएं दी। इस दौरान सिद्धू ने 51 टेस्ट और 136 वनडे खेले। उन्होंने टेस्ट में 3203 और वनडे में 4413 रन बनाए। दाएं हाथ के बैटर ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में 15 शतक और 48 अर्धशतक भी जड़े।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय ओलंपिक संघ ने लिया बड़ा निर्णय, डब्ल्यूएफआई की तदर्थ समिति को किया भंग

नई दिल्ली । भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने बड़ा निर्णय लेते हुए भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) का दैनिक कार्य संभाल रही तदर्थ समिति को भंग करने का फैसला किया है। केंद्रीय खेल मंत्रालय ने कुछ दिनों पहले खेल संहिता के नियमों का उल्लंघन करने का हवाला देकर डब्ल्यूएफआई की नई कार्यकारी समिति को निलंबित किया था जिसके बाद आईओए ने डब्लयूएफआई के संचालन के लिए तदर्थ समिति का गठन किया था। यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) के निर्देश पर डब्ल्यूएफआई को इस खेल का पूर्ण प्रशासनिक नियंत्रण मिला है। आईओए का कहना है कि तदर्थ समिति ने डब्ल्यूएफआई के सहयोग से अगले महीने के ओलंपिक क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट के लिए चयन ट्रायल का सफल आयोजन किया था। तदर्थ समिति के नेतृत्व में पुरुष और महिला वर्ग के कुश्ती ट्रायल हाल ही में संपन्न हुए थे। पुरुषों में जहां बजरंग को हार का सामना करना पड़ा था, वहीं महिला वर्ग में ड्रामा के बाद विनेश फोगाट 50 किग्रा वर्ग में जीत दर्ज करने में सफल रही थीं। ट्रायल के खत्म होने के बाद कुश्ती महासंघ की बागडोर डब्ल्यूएफआई को सौंपी गई है। आईओए ने 10 मार्च को जारी अपने आदेश में कहा, दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश पर तदर्थ समिति को भंग करने का फैसला डूब्ल्यूडब्ल्यू द्वारा डब्ल्यूएफआई पर लगे प्रतिबंध को हटाने के लिए लिया गया। आईओए ने दिया सुरक्षा समिति बनाने का निर्देश आईओए ने यौन उत्पीड़न और नियमों के पालन जैसे मुद्दों की चिंताओं को दूर करने के लिए डब्ल्यूएआई को एक सुरक्षा समिति बनाने का निर्देश दिया है। आईओए के फैसले से खुश हुए संजय सिंह डब्ल्यूएफआई के अध्यक्ष संजय सिंह इस फैसले से काफी खुश हैं और उन्होंने भारतीय ओलंपिक संघ को धन्यवाद दिया। संजय का कहना है कि चुनाव में जीत दर्ज करने वाली समिति को राष्ट्रीय महासंघ के संचालन का जिम्मा देने के लिए आईओए बधाई का पात्र है। हम आईओए को हमें डब्ल्यूएफआई का पूर्ण प्रशासनिक नियंत्रण देने पर धन्यवाद देते हैं। हम पहलवानों को सभी तरह की सुविधाएं देंगे। हम जल्द ही राष्ट्रीय शिविर आयोजित करेंगे और अगर पहलवान विदेश में ट्रेनिंग करना चाहते हैं तो इसकी सुविधा भी मुहैया कराएंगे।

अमेरिका में दोस्ताना मुकाबलों से पहले अर्जेंटीना को लगा बड़ा झटका, मेसी चोटिल होकर हुए बाहर

नई दिल्ली । लियोनेल मेसी आधिकारिक तौर पर संयुक्त राज्य अमेरिका में अल सल्वाडोर और कोस्टा रिका के खिलाफ अर्जेंटीना के दोस्ताना मैचों से बाहर हो गए हैं। अर्जेंटीना फुटबॉल संघ (एएफए) ने मेसी की हैमस्ट्रिंग चोट के संबंध में एक बयान जारी किया है जिसने उन्हें आगामी दो प्रतियोगिताओं से बाहर कर दिया है। आठ बार के बैलन डीओर विजेता मेसी अल सल्वाडोर के खिलाफ फिलेडेल्फिया में और उसके बाद 26 मार्च को लॉस एंजिल्स में कोस्टा रिका के खिलाफ मुकाबले को मिस करेंगे। उनके क्लब इंटर मियामी और अर्जेंटीना दोनों उनके साथ कोई जोखिम नहीं लेना चाहते हैं। दोनों मैच जून-जुलाई में कोपा अमेरिका के लिए अर्जेंटीना की तैयारियों को लेकर वार्मअप मैच हैं। कोपा अमेरिका भी इस साल अमेरिका में ही खेला जाएगा। मेसी पिछले डीसी यूनाइटेड के खिलाफ मियामी के हालिया एमएलएस मैच से भी चूक गए थे। अर्जेंटीना महासंघ ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, अर्जेन्टीना के कप्तान लियोनेल मेस्सी अमेरिका में दोस्ताना मैचों के लिए टीम में नहीं होंगे क्योंकि उनके दाहिने पैर की मांसपेशियों में मामूली चोट लगी है। अर्जेंटीना के कप्तान अभी भी एक पुरानी हैमस्ट्रिंग चोट से उबर रहे हैं, जिसे उन्होंने पिछले हफ्ते नैशविले के खिलाफ कॉनकाकैफ चैंपियंस कप मैच के दौरान लगी थी। उस मैच में इंटर मियामी 3-1 से विजयी हुआ और मेसी ने एक गोल किया था। उन्हें नैशविले पर जीत में आधे समय के बाद सब्स्टिट्यूट किया गया था और वॉशिंगटन में डीसी यूनाइटेड पर मियामी की जीत से चूक गए। उनकी अनुपस्थिति में बार्सिलोना के पूर्व स्ट्राइकर लुइस सुआरेज ने दो गोल दागकर मियामी को जीत दिलाने की जिम्मेदारी खुद पर ली थी। मियामी के कोच गेरार्डो मार्टिनो ने वॉशिंगटन पर अपनी टीम की जीत के बाद संकेत दिए थे कि मेसी मार्च में होने वाले अंतरराष्टीय मैचों में नहीं खेल पाएंगे और टीम यह सुनिश्चित करना चाहती है कि वह अगले महीने होने वाले कॉनकाकैफ चैम्पियंस कप क्वार्टर फाइनल के लिए फिट हो जाएं। मार्टिनो ने कहा था, यह साफ है कि उन्हें कॉनकाकैफ चैम्पियंस कप के क्वार्टर फाइनल में खेलना है और वह भी इसी का लक्ष्य रख रहे हैं।

वह शीर्ष जेवलिन थ्रोअर हैं..., पाक के नदीम का भाला टूटा तो नीरज ने नए को लेकर दी यह सलाह

नई दिल्ली,19 मार्च (एजेंसियां) ।

भारत के नीरज चोपड़ा और पाकिस्तान के अरशद नदीम भालाफेंक की दुनिया के स्टार एथलीट हैं। हालांकि, किसी किसी इवेंट में दोनों की दोस्ती भी देखने को मिल जाती है। मौका मिलने पर नीरज नदीम की मदद करने से कभी नहीं थकते हैं। चाहे वह टोक्यो ओलंपिक हो या फिर विश्व चैंपियनशिप नीरज को नदीम से हाथ मिलाते और गले मिलते देखा गया था। दोनों ही टूर्नामेंट के इतर अपनी खुशमिजाजी और सौहार्द के लिए जाने जाते हैं। दोनों मैदान में भयंकर प्रतियोगी हो सकते हैं, लेकिन एक-दूसरे के लिए अपने मन में सम्मान रखते हैं।

अरशद नदीम और नीरज चोपड़ा दोनों आगामी सीजन के लिए तैयारी कर रहे हैं। चोपड़ा इस समय तुर्किये में ट्रेनिंग कर रहे हैं, जबकि 27 वर्षीय नदीम की तैयारियों में रोड़ा अटक गया है। पाकिस्तानी खिलाड़ी ने हाल ही में कहा था कि वह कई वर्षों से अंतरराष्ट्रीय स्तर का भाला लेने के लिए संघर्ष कर रहे हैं और पिछले सात से आठ साल से पुराने का ही इस्तेमाल कर रहे हैं। हालांकि, नीरज यह सुनकर हैरान हैं।

पिछले साल बुडापेस्ट में विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में नदीम को पीछे छोड़ स्वर्ण जीतने वाले नीरज ने हाल ही में साई मीडिया के साथ एक विशेष बातचीत में कहा, यह विश्वास करना कठिन है कि वह एक नया भाला हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उनकी साख को देखते हुए, यह एक बड़ा मुद्दा नहीं होना चाहिए। बुडापेस्ट विश्व चैंपियनशिप में नीरज के बाद दूसरे स्थान पर रहने वाले अरशद नदीम ने हाल ही में मीडिया से कहा था, मेरा भाला टूट गया है और मैंने राष्ट्रीय महासंघ और मेरे कोच से पेरिस ओलंपिक से पहले इसके बारे में कुछ करने के लिए कहा है।

नदीम ने कहा, जब मैंने 2015 में शुरुआत की थी, तभी मुझे अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट्स में हिस्सा लेने के लिए मुझे यह भाला मिला था। ओलंपिक खेलों में पदक जीतने का लक्ष्य रखने वाले एक

अंतरराष्ट्रीय एथलीट के लिए आपको उचित उपकरण और प्रशिक्षण सुविधाओं को मुहैया कराने की आवश्यकता होती है। नीरज के पूरे प्रशिक्षण और अंतरराष्ट्रीय दौरों का खर्च भारतीय खेल मंत्रालय की टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम द्वारा दिया जाता है। उन्हें लगता है कि नदीम पाकिस्तान का गौरव हैं और उनका समर्थन किया जाना चाहिए।

90.18 मीटर थ्रो के साथ अरशद नदीम ने बर्मिंघम में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में शीर्ष स्थान हासिल किया था। साथ ही एक नया भाला फेंक रिकॉर्ड बनाया था। इसके साथ ही राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के पाकिस्तान का 60 साल का इंतजार खत्म हुआ।

उन्होंने कहा, ऐसा नहीं हो सकता कि उनके (अरशद) पास भाला खरीदने का साधन नहीं है। वह एक चैंपियन हैं और कुछ ब्रांड एंडोर्समेंट तो कर रहे होंगे। मुझे लगता है कि उन्होंने अगर थोड़ा पैसा भी कमाया है तो उसे इस्तेमाल करें। हां, लेकिन उनकी सरकार अरशद की जरूरतों को देख सकती है और उनका समर्थन कर सकती है जैसे मेरी सरकार कर रही है।

नीरज ने कहा, इसके अलावा अरशद एक शीर्ष भाला फेंकने वाला खिलाड़ी है और मुझे विश्वास है कि भाला निर्माता उन्हें स्पॉन्सरकरने और उन्हें भाला देने से अधिक खुश होंगे, जो भी वह चाहते हैं। यह मेरी तरफ से सलाह है बस। अगर सब कुछ ठीक रहा तो आगामी पेरिस ओलंपिक में भाला फेंक में एशिया के एथलीट्स उपलब्धि हासिल करते हुए दिख सकते हैं। नीरज के अलाव भारत की ओर से किशोर जेना अगुआई करते दिखेंगे।

टोक्यो ओलंपिक में पांचवें स्थान पर रहे नदीम पेरिस में 90 मीटर से अधिक की थ्रो को दोहराने की कोशिश में होंगे और आमतौर पर यूरोपीय लोगों के वर्चस्व वाले इस खेल में गंभीर खतरा पैदा करेंगे। दिसंबर 2022 में नदीम का यूके में कोहनी का ऑपरेशन हुआ था। पिछले साल नदीम ने घुटने का ऑपरेशन कराया था और हांगझोऊ एशियाई खेलों में भाग नहीं लिया था, जिसमें नीरज ने स्वर्ण पदक जीता था। आउटडोर भाला फेंक का सत्र मई में डायमंड लीग के दोहा चरण से शुरू होगा।

कोहली की जबरा फैन ने रचा दिया इतिहास चर्चा में श्रेयांका

नई दिल्ली,19 मार्च ।

रॉयल चैलेजर्स बेंगलोर (आरसीबी) पर आखिर भाग्य मुस्कुराया और टीम चैंपियन बन गई। डब्ल्यूपीएल के फाइनल में आरसीबी ने दिल्ली कैपिटल्स को 8 विकेट से हराकर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। टीम की एलिस पैरी जहां सर्वाधिक 331 रन बनाकर ऑरेंज कैप होल्डर बनीं, जबकि 21 साल की श्रेयांका पाटिल ने पर्पल कैप (8 मैच में 13 विकेट, औसत 12.08) के साथ एमर्जिंग प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी बनकर अपने रुतबे को बढ़ाया। फाइनल में श्रेयांका ने 3.3 ओवर में 12 रन देकर चार विकेट लिए जिसमें विपक्षी कप्तान और टूर्नामेंट की नंबर 2 टॉप स्कोरर मेग लेनिंग का विकेट शामिल था। सिलिकॉन वैली की श्रेयांका को इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किए तीन माह ही हुए हैं, लेकिन अपने दमदार प्रदर्शन से उन्होंने 'लंबी पारी' खेलने का संकेत दिया है। दाएं हाथ की ऑफ स्पिनर और बैटर ने दो वनडे इंटरनेशनल में चार और छह टी20आई में आठ विकेट हासिल किए हैं। महज 10 लाख रुपये में आरसीबी से जुड़ीं श्रेयांका ने पहले सेशन में ही छह विकेट और अच्छे स्ट्राइक रेट से 62 रन बनाकर चमक दिखा दी थी। अपने दूसरे डब्ल्यूपीएल में आरसीबी को चैंपियन बनाने में अहम योगदान देने वाली श्रेयांका की नेटवर्थ करीब 35 लाख रुपये आंकी गई है। विमेंस कैरेबियन प्रीमियर लीग में भाग लेने वाली श्रेयांका भारत की पहली भारतीय महिला क्रिकेटर हैं। उन्होंने ऐसी पहली भारतीय खिलाड़ी बनकर इतिहास रचा है। जिसे इंटरनेशनल क्रिकेट में एंट्री से पहले ही किसी विदेशी लीग में करार की पेशकश की गई। 2023 के विमेंस कैरेबियन प्रीमियर लीग सीजन में श्रेयांका ने गुयाना अमेजन वारियर्स की ओर से खेलकर 5 मैच में 9 विकेट लिए थे और वे टूर्नामेंट की सबसे अधिक विकेट लेने वाली बॉलर थीं। 31 जुलाई 2002 को जन्मी श्रेयांका की वैसे बचपन से क्रिकेट में रुचि थी लेकिन आईपीएल देखने और विराट कोहली से मिलने के बाद उन्होंने इसमें करियर बनाने के बारे में गंभीरता से सोचा। श्रेयांका के पिता राजेश पाटिल बिजनेसमैन हैं।

चोट के कारण आईपीएल से बाहर हुआ रांची का क्रिस गेल, गुजरात टाइटंस ने मोटी रकम देकर खरीदा था

रांची,19 मार्च (एजेंसियां) ।

आईपीएल 2024 का संस्करण 22 मार्च से शुरू हो रहा है। इस लेकर पहले चरण का शेड्यूल भी जारी कर दिया गया है। सभी टीमें प्लेईंग 11 को लेकर अपनी रणनीति बनाने में जुटी हैं। वहीं झारखंड के ट्राइबल क्रिकेटर रॉबिन मिंज आईपीएल 2024 के पहले चरण से बाहर हो गए हैं। दरअसल रांची के रहने वाले और रॉबिन मिंज अपने शहर रांची में ही 3 मार्च को बाइक से गिरने की वजह से चोटिल हो गए थे।

इसकारण उनके पैर और कंधे में चोट लगी थी। हालांकि चोट के बाद रोबिन अपनी टीम गुजरात टाइटंस में शामिल हो गए थे, लेकिन प्रैक्टिस के दौरान उनकी चोट उभर कर सामने आने लगी। जांच के बाद अब रोबिन के आईपीएल के पहले चरण से बाहर होने की खबरें आने लगी, हालांकि बताया जा रहा है की रॉबिन आईपीएल 2024 के पूरे संस्करण में नहीं खेल पाएंगे।बता दें कि रॉबिन को गुजरात टाइटंस ने नीलामी के दौरान 3.60 करोड़ में खरीदा था।

हालांकि कुछ दिन पहले ही गुजरात टाइटंस के कोच आशीष नेहरा का बयान खूब वायरल हो रहा था जिसमें उन्होंने रोबिन के आईपीएल से बाहर होने की खबरों की पुष्टि की थी। दरअसल छक्के लगाने में माहिर रॉबिन के आईपीएल से बाहर होने से उनके

झारखंड के फैंस बेहद मायूस हैं, क्योंकि इन सभी को उम्मीद थी कि आईपीएल में रॉबिन के बल्ले का जादू उन्हें देखने को मिलेगा।

रॉबिन विकेटकीपर होने के साथ-साथ बांए हाथ के बल्लेबाज हैं। इतना ही नहीं धोनी भी उनकी बल्लेबाजी की जमकर तारीफ कर चुके हैं। रॉबिन को रांची का क्रिस गेल कहा जाता है। क्योंकि मैदान पर छक्के लगाना उन्हें बेहद पसंद है। रोबिन के पिता रांची एयरपोर्ट पर सिक्योरिटी गार्ड का काम करते हैं।

गणपति के आगे नतमस्तक हुए दिग्गज बॉक्सर फ्लॉयड मेवेदर, मुंबई के सिद्धिविनायक मंदिर में की पूजा-अर्चना

मुंबई,19 मार्च (एजेंसियां) ।

दुनिया के बेहतरीन और दिग्गज मुक्केबाजों में शुमार फ्लॉयड मेवेदर जूनियर फिलहाल भारत के यात्रा पर हैं। उन्होंने मुंबई के प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर में पूजा-अर्चना की। इतना ही नहीं उन्होंने वहां फल और शॉल भी भगवान को चढ़ाया। इसके बाद पंडितों ने उन्हें प्रसाद की एक टोकरी दी और साथ ही शॉल उनके गले में लपेट दिया। मेवेदर ने गणपति बप्पा के दरबार में सिर झुकाकर प्रणाम किया।

भारत आकर काफी उत्साहित हैं मेवेदर

मेवेदर भारत आकर काफी उत्साहित हैं और उन्होंने कहा था कि वह इस साल भारत में एक प्रदर्शन मुकाबला खेलना चाहते हैं। 47 साल के मेवेदर ने देश विदेश में मुक्केबाजी में कई रिकॉर्ड बनाए हैं। प्रोफेशनल बॉक्सिंग में उनका रिकॉर्ड शानदार रहा है। उनका रिकॉर्ड फिलहाल 50-0 का है। इसमें से 27 मुकाबले नॉकआउट के रहे हैं। भारत में खेलने की इच्छा जता चुके हैं मेवेदर भारत में खेलने की अपनी इच्छा को लेकर मेवेदर ने कहा- बेशक यह

संभव है। हम एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी की तलाश कर रहे हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या वह एक भारतीय मुक्केबाज से भिड़ने को तैयार हैं उन्होंने कहा- मेरी टीम है। वह अपना काम कर रही है। इसमें समय लगेगा, लेकिन हम सर्वश्रेष्ठ प्रतिद्वंद्वी चुनेंगे। हम नहीं जानते कि प्रतिद्वंद्वी भारत से होगा या किसी और देश से। कई खिताब जीत चुके हैं मेवेदर अमेरिका के रहने वाले मेवेदर के नाम 15 विश्व चैंपियनशिप खिताब और लाइनियल चैंपियनशिप खिताब हैं। उन्होंने 2017 में संन्यास लिया था और इसके बाद वह कई प्रदर्शन मैच खेल चुके हैं। उन्होंने 1996 ओलंपिक में फेदरवेट वर्ग में कांस्य पदक जीता। उन्होंने तीन बार अमेरिकी गोल्डन ग्लव्स खिताब जीते (लाइट फ्लाईवेट, फ्लाईवेट और फेदरवेट में)। मेवेदर अपनी गति, सहनशक्ति, रक्षा और अपनी शानदार योजना के लिए जाने जाते हैं। 2017 में उन्होंने प्रदर्शन मैच में रिंग में वापसी की थी ।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

फिर सक्रिय हो रही ...

माओवादियों की तेलंगाना स्टेट कमेटी की गतिविधियों का पता लगा था। दीपक राव के खिलाफ हाल ही में हैदराबाद में अभियोग पत्र दाखिल किया गया था। उसे 15 सितंबर 2023 को केपीएचबी में मलेशियाई टाउनशिप क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया था। उस समय उसके कब्जे से गोला-बारूद के साथ एक रिवॉल्वर, कई जाली आधार कार्ड, एक लैपटॉप और नकदी भी जब्त की गई थी। इस साल तीन जनवरी को एनआईए ने इस मामले की जांच अपने हाथ में ली। तब पता चला कि संजय दीपक राव मूल रूप से महाराष्ट्र के ठाणे जिले का रहने वाला है। एनआईए को उससे सुराग मिला कि माओवादी तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र के जंगलों में अपनी गतिविधियां चला रहे हैं। केंद्र सरकार द्वारा नक्सल गतिविधियों पर की गई सख्ती के कारण बिखरे नक्सली एक बार फिर खास तौर पर तेलंगाना, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और कर्नाटक में अपनी ताकत जुटाने में लगे हैं।

जांच में पता चला कि माओवादी कैडर नए सिरे से आतंक और हिंसा को अंजाम देने की तैयारियों में जुटे हैं। लोकसभा चुनाव को निशाना बनाना माओवादियों का टार्गेट है। एक व्यवस्थित प्रक्रिया से सीपीआई (माओवादी) में शामिल होने के लिए युवकों को भर्ती किया जा रहा है और घने जंगों में प्रशिक्षित किया जा रहा है। हथियारों और गोला-बारूद की खरीद सहित प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन की गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए धन भी जुटाया जा रहा है।

पीएफआई से हो चुकी है ...

सैन्य मामलों के प्रभारी टिप्पीरी तिरुपति उर्फ चेतन और वरिष्ठ नेता ऊके गणेश में से कोई एक अमूत के नाम से बाहरी धरातल पर सक्रिय है। सुरक्षा एजेंसियां सरगर्मी से उसकी तलाश में हैं।खुफिया विभाग के अधिकारी ने कहा कि तेलंगाना के माओवादियों के नेपाल, बांग्लादेश, म्यांमार, श्रीलंका, फिलीपींस, जर्मनी, फ्रांस, तुर्की, इटली और अन्य देशों में सक्रिय वाम संगठनों के साथ संबंधों की पुष्टि हो चुकी है। इसके भी सबूत मिल चुके हैं कि तेलंगाना स्टेट कमेटी के कैडरों को चीन और फिलीपींस के अतिवामपंथी कडरों द्वारा तेलंगाना-छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र के जंगलों में सशस्त्र प्रशिक्षण दिया गया था।

अब दक्षिण ने ...

प्रधानमंत्री ने कहा डीएमके और कांग्रेस का विपक्षी गठबंधन किसी अन्य धर्म का अपमान नहीं करता, किसी और धर्म के खिलाफ इनकी जुबान से एक शब्द नहीं निकलता, लेकिन हिंदू धर्म को गाली देने में ये एक सेकंड नहीं लगाते। हिंदू धर्म में शक्ति का मतलब होता है मातृ शक्ति, नारी शक्ति..लेकिन विपक्षी गठबंधन की कांग्रेस और डीएमके कह रही हैं कि वे शक्ति को तबाह करेंगे।

मोदी, देश की नारी शक्ति की हर परेशानी के आगे ढाल बनकर खड़ा है। इसके बाद पीएम मोदी ने नारी शक्ति के लिए शुरू की गईं अपनी सरकार की योजनाओं का जिक्र किया।

इस मुलाकात...

ऐसा माना जा रहा है कि एनडीए में राज ठाकरे की एमएनएस की एंट्री हो सकती है।

भाजपा उन्हें शिंदे की शिवसेना कोटे से एक सीट की पेशकश कर सकती है। राज ठाकरे एनडीए से दो सीटों की मंग कर रहे हैं।

भाजपा नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन ने इस बार महाराष्ट्र की 48 में से 45 प्लस लोकसभा सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। वहीं केंद्र में एनडीए का 400 से ज्यादाऔर भाजपा के अकेले का 370 से ज्यादा सीटें जीतने का लक्ष्य है।

लाभ-हानि के...

इसके अलावा राज ठाकरे भाजपा के साथ मिलकर बीएमसी के चुनाव में अपनी मजबूत दावेदारी की जमीन तैयार कर रहे हैं।

महाराष्ट्र की सियासत में चर्चा इस बात की सबसे ज्यादा हो रही है कि आखिर राज ठाकरे और भारतीय जनता पार्टी का गठबंधन किस आधार पर आगे बढ़ रहा है। भारतीय जनता पार्टी का राज ठाकरे के साथ गठबंधन मराठी वोटरों में एक मनोवैज्ञानिक दबाव बनाने के लिए महत्वपूर्ण माना जा सकता है। 2014 के लोकसभा चुनाव में राज ठाकरे को तकरीबन डेढ़ फीसदी वोट मिले थे। जबकि उसी साल विधानसभा के चुनावों में तीन फीसदी वोट मिले थे।

हिमांशु कहते हैं कि उसके बाद राज ठाकरे की पार्टी का परफॉर्मेंस उतना अच्छा नहीं रहा।ऐसे में यह कहना कि महाराष्ट्र में राज ठाकरे भाजपा के लिए मजबूरी हैं, पूरी तरह से गलत होगा। राज ठाकरे के साथ भारतीय जनता पार्टी के जुड़ने से मनोवैज्ञानिक तौर पर मराठा वोटबैंक में भारतीय जनता पार्टी अपना एक असर तो छोड़ेगी। मराठी वोटरों को अपने साथ जोड़ने के लिए भारतीय जनता पार्टी के पास एकनाथ शिंदे जैसे नेता और उनकी पार्टी के विधायक समेत अजीत पवार का फिलहाल मजबूत साथ बना हुआ है। इसलिए राज ठाकरे भारतीय जनता पार्टी के लिए मराठी वोट बैंक को जोड़ने के लिए लिहाज से बड़ी मजबूरी बिल्कुल नहीं हैं।मनोवैज्ञानिक तौर से मनसे से जुड़कर भारतीय जनता पार्टी एक बड़ा संदेश इस गठबंधन के माध्यम से मराठी वोटरों को दे सकती है। लेकिन सही मायनों में यह गठबंधन होने वाले बीएमसी चुनावों में राज ठाकरे को फायदा पहुंचा सकता है।

बीते कुछ चुनावों में राज ठाकरे का सियासी सफर 2009 की तुलना में बहुत नीचे गया है। ऐसे में भाजपा से ज्यादा राज ठाकरे को अपने राजनीतिक दल और सियासी सफर की चिंता है। यह गठबंधन राज ठाकरे को बीएमसी जैसे चुनाव में एक बूस्टर डोज जैसा हो सकता है।

आंकड़ों के मुताबिक 2019 में हुए विधानसभा चुनाव में राज ठाकरे ने 101 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे। इस चुनाव में महज एक प्रत्याशी ही चुनाव जीता था। जबकि इसी विधानसभा चुनाव में पार्टी के 86 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई थी। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक मनसे को इस चुनाव में तकरीबन सब दो फीसदी वोट मिले थे।

सेना के मेजर...

वायुसेना के अधिकारी ने बताया कि वायुसेना के लड़ाकू विमान सुखोई-30, हॉक फाइटर्स और परिवहन विमान एन-32 और डॉर्नियर विमान सफलतापूर्वक राजमार्ग पर बनी हवाई पट्टी पर उतरे और बाद में वहां से उड़ान भी भरी।

यूपी की 80 सीटों पर नारी शक्ति देगी आशीर्वाद

यूपी में 7.17 करोड़ से अधिक महिला मतदाता

लखनऊ, 19 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की आधी आबादी हर बार की तरह इस बार भी चुनावों में बड़ा फैक्टर साबित होने जा रही है। सभी पार्टियां आधी आबादी को लुभाने में लगी हुई हैं, लेकिन यदि पिछले कुछ चुनावों में वोटिंग पैटर्न पर नजर डालें तो आधी आबादी का रुझान पीएम मोदी और सीएम योगी के समर्थन में रहा है। 2014 से आए इस बदलाव में 2017 के बाद और मजबूती आई है। विगत 7 वर्षों में डबल इंजन सरकार ने महिला केंद्रित योजनाओं को आगे बढ़ाकर आधी आबादी को और सशक्त किया है। योगी सरकार प्रदेश में बेटियों के जन्म से लेकर उनकी शिक्षा और विवाह तक के लिए योजनाएं चला रही है। वहीं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए भी कई तरह की योजनाओं का लाभ प्रदान किया जा रहा है। प्रदेश में लॉ एंड ऑर्डर की बेहतर स्थिति के चलते महिलाएं अब बिना भय के जीवनयापन कर पा रही हैं। राज्य की महिला श्रम बल में भागीदारी दर 32.10 प्रतिशत पहुंच चुकी है। सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के साथ ही आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहीं महिलाएं इस बार 80 में 80 सीटें जीतने के पीएम मोदी के संकल्प को पूरा करने में अहम भूमिका निभा सकती हैं। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में कुल मतदाताओं की संख्या 15.34 करोड़ है, जिसमें महिला मतदाताओं की संख्या 7.17 करोड़ है, जो डिसाइडिंग फैक्टर साबित हो सकता है।

महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन सुनिश्चित करने के सीएम योगी के संकल्प के साथ ही किए गए प्रयासों के सकारात्मक नतीजे सामने आए हैं। पीरियॉडिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) की रिपोर्ट के अनुसार, राज्य की महिला श्रम बल में भागीदारी दर 2017-18 में 14.2 प्रतिशत से बढ़कर 2022-23 में 32.10 प्रतिशत हो गई।

रिपोर्ट में कहा गया है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य में महिलाओं के उत्थान के लिए समर्पित प्रयास किए गए, जिसके परिणामस्वरूप यह वृद्धि हुई है। पिछले 7 वर्ष में योगी सरकार की नीतियों को देखें तो महिला सशक्तिकरण शीर्ष प्राथमिकता के रूप में साफ दिखाई देता है। रोजगार के लिए जो योजनाएं शुरू की गईं, उसमें महिलाओं को बराबर का भागीदार बनाया जा रहा है। मुद्रा योजना गांव-गांव में, गरीब परिवारों से भी नई-नई महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित कर रही है। इस योजना के तहत पूरे देश मिले कुल ऋण में से लगभग 70 प्रतिशत महिलाओं को दिए गए हैं। दीनदयाल अंत्योदय योजना के जरिए भी देश भर में महिलाओं को सेल्फ हेल्प ग्रुप्स और ग्रामीण संगठनों से जोड़ा जा रहा है। राष्ट्रीय आजीविका मिशन के तहत 2014 से पहले के 5 वर्षों में जितनी मदद दी गई, बीते 7 साल में उसमें लगभग 13 गुणा बढ़ोतरी की गई है। हर सेल्फ हेल्प ग्रुप को पहले जहां 10 लाख रुपए तक का बिना गारंटी का ऋण मिलता था, अब ये सीमा भी दोगुनी यानि 20 लाख की गई है। राज्य में

80 हजार राशन दुकानों में महिला स्वयं सहायता समूह की अहम भूमिका है।

महिलाओं और बच्चों से जुड़े अपराध में सजा दिलाने में यूपी पूरे देश में सर्वश्रेष्ठ प्रदेश बनकर उभरा है। महिलाएं रात की पाली में भी काम कर सकें, इसके लिए नियमों को आसान बनाने का काम सरकार ने किया। खदानों में महिलाओं के काम करने पर जो कुछ बंदिश थी, वो सरकार ने हटाई है। देशभर के सैनिक स्कूलों के दरवाजे, लड़कियों के लिए खोल देने का काम भी ऐतिहासिक है। बलात्कार जैसे संगीन अपराधों की त्वरित सुनवाई के लिए योगी सरकार ने 218 फास्ट ट्रैक कोर्ट्स स्थापित किए हैं। बालिकाओं को शिक्षा के अवसर प्रदान करने के लिए संचालित मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के तहत सहायता राशि 15 हजार से बढ़ाकर 25 हजार कर दी गई है। योजना से अब तक 18.66 लाख बेटियां लाभान्वित हुई हैं। निर्धन परिवारों की बेटियों की शादी के लिए मुख्यमंत्री सामूहिक योजना संचालित है। इसके अंतर्गत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक, अन्य पिछड़ा वर्ग के साथ ही सामान्य वर्ग के निर्धन परिवार भी आवेदन कर सकते हैं। योजना का लाभ विधवा और तलाकशुदा भी उठा सकती हैं। एक जोड़े के विवाह पर कुल 51 हजार की धनराशि की व्यवस्था है। योजना के तहत अब तक 3.50 लाख जोड़ों का विवाह सम्पन्न कराया जा चुका है। निराश्रित महिला को प्रति लाभार्थी 1000 रुपए प्रतिमाह पेंशन दी जा रही है। वर्तमान में 32.71 लाख निराश्रित महिलाओं पेंशन दी जा रही है।

जघन्य अपराधों से पीड़ित महिलाओं/बालिकाओं को आर्थिक सहायता हेतु कोष की स्थापना की गई है। इसके अंतर्गत 7,105 महिलाओं/बालिकाओं को क्षतिपूर्ति धनराशि प्रदान की गई है। महिलाओं को संगठित, सशक्त, स्वावलंबी एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए 8.37 लाख स्वयं सहायता समूहों का गठन करते हुए ग्रामीण क्षेत्र के परिवारों की 1 करोड़ से अधिक महिलाओं को आच्छादित किया गया है। महिला स्वयं सहायता समूहों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत 1,840 उचित मूल्य की दुकानों का आवंटन किया गया है। आंगनवाड़ी केंद्रों पर वितरित होने वाला पोषाहार अब स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार किया जा रहा है। योगी सरकार की बैंकिंग कॉरस्पॉन्डेंट सखी योजना वित्तीय समावेशन का मॉडल बनकर उभरी है। प्रदेश की सभी 57 हजार ग्राम पंचायतों में विभिन्न बैंकों के माध्यम से बीसी सखी को पदस्थापित करने की प्रक्रिया चल रही है।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत प्रदेश में 1.75 करोड़ परिवारों को मुफ्त गैस कनेक्शन दिया जा चुका है। होली व दीपावली में नि:शुल्क एलपीजी सिलेंडर दिया गया है। वहीं, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत अभी तक प्रदेश में 55.83 लाख आवास निर्मित किए गए हैं। इनमें अधिकांश आवास मातृशक्ति के नाम आंवटित किए गए हैं। पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत प्रदेश में अब तक 17 लाख स्ट्रीट वेंडर्स को ऋण वितरित किया जा चुका है। इनमें 2 लाख से अधिक महिलाओं को ऋण दिया गया है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत प्रदेश में अब तक 2.61 करोड़ शौचालयों (इज्जतघर) का निर्माण कराया जा चुका है। इसके अतिरिक्त नगरीय निकायों में 4,500 पिंक शौचालय निर्मित कराए गए हैं। प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना (घरौनी) के तहत अब तक 66.59 लाख लाभार्थियों/महिलाओं को स्वामित्व प्रमाण पत्र प्रदान किया जा चुका है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के माध्यम से अब तक 54.44 लाख गर्भवती और स्तनपान कराने वाली माताओं को आर्थिक सहायता दी जा चुकी है। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना में 1 करोड़ 90 लाख महिलाओं एवं बालिकाओं को जागरूक किया गया है।

उत्तर प्रदेश में महिला मतदाताओं की भागीदारी लगातार बढ़ती जा रही है। वर्तमान में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को कुर्सी तक पहुंचाने में महिला वोटर्स की हिस्सेदारी काफी महत्वपूर्ण रही है। बीते कुछ वर्षों में यूपी में वोटिंग पैटर्न कुछ इस तरह का रहा है कि पुरुषों की तुलना में महिलाएं ज्यादा वोट कर रही हैं। साल 2017 में 63.31 फीसद महिला मतदाताओं ने वोट किया था, जबकि 2019 लोकसभा में यह प्रतिशत 67.18 रहा। एक अनुमान के मुताबिक महिला वोटिंग में पिछले तीन दशकों में 15 फीसद तक की बढ़त हुई है। महिलाओं में बढ़ती राजनीतिक चेतना के साथ-साथ चुनावों में उनकी रुचि का यह साफ संकेत है। महिलाएं राजनीतिक रूप से अपनी स्थिति को पहले से बेहतर समझ रही हैं और निर्णायक वोट बैंक के तौर पर उभर रही हैं। आंकड़ों से यह बात साफ हो गई है कि महिलाओं का जिस दल की ओर झुकाव रहा है वह सत्ता में पहुंचने में कामयाब रहा है

मुरादाबाद का नाम माधव नगर रखा जाए: बाबा बागेश्वर

अयोध्या और काशी की तरह हरिहर मंदिर में भी पूजा हो

मुरादाबाद, 19 मार्च (एजेंसियां)। कैंची धाम की तर्ज पर मुरादाबाद में बाबा नीब करौरी का धाम भी बना है। अब इसको मुरादाबाद कहना उचित नहीं है। मुरादाबाद को माधव नगर कर देना चाहिए। यह कहना है श्री बागेश्वर धाम सरकार के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का। वह लोहिया एस्टेट में आयोजित हनुमंत कथा में बोल रहे थे।

जिस क्षेत्र में सिद्धबली हनुमान मंदिर हो, हरिहर मंदिर हो, गढ़ गंगा हो, शीतला माता का मंदिर हो, ऐसे में मुरादाबाद कहने में इन मंदिरों की अवहेलना है। उन्होंने कहा कि भारत में इतने नाम बदल गए। फैजाबाद अब अयोध्या हो गया है। इलाहाबाद प्रयागराज हो गया तो मुरादाबाद को माधव नगर कर देना चाहिए। इसमें कौन सी बड़ी बात है। पर माधव नगर कहने से कई लोगों के पेट में अपच हो जाएगी। कई लोग कल ही न्यूज में दिखाएंगे कि बाबा ने दिया विवादित बयान, मुरादाबाद का नाम बदलने की मांग की। उन्होंने कहा कि लोगों को लगेगा कि यह उपद्रव करने आते हैं, लेकिन हम क्या बताएं, हमें हनुमान जी ने भेजा ही सच बोलने के लिए है। हमारा सौभाग्य है कि हम मुरादाबाद उर्फ माधव नगर आए हैं।

बुरा न मानना। सबकी अपनी-अपनी भावना होती है। हम बहुत स्पष्टवादी हैं। हम नफरत नहीं, प्रेम के आदी हैं और गर्व से कहते हैं कि हम हिंदुत्ववादी हैं। हम किसी मजहब के विरोध में नहीं है। उनका सम्मान है, लेकिन हम अपने सनातन का सम्मान नहीं छोड़ेंगे। अपने सनातन का अपमान नहीं सहेंगे। हनुमंत कथा के दौरान पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि आज का नजारा देखकर लग रहा है कि हमें पिछले साल ही आ जाना चाहिए था। हमसे कोई कह रहा था कि यहां आना जरूरी है, क्योंकि यहां धर्म विरोधी बहुत हैं। अब उनकी ठठरी हम नहीं बांधेंगे तो कौन बांधेगा। यहां पर सिद्धबली हनुमान का धाम है। यहां पावन धाम हरिहर मंदिर है। किसी कारण से पूजा बंद है। लोग कहते हैं कि अंदर से आवाज आती है। जब अयोध्या में राम विराजमान हो गए हैं। काशी में भोलेनाथ आ गए हैं तो अब हरिहर मंदिर में भी रुद्राभिषेक होना चाहिए। आरती होनी चाहिए। बता दें कि संभल के एक धर्मस्थल को प्राचीन हरिहर मंदिर कहा जाता है। हालांकि पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने अपने कथन के दौरान संभल का नाम नहीं लिया।

भाजपा कुछ सीटों पर बदलेगी उम्मीदवार

कुछ नामी चेहरे काट कर काटेगी अपनी ही शाख

लखनऊ, 19 मार्च (एजेंसियां)। भाजपा कोर कमेटी की बैठक में यूपी की 25 सीटों पर उम्मीदवारों के चयन पर मंथन किया गया। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में हुई बैठक में भाजपा के साथ ही सहयोगियों की दी जाने वाली सीटों पर भी चर्चा हुई।

बाराबंकी में उपेन्द्र रावत के स्थान पर नया चेहरा उतारने पर सहमति बनी है। वहीं एनडीए के सहयोगी अपना दल (एस) को उनकी पुरानी सीट मिर्जापुर और राबर्टसगंज (सुरक्षित) सीट ही दी जाएगी। वहीं, कुछ मौजूदा सांसदों का टिकट काट कर नए चेहरों को देने की भी चर्चा हुई।

भाजपा अब तक यूपी में लोकसभा के 51 उम्मीदवारों की सूची जारी कर चुकी है। दो सीटें रालोद और एक सीट सुभासपा को दी गई है। जबकि दो सीट अपना दल (एस) को दी जानी है। ऐसे में भाजपा के कोटे की शेष बची 24 सीटों पर उम्मीदवार तय करने को लेकर सोमवार को भाजपा के केन्द्रीय कार्यालय में बैठक बुलाई गई थी।

इसके अलावा बाराबंकी सीट से उम्मीदवार बनाए गए उपेन्द्र रावत से जुड़ा आपत्तिजनक वीडियो वायरल होने के बाद उनके स्थान पर दूसरा उम्मीदवार उतारने पर भी चर्चा हुई। बैठक में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी, महामंत्री (संगठन) धर्मपाल के अलावा दोनों उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक भी मौजूद रहे।

पार्टी वरुण के बजाय मेनका को सुल्तानपुर से उतारने पर विचार कर रही है। जबकि पीलीभीत से जितिन प्रसाद और केन्द्रीय मंत्री बीएल वर्मा के नाम पर चर्चा हुई। इसी प्रकार बरेली से संतोष गंगवार के स्थान पर महापौर उमेश गौतम और हरिशंकर गंगवार के नाम पर विचार किया गया।

बाराबंकी सीट पर मौजूदा सांसद उपेन्द्र रावत के स्थान पर पूर्व नौकरशाह राम बहादुर और पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष शशांक कुशमेश को चुनाव लड़ाया जा सकता है। रायबरेली से सपा विधायक मनोज पाण्डेय और कैसरगंज से बृजभूषण सिंह की पत्नी केतकी देवी सिंह या लड़के करण भूषण सिंह मैदान में उतारे जा सकते हैं। मेरठ सीट पर अभिनेता अरुण गोविल, कुमार विश्वास और कैंट विधायक अमित अग्रवाल और गाजियाबाद सीट पर मौजूदा सांसद जनरल वीके सिंह के साथ ही अनिल अग्रवाल या अनिल जैन के नाम पर भी चर्चा हुई।

प्रयागराज से पूर्व नौकरशाह संजय मिश्रा और अभिलाषा नंदी तो गाजीपुर से मनोज सिन्हा के बेटे अभिनव सिन्हा के नाम पर चर्चा हुई। देवरिया से मौजूदा सांसद रमापति राम त्रिपाठी को दोबारा मौका देने पर तो बलिया सीट से नीरज शेखर या आनन्द स्वरूप शुक्ला के नाम पर विचार किया गया। कानपुर सीट से मौजूदा सांसद सत्यदेव पचौरी की बेटी नीतू सिंह और सतीश महाना के नाम पर विचार किया गया और मैनपुरी सीट पर प्रदेश के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह को लड़ाने पर रायशुमारी की गई। सहारनपुर सीट पर पूर्व मंत्री सुरेश राणा और राघव लखन पाल के नाम पर चर्चा की गई।

अयोध्या के मठ-मंदिरों को संवारने में तेजी से जुटा पर्यटन विभाग

अयोध्या, 19 मार्च (एजेंसियां)। श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के बाद से प्रदेश सरकार द्वारा अयोध्या के 84 कोसी परिक्रमा को पर्यटन की नजर से सजाया जा रहा है। अब पर्यटन विभाग 84 कोसी परिक्रमा मार्ग पर स्थित करीब 6 धार्मिक स्थलों का पर्यटन स्थल के रूप में विस्तार करा रहा है। अयोध्या परिक्षेत्र के उपनिदेशक पर्यटन आरपी यादव ने बताया कि इसके लिए भेजे गए इस्टीमेट को शासन ने स्वीकृत कर 20.64 करोड़ रुपए का बजट मंजूर किया है। इसी बजट से कार्य किया जा रहा है।उन्होंने बताया कि इसके अंतर्गत ऋषियों-मुनियों की तपस्थलियों और धार्मिक स्थलों श्रवण कुमार आश्रम, आस्तिक आश्रम, ऋषि च्यवन आश्रम, मेधा ऋषि आश्रम, श्री बन्धू बाबा आश्रम, महर्षि बामदेव आश्रम जैसे 84 कोसी परिक्रमा मार्ग पर बड़ी संख्या में धार्मिक स्थल का पुनरोद्धार किया जा रहा है। पर्यटन विभाग की ओर से 6 स्थलों पर विश्राम गृह, पानी-बिजली, सड़क, खान पान कि दुकानें, स्तंभ, प्रवेश द्वार, साइनेजेस, सीटिंग इंटरप्रिटेशन वॉल, शौचालय और यात्रियों की मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवा कर इन्हें धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है।

आजम खां पर अब तक 108 मुकदमे

डेढ़ साल में पांच मामलों में हुई सजा

रामपुर, 19 मार्च (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के नेता आजम खां को सोमवार को एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट ने डूंगरपुर प्रकरण को में सजा सुनाई। डेढ़ साल यह ऐसा पांचवा मामला है, जिसमें आजम को सजा हुई है। समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेता रहे आजम दस बार विधायक, चार बार कैबिनेट मंत्री, एक बार राज्यसभा और एक बार लोकसभा सदस्य रह चुके हैं।

सीतापुर जेल में बंद आजम के खिलाफ अब तक 108 मुकदमे दर्ज हो चुके हैं, जिसमें से 83 मुकदमों में ट्रायल चल रहा है। इनमें से अधिकतर मामले 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान आजम के विवादित बयानों के चलते दर्ज हुए। दो मामले में उन्हें बरी भी किया जा चुका है। बरी किए गए एक मामले को अभियोजन की ओर से हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है।

सपा नेता आजम खां के खिलाफ 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान उनके विवादित बयानों के चलते कई मुकदमे दर्ज हुए। सपा नेता आजम खां पर रामपुर, मुरादाबाद, फिरोजाबाद समेत अन्य जिलों में कुल 108 मुकदमे पंजीकृत हुए थे, जिसमें 83 मामले कोर्ट में विचाराधीन हैं। बिजनौर जेल में बंद पूर्व पालिकाध्यक्ष अजहर अहमद खां और रिटायर्ड सीओ आले हसन व बरेली के ठेकेदार बरकत अली को कोर्ट ने पहली बार सजा सुनाई है। पूर्व पालिकाध्यक्ष अजहर अहमद खां सपा नेता आजम खां के करीबी माने जाते हैं। उन पर 25 मुकदमे दर्ज हैं। इसी तरह बुलंदशहर निवासी रिटायर्ड सीओ आले हसन सपा शासन में यहां पर एक बार

सिविल लाइंस इंस्पेक्टर जबकि दूसरी बार सीओ सिटी भी रहे। आले हसन पर कुल 59 मुकदमे विचाराधीन हैं। आले हसन सपा नेता के करीबी रहे हैं। इसके अलावा बरेली निवासी ठेकेदार बरकत अली भी सपा नेता आजम खां के करीबी हैं। इन तीनों को पहली बार किसी कोर्ट ने सजा सुनाई है।

डूंगरपुर बस्ती में घर में घुसकर मारपीट करने और धमकाने के मामले में कोर्ट ने अपना फैसला 61 पेज में सुनाया। जिसमें अभियोजन पक्ष के बयान दस्तावेजी साक्ष्य हाईकोर्ट व सुप्रीम कोर्ट की नजीरें पेश की गई हैं। इसके साथ ही बचाव पक्ष द्वारा दी गई दलीलें पेश की गईं। नजीरों का भी उल्लेख किया गया है। साथ ही आरोपियों का आपराधिक इतिहास और बचाव पक्ष के अधिवक्ताओं द्वारा उम्र व स्वास्थ्य का हवाला देते हुए कम सजा देने का जिक्र किया गया है।

डूंगरपुर बस्ती को खाली कराने के नाम पर मारपीट, लूटपाट व डकैती डालने जैसे कुल 12 मामले गंज थाने में दर्ज किए गए थे, जिसमें से एक मामले में सपा नेता आजम खां बरी हो चुके हैं। दूसरे मामले में सोमवार को आरोपियों को सजा सुना दी गई। इसी तरह के एक अन्य मामले में अब 21 मार्च को भी कोर्ट अपना फैसला सुना सकती है। 27 अक्टूबर 2022 को मिलक में दर्ज लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट द्वारा तीन वर्ष कैद व दो हजार रुपए जुर्माना अदा करने की सजा सुनाई गई थी। हालांकि, सेशन कोर्ट ने इस मामले में उनको बरी कर दिया था। यह मामला हाईकोर्ट में विचाराधीन है।

आजम खा को 15 फरवरी 2023 को मुरादाबाद के थाना छजलैट में दर्ज मुकदमे में एमपी-एमएलए कोर्ट मुरादाबाद द्वारा दो वर्ष के कारावास की सजा सुनाई गई। 15 जुलाई 2023 को शहजादनगर थाने में दर्ज नफरती भाषण के मामले में दो वर्ष के कारावास तथा 2500 रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई गई। 18 अक्टूबर 2023 को थाना गंज में दर्ज अब्दुल्ला के फर्जी जन्म प्रमाणपत्र के मामले में एमपी-एमएलए कोर्ट द्वारा सात वर्ष की सजा व 50 हजार रुपए जुर्माना अदा करने की सजा सुनाई गई।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 20 मार्च, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

जयकारों के बीच भव्य रूप से निकली बाबा श्याम निशान शोभायात्रा

हैदराबाद, 19 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री श्याम, श्याम बाबा के जयकारों के बीच श्री श्याम निशान शोभा यात्रा भव्यता के साथ सुचित्रा स्थित श्री राम गार्डन से पहाड़ी श्याम मन्दिर महिन्द्रा हिल्स गई तक निकाली गई। श्री राम श्याम मित्र मण्डल सुचित्रा द्वारा आयोजित श्री श्याम निशान यात्रा का शुभारंभ निशान पूजा के साथ हुआ। यात्रा में बाबा को रथ पर मोर छड़ी के पुष्पों से सजे वाहन पर आरूढ़ किया गया। भक्तों पर इत्र एवं पुष्प वर्षा से उनका स्वागत किया गया। मार्ग में स्थित शोभा गार्डन पर यात्रा का स्वागत अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष मनीष अध्यक्ष अग्रवाल एवं अंजनी कुमार ने किया। यात्रा विभिन्न मार्गों से होते हुए महिन्द्रा हिल्स स्थित पहाडी श्री श्याम मन्दिर पहुंच कर संपन्न हुई। भजन गायक सागर व्यास ने भजनों से माहौल को भक्तिमय बनाया। इस अवसर पर पहाड़ी श्याम मन्दिर के परामर्श दाता अरुण भाई डाकोतिया ने यात्रा का स्वागत किया। मन्दिर के प्रांगण में सांवरे के बावरे द्वारा कीर्तन एवं धमाल प्रस्तुत किया। भार्ग में नाश्ते की व्यवस्था पुरुषोतम अग्रवाल उपाध्यक्ष अग्रवाल समाज तेलंगाना ने की।

कार्यक्रम में श्री राम श्याम मित्र मण्डल के सदस्यो अनुज सिंघल, राजेन्द्र अग्रवाल, संदीप मितल, राहुल अग्रवाल, पंचम शाह राजेश बहेती, मुरारी लाल डालमिया, अंकित गोयल, आशीष गर्ग, अमित गुप्ता, दिनेश अग्रवाल, राकेश गर्ग, प्रशात गर्ग, अशोक बसल, सौरभ गुप्ता एवं सतविन्दर गुलाटी व अन्य ने सहयोग प्रदान किया।

अग्रवाल बिज़ कनेक्ट की बैठक में बताए अनुशासन और समय प्रबंधन के गुर

हैदराबाद, 19 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल बिज़ कनेक्ट की बैठक रूट बैंक्वेट हॉल जुबली हिल्स में आयोजित की गई। बैठक के मुख्य अतिथि अग्रवाल समाज तेलंगाना के पूर्व अध्यक्ष सुभाष अग्रवाल रहे। उन्होंने समय प्रबंधन, अनुशासन के लाभों के बारे में बताया जो दिन-प्रतिदिन व्यवसाय सुधार में मदद करते हैं।बैठक की शुरुआत अध्यक्ष अविनाश बंसल एवं सचिव कमल अग्रवाल ने की। ज्ञान की कक्षा में रायतेश अग्रवाल ने वृन्दावन में आयोजित अग्रवाल सम्मेलन बैठक के बारे में जानकारी दी। कमल अग्रवाल ने इवेंट मैनेजमेंट के बारे में और अविनाश बंसल ने विभिन्न प्रकार के फ्लोरिंग के फायदों के बारे में बिजनेस प्रेजेंटेशन दिया।बैठक में एबीसी के संस्थापक और सदस्य उदय गुप्ता, अविनाश बंसल, कमल अग्रवाल, यश अग्रवाल, रितेश अग्रवाल, आनंद सरोगी, विकास सराफ, सीए पवन गोयल, विकास गुप्ता, अजय गुप्ता, अनिल अग्रवाल, संजय गुप्ता, विकास अग्रवाल, रितुल अग्रवाल, कंचन अग्रवाल, दीक्षा चायवाला, वैभव, भूषण गुप्ता, कनिष्क, संजय बंसल, मनोज अग्रवाल, पवन बंसल, आशुतोष बंसल, शशांक, प्रकाश सांघी, कृष्णा सराफ और कई अन्य शामिल हुए। अगली बैठक 6 अप्रैल को अला लिबर्टी बंजारा हिल्स पर है और इस बैठक में विशेष रूप से मारवाड़ी और गुजराती व्यवसाय मालिकों को आमंत्रित किया गया है।

मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा का होली के रंग बच्चों के संग कार्यक्रम सम्पन्न

हैदराबाद, 19 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा सिकंदराबाद द्वारा होली के रंग बच्चों के संग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शाखा मंत्री शीतल जैन के अनुसार शाखा अध्यक्षा रक्षा जैन की अध्यक्षता में मोंडा मार्केट स्थित आश्रय बाल तेजसू रेनबो होम अनाथ स्कूल के बच्चों के संग खुशियां बाटने के लिहाज से होली के रंग बच्चों के संग कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जिसमें राधा कृष्ण बनकर आए बच्चों का गुलाल लगाकर स्वागत किया गया। तत्पश्चात राधा कृष्ण ने शानदार रासलीला नृत्य किया जिसने सबका मनमोह लिया। खुशी से सभी ने उनके संग फूलों की होली खेली एवं आश्रम के बच्चों को रंग लगाकर होली की बधाइयां दी तथा उपस्थित सभी सदस्य एवं बच्चों ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली के रंग में रंगीन वातावरण कर, सभी लोग झूम उठे। आश्रम के सभी बच्चों हेतु गेम का आयोजन किया जिसमें विजेता रहे बच्चों को एवं राधा कृष्ण बनकर आए बच्चों को पुरस्कार दिये तथा सभी बच्चों के लिए रिटर्न गिफ्ट में वॉटर बॉटल दी गई।

शाखा की ओर से सभी के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की गई। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में निवर्तमान अध्यक्ष वर्षा मखाना, शाखा संरक्षक मंजू बिनायकिया, उपाध्यक्ष शशी नाहर, सहमंत्री सुमन घोड़ेला आदि शाखा के सभी सदस्यों का प्रमुख सहयोग रहा। शाखा की कोषाध्यक्ष कला गांधी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ होगी कड़ी कार्रवाई : सीपी

सीपी ने सिटी पुलिस के सभी विंगों के अफसरों एवं कर्मचारियों के साथ की वर्चुअल बैठक

हैदराबाद, 19 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पुलिस आयुक्त के. श्रीनिवास रेड्डी ने लोकसभा के आम चुनावों से संबंधित तैयारियों के बारे में चर्चा करने के लिए सिटी पुलिस के सभी विंगों के कॉन्स्टेबल से लेकर एडिशनल पुलिस आयुक्त रैंक के सभी अधिकारियों के साथ मंगलवार को एक वीडियो कॉन्फ्रेंस की।

कांफ्रेंस में सीपी ने सख्त निर्देश दिए कि आदर्श आचार संहिता लागू है और इसका उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़े कानूनी प्रावधानों के अनुसार निपटा जाएगा। उन्होंने नकदी, शराब, ड्रग्स आदि से संबंधित प्रवर्तन कार्य और जब्ती में सुधार करने, लंबित एनबीडब्ल्यू के निष्पादन और चुनाव खत्म होने तक लाइसेंस प्राप्त हथियार लाने और ले जाने पर प्रतिबंध लगाने पर जोर दिया। उन्होंने सभी अधिकारियों को चुनाव संबंधी विभिन्न अनुमतियों के लिए सुविधा पोर्टल पर राजनीतिक दलों से प्राप्त आवेदनों को समयबद्ध तरीके से निपटाने के निर्देश दिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अब सभी लोग भारत निर्वाचन आयोग में प्रतिनियुक्ति के तहत काम कर रहे हैं। नकदी, शराब और मुफ्त वस्तुओं के अवैध प्रवाह पर नजर रखने के लिए फ्लाइंग स्क्वाड टीमें और स्टेटिक निगरानी टीमें काम कर रही हैं।

लाइसेंसी हथियारों के संबंध में एक स्क्रीनिंग कमेटी का गठन किया गया है जो सभी शस्त्र लाइसेंसों की जांच करेगी और यह निर्णय लेगी कि हथियार जमा कराने हैं या नहीं। नकदी की जब्ती के उन मामलों से निपटने के लिए अपीलीय प्राधिकारी के रूप में डीईओ, हैदराबाद द्वारा एक जिला शिकायत समिति का गठन किया गया है। इसके अलावा, सीपी ने पिछले चुनावों के दौरान देखे गए विभिन्न एमसीसी उल्लंघनों के बारे में बात की और राजनीतिक दलों, उम्मीदवारों और स्टार प्रचारकों को एमसीसी का उल्लंघन करने से बचने के लिए सलाह भी जारी की। शीघ्र ही सभी डीअ-ारसी (वितरण, स्वागत और गणना केंद्रों) की तैयारियों की जांच के लिए डीईओ, हैदराबाद के साथ संयुक्त दौरा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पहले से ही नकदी, शराब, मुफ्त उपहार आदि के प्रवाह को रोकने के लिए अंतर आयुक्तालय सीमाओं पर 18 चेकपोस्ट चालू हैं। सीएपीएफ की 06 कंपनियां पहले ही आ चुकी हैं, जिसमें सीआईएसएफ की 5 कंपनियां और सीआरपीएफ की 01 कंपनियां शामिल हैं और वे ड्यूटी कर रही हैं। सीपी ने सभी प्रतिभागियों को खुफिया जानकारी जुटाने, प्रवर्तन कार्य और जब्ती में सुधार करने और बार-बार अपराध करने वालों, पिछले हिस्ट्रीशीटरों, सांप्रदायिक अपराधियों और पिछले चुनावी अपराधों में शामिल लोगों पर लगाम कसने का निर्देश दिया। वीडियो कॉन्फ्रेंस के दौरान सीएपीएफ के अधिकारी भी मौजूद थे और उन्होंने शहर के पुलिस अधिकारियों के साथ बातचीत की।

करणी माता एवं भेरुजी महाराज का विशाल जागरण सम्पन्न

हैदराबाद, 19 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

लोअर टैंकबैड के पास शिवालय गौशाला में 17 मार्च को श्री करणी माता एवं भेरुजी महाराज का विशाल जागरण संपन्न हुआ। जागरण का आयोजन रतनलाल, विनय, निशा नाहटा द्वारा किया गया और मुख्य सहयोग कर्ता चंदूलाल सोमानी, गोपाल भाई, मनोज, पारस सुराणा, महेंद्र बूच्चा, मनीष बूच्चा, मनीष बेद, राजेंद्र बोथरा, महेंद्र भंसाली, अनिल डागा, जयप्रकाश बोरड़, मोहित सेठिया, धीरज शाड, वीरेंद्र वेद आदि थे श्र कार्यक्रम में मुख्य कलाकार व गायक श्याम तिवारी थे। उन्होंने अपने सुमधुर भजनों के साथ भक्तों को भक्ति सागर में गोते लगवाए। करणी माता मंदिर के मुख्य पुजारी गोविंद नारायण ने बहुत ही भावपूर्ण आरती प्रस्तुत की। कार्यक्रम में प्रसाद और भोजन की समुचित व्यवस्था की गई थी।

श्री बीकानेर डिस्ट्रिक्ट जैन एसोसिएशन की कार्यकारिणी बैठक आयोजित

हैदराबाद, 19 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री बीकानेर डिस्ट्रिक्ट जैन एसोसिएशन हैदराबाद की कार्यकारिणी बैठक का आयोजन 17 मार्च को किया गया।

संस्था के अध्यक्ष प्रदीप गोलछा के नेतृत्व में आगामी कार्यक्रमों पर विचार किया गया, जिसमें यह तय किया गया की 11 अगस्त को सावन की सैर का आयोजन किया जाएगा उसके लिए उचित स्थान की खोजबीन करके जल्द से जल्द कार्यक्रम की घोषणा की जाएगी।

सभी कार्यकारी सदस्यों ने इस पर सहमति जताई और जल्द से जल्द शहर के बाहर किसी अच्छे स्थान का चयन करके कार्यक्रम की रूपरेखा बनाने को कहा।

मीटिंग में अध्यक्ष प्रदीप गोलछा के साथ पूर्व अध्यक्ष महेंद्र बैद, नवरत्न महनोत, मंत्री पारस सुराणा, उपाध्यक्ष राजेंद्र बोथरा, पूर्व मंत्री महेंद्र बुच्चा, कोषाध्यक्ष मनीष बुच्चा, कार्यकारी सदस्य अनिल डागा, मनीष बैद, धीरज सांड, जयप्रकाश बोरड, मोहित सेठिया उपस्थित थे। उपाध्यक्ष राजेंद्र बोथरा को सर्वसमत्ति से कार्यक्रम का संयोजक बनाया गया। होली के पश्चात कार्यक्रम की पूरी जानकारी दी जाएगी।

एनआईआईएमएच आंगनवाड़ी केंद्र में जागरूकता कार्यक्रम किया आयोजित

हैदराबाद, 19 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारत सरकार के पोषण पखवाड़ा गतिविधियों के तहत राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद ने आंगनवाड़ी केंद्र गड्डीअनारम में स्वस्थ आहार और अच्छे हाथ की स्वच्छता प्रथाओं के बारे में जागरूकता अभियान चलाया। प्रभारी सहायक निदेशक डॉ. जी पी प्रसाद जी ने इस अभियान के लिए मार्गदर्शन एवं निर्देश प्रदान किये। इस पहल से दो आंगनवाड़ी स्टाफ सदस्यों के साथ-साथ लगभग 28 बच्चों को लाभ हुआ। छात्रों के साथ बातचीत के दौरान, डॉ. संतोष माने अनुसंधान अधिकारी (आयु.) और एलआईए के श्रीनिवास राव ने पारंपरिक भोजन, पोषण, दैनिक दिनचर्या, हाथ की स्वच्छता, योग और ध्यान के माध्यम से अच्छे स्वास्थ्य को बनाए रखने के कई लाभों के बारे में बात की। आईईसी सामग्री के साथ, टीम ने कर्मचारियों और छात्रों को फल और बिस्कुट वितरित किए। आंगनवाड़ी शिक्षक भाग्यवती और अंडालू ने भी अपना सहयोग प्रदान किया।

अमरचंदजी ओस्तवाल की पौत्री मुमुक्षु रत्ना हर्षिताकुमारी (सुपुत्री विजयराज, डॉ. ज्योति ओस्तवाल) का जैनरत्न रमेश पी. तातेड निवास में डॉ. पूनम आर तातेड, हिया, जिनय, ईतांश, हरित तातेड, मिक्षा द्वारा बहुमान किया गया। मुमुक्षु बेन की मंगल दीक्षा 28 अप्रैल को श्री धर्मचक्र प्रभाव तीर्थ विल्होली नासिक मे होगी।

एनएमडीसी में राजभाषा अधिकारियों की अखिल भारतीय संगोष्ठी का आयोजन

हैदराबाद, 19 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

इस्पाात मंत्रालय के तत्वावधान में एनएमडीसी मुख्यालय हैदराबाद में मंगलवार को राजभाषा अधिकारियों की अखिल भारतीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह संगोष्ठी वैश्विक अपेक्षाओं के अनुरूप बदलता हिंदी का स्वारूप तथा रोजगारोन्मुख भाषा के रूप में हिंदी का योगदान विषय पर आयोजित की गई। संगोष्ठी में इस्पात मंत्रालय एवं संपूर्ण भारत में इसके अधीनस्थ कार्यरत उपक्रमों के राजभाषा अधिकारी एवं उच्चाधिकारी, नगर राजभाषा कार्यान्व यन समिति (उपक्रम), हैदराबाद-सिकंदराबाद के सदस्य कार्यालयों के राजभाषा अधिकारी तथा एनएमडीसी की भारत में स्थित सभी परियोजनाओं एवं कार्यालयों के राजभाषा कार्मिकों ने प्रतिभागिता की।

संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता दिलीप कुमार मोहंती, निदेशक (कार्मिक), एनएमडीसी लिमिटेड ने की तथा डॉ. संजय रॉय, संयुक्त सचिव, इस्पाात मंत्रालय, भारत सरकार विशिष्ट अतिथि के रूप में वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर इस्पात मंत्रालय की उप निदेशक (राजभाषा) आस्था जैन एवं वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी सौरभ आर्य भी उपस्थित थे। संगोष्ठी में कार्मिक एवं प्रशासनिक विभाग के प्रमुख सत्येंद्र राय अधिशासी निदेशक भी उपस्थित थे। समारोह का प्रारंभ मंचासीन अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। तत्पश्चात सत्येंद्र राय, अधिशासी निदेशक (कार्मिक) ने अपने स्वागत भाषण में इस्पात मंत्रालय के अधिकारियों, इसके उपक्रमों से आए राजभाषा अधिकारियों, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति एवं एनएमडीसी की सभी परियोजनाओं एवं क्षेत्रीय कार्यालयों से आए राजभाषा कार्मिकों का स्वागत किया एवं राजभाषा के क्षेत्र में उनके द्वारा दिए जा रहे योगदान की प्रशंसा की। तत्पश्चात रूद्र नाथ मिश्र, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) ने सभी उपस्थितों का स्वाागत करते हुए एनएमडीसी में राजभाषा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों एवं गतिविधियों की संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि संजय रॉय, संयुक्त सचिव, इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार ने इस अवसर पर दिए गए अपने संदेश में कहा कि राजभाषा हिंदी हमारी स्वाधीनता की पहचान है। उन्होंने अंग्रेजी की मानसिक दासता से मुक्त होकर अधिकाधिक हिंदी के प्रयोग का आग्रह किया। दिलीप कुमार मोहंती ने अपने अध्यक्षीय संदेश में संगोष्ठी की सफलता की कामना करते हुए एनएमडीसी को राजभाषा संगोष्ठी के आयोजन का उत्त-रादायित्व देने के लिए इस्पात मंत्रालय का आभार व्यक्त किया। उन्होंनने कहा कि इस्पात मंत्रालय एवं नगर राजभाषा कार्यान्वएयन समिति के विभिन्न उपक्रमों तथा एनएमडीसी के राजभाषा अधिकारियों द्वारा इस संगोष्ठी में सामूहिक चर्चा से राजभाषा प्रयोग को नई दिशा मिलेगी।

इसके पूर्व रूद्र नाथ मिश्र, उप महाप्रबंधक (राजभाषा), एनएमडीसी ने संगोष्ठी् में उपस्थित सभी अतिथियों का स्वूगत किया तथा संगोष्ठी की रूपरेखा के विषय में जानकारी दी। इसके पश्चात संगोष्ठी के द्वितीय सत्र में आस्था जैन, उप निदेशक (राजभाषा), इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार ने वैश्विक अपेक्षाओं के अनुरूप बदलता हिंदी का स्वरूप विषय पर अपना सारगर्भित वक्तव्य दिया तथा सौरभ आर्य, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी, इस्पात मंत्रालय ने रोजगारोन्मुख भाषा के रूप में हिंदी का योगदान विषय पर वक्तव्य दिया। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। तत्पश्चात राजेश कुमार गोंड, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के सफल आयोजन में देबाशीष घोष, प्रबंधक (राजभाषा), डॉ. रजिन्द्र कौर, प्रबंधक (राजभाषा), एस.के. सनोडिया, उप प्रबंधक (सचि.) एवं फोजिया, अप्रेंटिस ट्रैनी ने सक्रिय सहयोग किया।

सात दिवसीय होली के चंग फोलर ग्रुप के संग कार्यक्रम का शुभारम्भ

हैदराबाद, 19 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

फोलर ग्रुप द्वारा होली के 7 दिवसीय कार्यकम होली के चंग फोलर ग्रुप के संग का शुभारंभ सोमवार को रानीगंज स्थित सेटा भवन में हुआ। इस बाबत पंकज दुगर एवं मनीष खेमका ने बताया कि गणेश पूजन एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। चंग, बांसुरी की धुन पर अतिथियों एवं सदस्यों ने होली के धमाल का आनंद लिया। उद्घाटन के कार्यक्रम के दौरान ग्रुप के सभी सदस्य अनिल संचेती, अभिषेक लाहोटी अमित राठी, दीपक पारीक, राकेश कुंडलियां, मुकुंद नाथ, मनोज मालू, नरेंद्र जांगिड़, प्रेम मूंधड़ा, जयसिंह दुगर, रणजीत शेखावत, राजकुमार बिहानी, सुरेंदर सेठिया, सौरभ सेठिया, हेमू सेठिया, मनोज पारीक, दिनेश सांखला, रामगोपाल सैनी, नितिन नाहटा, गिरीश भरारिया, मनीष खेमका, श्लोक, शुभम, पराग संचेती एवं बहुत से अतिथि उपस्थिति थे।

संगम ग्रुप चप्पल बाजार द्वारा असावा रेजीडेंसी में होली के रसिया के भजन के साथ फागुन उस्तव मनाया गया।

महावीर इंटरनेशनल का होली मिलन समारोह आयोजित

हैदराबाद, 19 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद केंद्र द्वारा होली मिलन समारोह रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ मनाया गया। शीतल बरलोटा ने बताया कि हिमायत नगर स्थित होटल प्लेटटिनम में आयोजित फाल्गुन उत्सव में प्रसिद्ध ढोलक कलाकारों द्वारा लोकगीत एवं नृत्य के साथ फूलों की होली मनाई गई। सर्वप्रथम कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना से की गई। राखी बाफना, साधना सिसोदिया, गीता बंबोली, वंदना बोहरा एवं वर्षा नाहटा ने सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया। सभी के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिता एवं अंताक्षरी का आयोजन किया जिसका संचालन अर्चना नाहटा ने किया। महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद के अध्यक्ष वीर विनोद संचेती ने सभी का स्वागत व अभिनंदन किया। इसी के साथ बड़े छातों (कैनोपी) का लॉन्च भी किया जो इस माह में गर्मी के चलते सड़क पर अपना रोजगार चलाने वाले लोगों में वितरित किया जाएगा। करीब 300 से अधिक छातों (कैनोपी) का वितरण महावीर इंटरनेशनल के सभी सदस्यों के सहयोग से किया जा रहा है।

कार्यक्रम में राजकुमार सुराणा, पीसी जैन, अजय नाहटा, बसंत बाफना, अनिल बोरा, सतीश खिव-सरा, अनूप बडेरा, मुकेश सुराणा व अन्य उपस्थित थे। सभी का आभार सचिव प्रीतेश बोहरा ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में 60 से अधिक लोगों ने भाग लिया और तत्पश्चात सभी ने स्वादिष्ट भोजन का आनंद उठाया।

ब्रह्मर्षि सेवा समाज हैदराबाद का होली मिलन समारोह सम्पन्न

हैदराबाद, 19 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

ब्रह्मर्षि सेवा समाज हैदराबाद का होली मिलन समारोह रविवार 17 मार्च को प्रातः साढ़े नौ बजे से समर ग्रीन रिसॉर्ट सामिरपेट में हर्ष और उल्लास के साथ आयोजित हुआ। समाज के महासचिव सुनील सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि यह वर्ष समाज के स्थापना का 25वां वर्ष है। इस रजत जयंती वर्ष का हर कार्यक्रम हमारे लिए विशेष महत्व रखता है और होली मिलन समारोह इस वर्ष का पहला कार्यक्रम था।

होली रंग-गुलाल, हर्ष-उल्लास और मस्ती का त्योहार है अतः इस कार्यक्रम का आयोजन समाज ने समर ग्रीन रिसॉर्ट में किया ताकि होली का आनंद समाज अच्छी तरह से ले सके।

समाज के अध्यक्ष मानवेन्द्र मिश्रा एवं उपाध्यक्ष अनीता राय ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया। इस आयोजन में सदस्यों के साथ सह सचिव पंकज कुमार सीए, कोषाध्यक्ष प्रेमशंकर सिंह, कार्यकारिणी सदस्य पंकज कुमार सिंह, अमर सिंह, रंजीत कुमार शुक्ला, मुकेश कुमार, पूर्व अध्यक्ष गोविंद राय, सुजीत ठाकुर, महिला अध्यक्ष उषा शर्मा, मनोज शाही, मोहन कुमार, सुधा राय, डॉ आशा मिश्रा आदि ने विशेष सहभागिता निभाई।

सभी सदस्यों ने एक दूसरे को गुलाल का टीका लगाकर गले मिलते हुए होली की शुभकामना दी। शहर द्वय से पधारे समाज बंधुओं ने प्रातः जलपान के उपरांत रिसॉर्ट की सैर की और फगुआ नृत्य के साथ रंगों की होली खेली। आलोक कुमार के गीतों ने सबका मन मोहा। मीतू शर्मा, श्वेता, गीतू शर्मा के साथ सभी लोगों ने लोकगीत , फगुआ गीत एवं फ़िल्मी गीतों के तान छेड़े। मध्याह्न भोजन के उपरांत कार्यकारिणी सदस्य स्वप्निल राय और अनीता राय के नेतृत्व में मनोरंजक शब्द अन्त्याक्षरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें सभी सदस्यों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। अवसर पर लोक गीत और नृत्य का आयोजन भी किया गया जिसका आनंद सदस्यों ने उठाया। होली के उपलक्ष्य में समाज द्वारा बच्चों को पिचकारी और बड़ों को टी शर्ट भेंट की गई।

सुधा राय के धन्यवाद ज्ञापन और सायंकालीन चाय नाश्ता के साथ आयोजन संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष रामगोपाल चौधरी, आरएस शर्मा और वरिष्ठ सदस्य एसएन राय की विशेष उपस्थिति रही। रागिनी सिन्हा, मीनाक्षी चौधरी, माधुरी ठाकुर, सुनीता शाही, सुमन सिंह, सुभाष सिंह , सौरभ सिंह, नवीन कुमार, बंटी, प्रियंका सिंह, नीरू शर्मा, सीमा, मिथिलेश देवी, देव कुमार, अनुपम, सुभाष कुमार, अरुणोदय सिन्हा, कुमकुम देवी, कल्पना राय, सूर्यनारायण राय, निधि राय, सीमा सिंह, सुशील कुमार सिंह, चंचला सिंह, शुभ्रा भारती, रूपम सिंह, भारती सिंह, बबली सिंह, रिंकु अनुराग शर्मा, ऋतु चौधरी, आशा सिंह प्रशांत सिंह, मधु सिंह, शिशिर राय , विजय लक्ष्मी राय, सच्चिदानंद राय, अतुल कुमार, जय किशोर, पिंटू सिंह, बिपिन कुमार, कपिल आदि सपरिवार समारोह में पधारकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

जलाशयों में पर्याप्त जल भंडार, पेयजल की नहीं होगी कोई किल्लत : मुख्य सचिव

हैदराबाद, 19 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मुख्य सचिव ए शांति कुमारी ने मंगलवार को कहा कि गर्मी में पीने के पानी की कोई समस्या नहीं होगी क्योंकि राज्य भर के जलाशयों में पर्याप्त जल भंडार है। उन्होंने यहां पेयजल आपूर्ति पर एक समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिया कि मरम्मत युद्ध स्तर पर की जानी चाहिए और पीने के पानी की आपूर्ति जारी रखी जानी चाहिए।

शांति कुमारी ने कहा कहा कि ग्रेटर हैदराबाद में पर्याप्त पानी की आपूर्ति की जा रही है और यदि कोई अतिरिक्त पानी के टैंकरों के लिए अनुरोध करता है, तो उन्हें भी उपलब्ध कराया जा रहा है।

ताज़ा पानी की आपूर्ति के बारे में चिंता करने की कोई ज़रूरत नहीं है। बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने राज्य भर के सभी जलाशयों में पानी की उपलब्धता पर विवरण मांगा।

इसके अलावा उन्होंने गर्मियों में पेयजल आपूर्ति के लिए किये जा रहे उपायों की भी जानकारी ली। बैठक में नगर निगम, पंचायत राज एवं ग्रामीण विकास, सिंचाई एवं अन्य विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया।

बाद में, मुख्य सचिव ने एसएससी परीक्षाओं के संचालन पर जिला कलेक्टरों के साथ एक टेलीकांफ्रेंस की। उन्होंने निर्देश दिये कि किसी भी परिस्थिति में परीक्षा केन्द्रों पर इलेक्ट्रॉनिक उपकरण एवं मोबाइल फोन ले जाने की अनुमति न दी जाए।

उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्रों पर धारा 144 लागू कर दी गई है और प्रत्येक केंद्र पर कम से कम एक कांस्टेबल या होम-गार्ड नियुक्त किया गया है। अधिकारियों को परीक्षा पत्रों को डाकघरों में वापस स्थानांतरित करते समय उचित व्यवस्था करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस संबंध में शिक्षा विभाग और पुलिस अधिकारियों को समन्वय बनाकर काम करना चाहिए।

कादम्बिनी क्लब हैदराबाद की 380वीं मासिक गोष्ठी सम्पन्न

हैदराबाद, 19 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कादंबिनी क्लब हैदराबाद साहित्यिक संस्था की निरंतर चलने वाली परम्परागत मासिक गोष्ठी रविवार को एक नए अंदाज़ में संपन्न हुई। इसके प्रथम चरण में कहानी वाला के साथ एक घंटे की साहित्यिक यात्रा से पूर्व सासमिता नायक के माध्यम से निराला कृत वर दे वीणा वादिनी वर दे सरस्वती वंदना से आरंभ की गई। क्लब के संस्थापक अध्यक्ष डॉक्टर अहिल्या मिश्र ने सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए प्रथम सत्र की अध्यक्षता भी की। अवधेश कुमार सिंह (नई दिल्ली) ने संगोष्ठी संयोजक के रूप में कहानी वाला सुहास भटनागर के परिचय एवं कार्य व्यवहार पर बात रखते हुए कहानी के पांचों तत्वों का परिचय दिया तथा कथा-कथन की शैली पर प्रकाश डालते हुए विचार की यात्रा आगे बढ़ाते हुए कहानी वाला को आमंत्रित किया। इन्होंने कथा कथन एवं नाट्य प्रस्तुति के सम्मिश्रण के माध्यम से विषय का विस्तार किया। उनकी पहली कहानी अपने पूर्व जन्म पर आधारित थी, दूसरी कहानी एक भूली हुए सी गली एक स्कूल की नौकरानी की बेटी की थी, जो रास्ता भटक गयी थी और बंबई में एक कॉल गर्ल बन गयी थी। कुछ सिंगल पैराग्राफ कहानियां थीं, जिसमें प्रमुख थीं, एक दिन प्रति दिन ये एक मल्लाह की कहानी थी, जो कि तूफ़ान से गाँव वालों को बचाते-बचाते आख़िर में स्वयं डूब जाता हैख नीला आसमान एक लेखक की कहानी, एक कहानी जिसे सुहास अपने दिल के करीब मानते हैं, वो थी तकिया, ये एक दादी और पोती की कहानी थी। सत्र की समाप्ति से पूर्व सुहास ने अपने नाटक, द्रौपदी समय साक्षी है के प्रसंग नाटकीय अंदाज़ में प्रस्तुत किये। प्रस्तुत कहानियों पर चर्चा परिचर्चा में भाग लेते हुए अवधेश ने कहा कि कहानियों से लगा की आप इसे लघु कथा में परिवर्तन कर सकते हैं और कहानी के प्लॉट्स अच्छे हैं। चंद्र प्रकाश दाहिमा ने कहा कि लघुकथा अपने आप में संपूर्ण होती है और पूर्ण कहानी का आभास दिलाता है। राशि सिन्हा ने कहानी वाले द्वारा सूर्य को कटघरे में लाने के साहस को उकेरा। शिल्पी भटनागर ने भी अपने विचार रखे। आर्या झा ने अपने विचार रखते हुए कहा कि कहानी से कविता लेखन कठिन होता है। अध्यक्षीय टिप्पणी में डॉ. अहिल्या मिश्र ने कहानी की संक्षित प्रस्तुति एवं मूल तत्व के संरक्षण के तरीक़ों की सराहना की। गोष्ठी के दूसरे सत्र में अवधेश कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में संपन्न काव्य गोष्ठी में प्रवीण प्रणव, शिल्पी भटनागर, सीपी दायमा, इंदु सिंह, अवधेश कुमार सिन्हा, विनोद गिरी अन-ोखा, उमा सोनी, आर्या झा, डॉ. अहिल्या मिश्र, भगवती अग्रवाल, रमा बहेड़, तृप्ति मिश्रा, डॉ राशि सिन्हा, डॉ. स्वाती गुप्ता, किरण सिंह, दर्शन सिंह, मोहिनी गुप्ता, हर्षलता दुधोरीया, डॉ. रमा द्विवेदी, रेखा अग्रवाल, सरिता दीक्षित, लीला बजाज, उमेश श्रीवास्तव, डॉ. सुरभि दत्त, ज्योति नारायण, भावना पुरोहित आदि ने हास्य व्यंग्य और समसामयिक विषयों पर कविता पाठ की। सरिता सुराणा, तनुजा व्यास, मीना मुथा, गोपाल कुमार, सुषमा देवी, देवा प्रसाद मायला, मीरा ठाकुर, डॉ सुनील, वर्षा और सीताराम माने उपस्थित हुए।साहित्यकार प्रवीण प्रणव (वरिष्ठ निदेशक माइक्रोसॉफ्ट) ने आधुनिक तकनीक के माध्यम से इस आभासी गोष्ठी में अपना सकारात्मक सहयोग प्रदान किया। आर्या झा ने गोष्ठी में उपस्थित सभी को धन्यवाद अर्पित किया। शिल्पी भटनागर कार्यक्रम की सह संयोजिका ने कार्यक्रम का सरस एवं सुंदर संचालन करते हुए गोष्ठी को गतिमान बनाए रखा।

हिरण के सींग बेचते दो लोग गिरफ्तार

हैदराबाद, 19 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

टास्क फोर्स टीम ने वन विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर मंगलवार को दो लोगों को पकड़ा जो हिरण के सींग बेचने की योजना बना रहे थे। उनके पास से दो हिरण के सींग बरामद किये गये। व्यक्तियों की पहचान मेदक निवासी फल विक्रेता पिट्टाला शोबन बाबू (25) और वारंगल के सोनार बोनाला नागा चारी (40) के रूप में की गई।यह जानकारी देते हुए डीसीपी टास्क फोर्स एस रश्मी पेरुमल ने कहा कि गिरफ्तार किए गए दोनों युवकों की मुलाकात बस में सफर के दौरान हुई और तभी से जान-पहचान हो गई। कुछ दिन पहले, चारी, जिसने पहले बाबू से कुछ पक्षियों का मांस खरीदा था, ने उससे जंगल से हिरण के सींगों की व्यवस्था करने के लिए कहा ताकि वे इसे अधिक कीमत पर बेच सकें और पैसा कमा सकें। उनकी सलाह पर, बाबू ने दो हिरण सींग खरीदे और चारी को इसके बारे में सूचित किया। वे इसे बोवेनपल्ली में बेचने की कोशिश कर रहे थे। उन्हें आगे की कार्रवाई के लिए वन विभाग को सौंप दिया गया।

केन्द्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी को उमिया धाम मेडचल में निर्माणाधीन दक्षिण भारत का प्रथम मां उमिया माता के भव्य मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव मे पधारने का निवेदन करते हुए लव फॉर काऊ चेयरमेन जसमत पटेल, रिद्धीश जागीरदार, समाज अध्यक्ष कांतीलाल गोराणी, हंसराज दडगा, दामोदर पटेल एवं केशवलाल पटेल।

रामकोट स्थित असावा निवास में आयोजित होली के रंग-सखियों के संग कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि काव्या किशन रेड्डी, पार्षद महालक्ष्मी रमन गौड़ के साथ श्रीनिवास असावा, रामनिवास असावा, संतोष बंग, विमला धूत, निर्मला असावा, विजयकान्ता असावा, राजेश्वरी असावा, विजयलक्ष्मी असावा एवं रामकोट महिला मण्डल की सदस्याएं।

कुलदेवी श्री ज्येष्ठायिनी माता के मंदिर निर्माण के संदर्भ में बैठक आयोजित

हैदराबाद, 19 मार्च
(शुभ लाभ ब्यूरो)।

सिखवाल ब्राह्मण समाज के भारद्वाज गोत्र के नागला तिवाड़ी, तुकार तिवाड़ी, पीपाडा पांडिया व लिलरिया व्यास की कुलदेवी श्री ज्येष्ठायिनी माता के नूतन मंदिर का निर्माण कार्य राजस्थान के गुंदोज गांव में होने जा रहा है, इसी संदर्भ में मंगलवार को एक बैठक श्रृंग ऋषि भवन पर हुई। श्रृंग वंदना के पश्चात सयोजक मंडल के श्याम सुन्दर पांडे ने मंदिर के विषय में विस्तृत जानकारी प्रदान की व कहा कि अभी तक वरंगल पाली सिकंदराबाद व कुछ भाइयों से सहयोग

राशि प्राप्त हुई है। इस भव्य मंदिर निर्माण के लिए सभी ने आगे भी दिल खोलकर सहयोग किया व उम्मीद है कि भाग्यनगर में बसने वाले भारद्वाज गोत्र के बंधु अपना अपना सहयोग प्रदान करेंगे। जिस पर उपस्थित सभी ने अपनी सहमति प्रदान की। संयोजक मंडल द्वारा अति शीघ्र भारद्वाज गोत्र के भाइयों से संपर्क करके सहयोग राशि प्राप्त की जायेगी!

आज की बैठक में मोतीलाल तिवाड़ी, काकाजी रामदेव नागला, श्यामसुंदर तिवारी, सुरेश तिवारी, मोहनलाल व्यास, श्यामसुंदर पांडिया, मनोज तिवाड़ी, घनश्याम पांडिया, नरेश पांडिया, विजय शर्मा पांडे, राधेश्याम नागला, ओमप्रकाश तिवारी, जुगल किशोर पांडिया, कैलाश पांडिया, भागीरथ पांडिया, दिनेश पांडिया के अलावा वरंगल से शिवनारायण पांडिया, गोपाल पांडिया, कैलाश पांडिया, जयनारायण पांडिया एवं नांदेड़ के जयप्रकाश नागला ने उपस्तिथि दर्ज कराई। माणिक चंद पांडिया के धन्यवाद ज्ञापन से बैठक का समापन हुआ।

बसवेश्वर के आशीर्वाद से हैदराबाद संसदीय सीट जीतूंगी : माधवीलता

हैदराबाद, 19 मार्च
(शुभ लाभ ब्यूरो)।

जियागुडा डिवीजन में मंगलवार को श्री शंकरप्पा पाटिल की देखरेख में तेलंगाना राष्ट्रीय बसवा दल महिला देवास का आयोजन किया गया, जिसमें के. माधवीलता मुख्य अतिथि रहीं। इस संबंध में श्री शंकरप्पा पाटिल और अन्य लोगों ने के. माधवीलता को शाल और पुष्प गुच्छ से सम्मानित किया। इस अवसर पर के. माधवीलता ने कहा कि वह बसवेश्वर के आशीर्वाद से हैदराबाद संसदीय सीट जीतेंगी और यह सीट भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को

समर्पित करेंगी। राष्ट्रीय बसवा दल के उपाध्यक्ष जगन्नाथप्पा, महासचिव अनिल कुमार पटना, प्रभाकर सथजी, विजयकुमार पटना, जियागुड़ा मंडल बसवामंडल के अध्यक्ष भाग्यवान जुवेले, के.शिवाजी, के.मारुति, नागराज कलसे, भीमराव बिरादर, माणिक्यरेड्डी, के.नरसिंग राव, के. संगमेश्वर, कर्नाटक बैंक प्रबंधक जे.रविचंद्र, अय्यप्पा राजू विहार एवं अन्य ने भाग लिया।

जगतियाल में मोर के शव के साथ दो शिकारी गिरफ्तार

जगतियाल, 19 मार्च
(शुभ लाभ ब्यूरो)।

पुलिस ने सोमवार शाम को पेगडापल्ली मंडल के डोमलाकुंटा बाहरी इलाके में मोर का शिकार करने के आरोप में दो शिकारियों को गिरफ्तार किया। उन्होंने कथित तौर पर राइफल से एक मोर की गोली मारकर हत्या कर दी थी। मंगलवार को मीडिया के सामने आरोपियों को पेश करते हुए जगतियाल डीएसपी रघु चंदर ने कहा कि गंगाधरा मंडल के लक्ष्मीदेवीपल्ली के नलुवाला सत्यनारायण और जुव्वाडी राजू ने राइफल से मोर की गोली मारकर हत्या कर दी और पक्षी के साथ भागने की कोशिश कर रहे थे तभी पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया।

उनके पास से मोर का शव, एक 0.22 स्पोर्टिंग राइफल, 34 जीवित राउंड और अन्य सामग्री जब्त की गई। दोनों पर आईपीसी की धारा 429, शस्त्र अधिनियम-1959 की धारा 25 (1ए) और वन्य जीवन संरक्षण अधिनियम-1972 की धारा 51 (1-ए) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पांच साल में 10 अलगाववादी गुटों पर लगा प्रतिबंध

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 19 मार्च।

पिछले पांच वर्षों में भारत सरकार ने जम्मू कश्मीर में 10 अलगाववादी समूहों पर प्रतिबंध लगाया है। उपलब्ध विवरण से पता चलता है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 2019 से जम्मू कश्मीर में नौ अलगाववादी समूहों को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम -1967 के तहत गैरकानूनी संघ घोषित किया है।

18 फरवरी, 2019 को, गृह मंत्रालय ने पूरे कश्मीर में उपस्थिति वाले कैडर-आधारित संगठन जमात-ए-इस्लामी पर प्रतिबंध लगा दिया। गृह मंत्रालय ने कहा था कि यह संगठन भारत की अखंडता को बाधित करने वाली गतिविधियों में शामिल था। इसके बाद लगभग एक महीने के उपरांत 22 मार्च, 2019 को, गृह मंत्रालय ने जम्मू और कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) को उग्रवाद और उग्रवाद का समर्थन करने और राष्ट्र-विरोधी गतिविधि में शामिल होने के लिए एक गैरकानूनी संठन घोषित किया था।

जम्मू कश्मीर के अलगाववादी गुटों को प्रतिबंधित करने का सिलसिला यहीं नहीं थमा था। फिर 5 अक्तूबर, 2023 को केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जेल में बंद अलगाववादी नेता शब्बीर अहमद शाह की जम्मू कश्मीर डेमोक्रेटिक फ्रीडम पार्टी पर उसकी भारत विरोधी और पाकिस्तान समर्थक गतिविधियों के लिए प्रतिबंध लगा दिया। फिर दो महीने बाद, 28 दिसंबर, 203 को केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जम्मू कश्मीर में राष्ट्र-विरोधी और अलगाववादी गतिविधियों के लिए मर्सरत आलम के नेतृत्व वाले अलगाववादी संगठन मुस्लिम लीग पर प्रतिबंध लगा दिया। 31 दिसंबर, 2023 को, गृहमंत्रालय ने तहरीक-ए-हुर्रियत पर भी प्रतिबंध लगा दिया, जिसका नेतृत्व पहले दिवंगत अलगाववादी नेता सईद अली शाह गिलानी कर रहे थे।

यह सिलसिला इस साल भी जारी है। 28 फरवरी, 2024 को गृह मंत्रालय ने एक बार फिर सबसे पहले आतंकी आरोपों को लेकर मुस्लिम कॉन्फ्रेंस जम्मू और कश्मीर (सुमजी गुट) और मुस्लिम कॉन्फ्रेंस जम्मू और कश्मीर (भट गुट) पर प्रतिबंध लगाया। वे 5 अगस्त, 2019 से पहले क्रमशः हुर्रियत (जी) और हुर्रियत (एम) का हिस्सा थे। इसके उपरांत 12 मार्च, 2024 को सरकार ने गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल होने, जो अखंडता, देश की संप्रभुता और सुरक्षा के लिए हानिकारक हैं, के आरोप में जम्मू और कश्मीर नेशनल फ्रंट पर प्रतिबंध लगा दिया। इस माह की 16 मार्च को भी भारत सरकार ने जम्मू और कश्मीर पीपुल्स लीग (जेकेपीएल) और जम्मू और कश्मीर पीपुल्स फ्रीडम लीग (जेकेपीएफएल) के चार गुटों पर प्रतिबंध लगा दिया।

केंद्रीय गृहमंत्रालय ने जम्मू और कश्मीर पीपुल्स के गुटों की पर प्रतिबंध की भी घोषणा की है। लीग (जेकेपीएल), जेकेपीएल (मुख्तार अहमद वाजा), जेकेपीएल (बशीर अहमद टोटा), जेकेपीएल (गुलाम मोहम्मद खान /सोपोरी) को जम्मू और कश्मीर पीपुल्स पालिटिकल लीग के रूप में भी जाना जाता है और जेकेपीएल (अजीज शेख) का नेतृत्व याकूब शेख द्वारा किया जाता है। अब ये सभी गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम-1967 के तहत गैरकानूनी संगठन बन गए है।

ढाई महीने में आग लगने की 800 घटनाएं

पिछले साल हुई थी आगजनी की दो हजार घटनाएं

जम्मू, 18 मार्च (ब्यूरो)।

यह कश्मीरियों की बदकिस्मती ही कही जा सकती है कि उन्हें अभी भी आग लगने की घटनाओं से मुक्ति नहीं मिल पाई है। हालत यह है कि पिछले साल जहां पूरे साल में दो हजार आग लगने की घटनाएं हुई थीं पहीं इस बार अभी तक अढ़ाई महीनों में ही यह आंकड़ा 800 को पार कर गया है। यह सबकी चिंता का कारण बन गया है।

अधिकारियों ने इस साल कश्मीर घाटी में 800 से अधिक आग की घटनाओं की सूचना दी है, जिनमें से 180 घटनाएं केवल श्रीनगर में हुईं। अग्निशमन और आपातकालीन सेवा विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सावधानी के महत्व पर जोर दिया और लोगों को संभावित शॉर्ट-सर्किट से बचने के लिए अपनी वायरिंग का पूरी तरह से निरीक्षण करने की सलाह दी, जिससे आग लगने की संभावना हो सकती है।

फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज (एफ एंड ईएस) के उप निदेशक एर आकिब हुसैन ने इस बात पर प्रकाश डाला कि श्रीनगर जिले में इस साल लगभग 180 आग की घटनाएं देखी गई हैं, जो घाटी में दर्ज की गई 800 घटनाओं की कुल संख्या में महत्वपूर्ण योगदान देती है। हुसैन ने कहा कि इन घटनाओं में दो लोगों की मौत और दो लोगों के घायल होने की सूचना मिली है, उन्होंने सावधानी के महत्व पर जोर दिया, खासकर सर्दियों के दौरान जब हीटिंग उपकरणों का बड़े पैमाने पर उपयोग किया जाता है। उन्होंने जोखिमों को कम करने के लिए सुरक्षा दिशानिर्देशों का पालन करने की सलाह दी।

अधिकारी ने इस बात पर जोर दिया कि आग की कई घटनाएं शॉर्ट सर्किट और वायरिंग क्षति के कारण होती हैं, संभावित आग के खतरों को कम करने के लिए नियमित विद्युत निरीक्षण और एमसीबी (लघु सर्किट ब्रेकर) जैसे सुरक्षात्मक उपायों की स्थापना की आवश्यकता पर बल दिया। हुसैन ने व्यक्तियों को अपने निकटतम अग्निशमन केंद्रों के लिए संपर्क विवरण बनाए रखने और आपातकालीन प्रक्रियाओं से खुद को परिचित करने के लिए भी प्रोत्साहित किया।

दरअसल कश्मीर में सर्दियों के मौसम की शुरुआत के साथ, जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में आग की घटनाओं में वृद्धि देखी गई है, जहां नवंबर 2023 के महीने में 53 घटनाएं दर्ज की गई थीं। अग्निशमन और आपातकालीन सेवा (एफ एंड ईएस) विभाग द्वारा तैयार किए गए आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार नवंबर 2023 महीने में श्रीनगर भर में 53 आग की घटनाएं दर्ज की गई हैं।

टयूलिप गार्डन : कड़ी मेहनत कर रहे हैं बागवान

जम्मू, 19 मार्च (ब्यूरो)।

जैसे-जैसे एशिया के सबसे बड़े ट्यूलिप गार्डन का उद्घाटन का दिन नजदीक आ रहा है, उत्साह का माहौल है, प्राकृतिक सुंदरता के सफल प्रदर्शन की उम्मीदें बहुत अधिक हैं। बागवान उत्साहित हैं और एक सफल शो की उम्मीद कर रहे हैं, क्योंकि वे इस शानदार शो को सफल बनाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

इस महीने के अंतिम सप्ताह में ट्यूलिप गार्डन का उद्घाटन हो जा रहा है और बहुप्रतीक्षित ट्यूलिप शो न केवल अपने शानदार प्रदर्शन के लिए ध्यान आकर्षित करने की संभावना है, बल्कि बगीचे में खिलने के लिए तैयार 1.7 मिलियन ट्यूलिप के बीच 5 नई किस्मों को भी शामिल करेगा, जैसा कि अधिकारियों ने

पहले बताया था।

पत्रकारों से बात करते हुए ट्यलिप गार्डन के मालियों और बागवानों का कहना था कि निराई-गुड़ाई की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने कहा कि एक सफल ट्यूलिप गार्डन शो की प्रक्रिया जारी है और हमने शो में ट्यूलिप की और भी किस्में जोड़ी हैं।

अठारह साल से अधिक समय से श्रीनगर के ट्यूलिप गार्डन में काम कर रहे माली गुलाम मोहम्मद वानी के बकौल काम नवंबर के महीने में शुरू होता है। वह कहते थे कि जैसे एक बच्चे की देखभाल की जाती है, वैसे ही ट्यूलिप के साथ भी करनी होती है। वे कहते थे कि बड़ी संख्या में लोग ट्यूलिप गार्डन देखने आते हैं और यह देखकर खुशी होती है कि कड़ी मेहनत का फल मिल रहा है। वानी के शब्दों में यह सब एक समर्पित माली की कड़ी मेहनत के कारण है, और ट्यूलिप गार्डन का खूबसूरत दृश्य तभी देखा जा सकता है जब एक माली कड़ी मेहनत करता है और ट्यूलिप उत्सव के इस महीने में उसकी कड़ी मेहनत की प्रशंसा होती है।

एक अन्य माली का कहना था कि सफल ट्यूलिप शो के पीछे बगीचे की कड़ी मेहनत है और अभी निराई-गुड़ाई की प्रक्रिया जारी है। बगीचे के खुलने से पहले, एक और निराई प्रक्रिया की जानी चाहिए। इसे एक तरफ से उद्घाटन की समय सीमा प्रक्रिया को संभालने और प्रक्रिया को जारी रखने के लिए एक विशेषज्ञ माली की आवश्यकता है।

वे कहते थे कि सफल ट्यूलिप शो के बाद, इन ट्यूलिप को जमीन से बाहर निकालने की जरूरत है और फिर शेष वर्ष के लिए उनकी देखभाल की जानी चाहिए। फ्लोरीकल्चर के आयुक्त सचिव, शेख फैयाज अहमद ने बताया कि एशिया के सबसे बड़े ट्यूलिप गार्डन ने मौजूदा उद्यान क्षेत्र का विस्तार करने के अलावा इस साल पांच और नई ट्यूलिप किस्मों को शामिल किया है, जिससे ट्यूलिप किस्मों की कुल संख्या 73 हो गई है। उन्होंने कहा कि 1.7 मिलियन ट्यूलिप खिलने के लिए तैयार हैं। आगामी सीज़न में, जिसका जमीनी कार्य पूरा हो चुका है, उन्होंने कहा कि विभाग ने आगंतुकों के लिए एक सहज अनुभव सुनिश्चित करने के लिए ट्यूलिप गार्डन में पार्किंग स्थल के लिए अतिरिक्त चार कनाल भूमि भी जोड़ी है।

एनआईए ने पीएफआई के फरार कैडेट को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने सोमवार को प्रतिबंधित पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के प्रमुख फरार सदस्य की गिरफ्तारी की है। एजेंसी ने इस बारे में जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि ये कार्रवाई साल 2022 में केरल में आरएसएस नेता श्रीनिवासन की हत्या के संदर्भ में की गई है।

दूसरी तरफ, कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में एक ट्रैक्टर पर लदी जिलेटिन स्टिक्स के साथ डेटोनेटर और अन्य विस्फोटक बड़ी मात्रा में बरामद किया गया। कर्नाटक में बेलंदूर पुलिस थाना क्षेत्र में एक स्कूल के सामने निर्माण कार्य में लगे श्रमिकों के लिए बनाए गए अस्थायी शेड के पास जिलेटिन की छड़ें बरामद हुईं।एक ट्रैक्टर में जिलेटिन, डेटोनेटर और अन्य विस्फोटक बरामद होने के मामले में पुलिस ने मंगलवार को कहा, गश्त पर निकले एक पुलिस अधिकारी ने सोमवार रात चिक्कनायकनहल्ली में विस्फोटक बरामद किए। पुलिस ने श्रमिकों से विवरण मांगा, लेकिन संतोषजनक जवाब नहीं मिला। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, हमें संदेह है कि जिलेटिन की छड़ों को मजदूरों ने इमारतें बनाने के लिए चट्टान तोड़ने के दौरान होने वाले विस्फोट के लिए रखा होगा। पुलिस ने विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने अशांति फैलाने की बड़ी साजिश को नाकाम करने में कामयाबी पाई है।

चोर गिरफ्तार, 11 साइकिलें बरामद

हैदराबाद, 19 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

साइकिल चोरी करने वाले एक दिहाड़ी मजदूर को शालीबंडा पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर 11 साइकिलें बरामद कीं। पहाड़ीशरीफ निवासी सैयद वहीदुद्दीन (48) मोहल्लों में घूमता था और घर में रखी साइकिलों की पहचान कर मौका मिलने पर उन्हें चुरा लेता था।

15 मार्च को उसने करीब 35 हजार रुपए कीमत की साइकिल चोरी कर ली थी। शिकायत पर पुलिस ने क्लोज सर्किट कैमरों की मदद से उसकी पहचान की और उसे पकड़ लिया। पूछताछ में उसने शहर के अलग-अलग इलाकों से 11 साइकिलें चुराने की बात स्वीकार की। शालीबंडा इंस्पेक्टर एस रवि कुमार ने कहा, वहीद शानदार जीवनशैली का आदी था और बार में पार्टी करने के लिए पैसे का इस्तेमाल करता था। उसे अदालत में पेश किया गया और रिमांड पर लिया गया।

सोनम वांगचुक के जलवायु उपवास को समर्थन देगा करगिल

जम्मू, 19 मार्च (ब्यूरो)।

लद्दाख के पर्यावरणविद और कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के जलवायु उपवास को कल आधे दिन की हड़ताल करके करगिल की जनता समर्थन प्रदर्शन करने जा रही है। हालांकि पिछले दो सप्ताह से आमरण भूख हड़ताल पर बैठे वांगचुक ने भारत सरकार को लोकतंत्र की सौतेली मां कह कर पुकारा है।

लद्दाख के लिए संवैधानिक सुरक्षा उपायों के प्रमुख प्रचारक वांगचुक ने कहा है कि भारत सरकार को लद्दाख के पर्यावरण और आदिवासी स्वदेशी संस्कृति की रक्षा के अपने वादों की याद दिलाने के लिए 250 लोग शून्य से 12 डिग्री सेल्सियस नीचे तापमान में भूखे सोए। उन्होंने एक्स पर लिखा कि यह सरकार भारत को लोकतंत्र की जननी कहना पसंद करती है। लेकिन अगर भारत लद्दाख के लोगों को लोकतांत्रिक अधिकारों से वंचित करता है और इसे नई दिल्ली से नियंत्रित नौकरशाहों के अधीन रखना जारी रखता है तो इसे केवल लद्दाख के संबंध में लोकतंत्र की सौतेली मां कहा जा सकता है।

हालांकि करगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) ने सोनम वांगचुक के जलवायु उपवास के साथ एकजुटता दिखाने के लिए 20 मार्च को आधे दिन की हड़ताल का आह्वान किया है। याद रहे कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने भारत सरकार को लद्दाख से किए गए वादों की याद दिलाने के लिए आमरण भूख हड़ताल की घोषणा की है। भूख हड़ताल की घोषणा करके, वांगचुक का उद्देश्य केंद्र को जलवायु परिवर्तन के प्रभावों और लद्दाख के लोगों से अपने पर्यावरण की रक्षा करने के लिए किए गए वादों की याद दिलाना है।

जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक लगभग दो सप्ताह से लद्दाख की राजधानी लेह में भूख हड़ताल पर हैं, जहां के निवासियों में निराशा और गुस्सा स्पष्ट है। वांगचुक ने चिंता व्यक्त की कि केंद्र शासित प्रदेश के रूप में लद्दाख की स्थिति क्षेत्र की पहचान की रक्षा करने के बजाय औद्योगिक और खनन कंपनियों के हितों को सुविधाजनक बनाने की रणनीति हो सकती है, जैसा कि भाजपा ने वादा किया था। वांगचुक के मुताबिक, लोकतांत्रिक संस्थाओं और स्थानीय आरक्षण के

अभाव के कारण लद्दाखी सैनिकों के मनोबल को नुकसान हो रहा है। पांच साल पहले जब लद्दाख को एक अलग केंद्र शासित प्रदेश घोषित किया गया था तो शुरुआती जश्न के बावजूद, लोग अब ठगा हुआ महसूस करते हैं और सरकार से आश्वासन चाहते हैं।

लद्दाख में विरोध प्रदर्शन तब शुरू हुआ जब अन्वेषक और वैज्ञानिक सोनम वांगचुक ने भारत सरकार द्वारा केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख से किए गए वादों को याद दिलाने के लिए 21 दिन के आमरण अनशन की घोषणा की। करगिल डेमोक्रेटिक अलायंस, लेह एपेक्स बाडी और केंद्र सरकार के बीच वार्ता विफल होने के कुछ दिनों बाद 6 मार्च को उपवास शुरू हुआ। केंद्र सरकार द्वारा कथित तौर पर उनकी मुख्य मांगों - छठी अनुसूची के तहत राज्य का दर्जा और संवैधानिक सुरक्षा उपायों को खारिज करने के बाद केडीए और एलएबी प्रतिनिधि भी लद्दाख के लिए एक रणनीति तैयार करने वाले हैं। वर्ष 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के साथ ही जम्मू कश्मीर और लद्दाख को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित कर दिया गया था। पिछले साल, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को जम्मू कश्मीर के लिए राज्य का दर्जा बहाल करने और 30 सितंबर 2024 तक इसे सुनिश्चित करने के लिए चुनाव कराने का आदेश दिया था। इस आदेश के बाद वांगचुक और लद्दाख के लोगों ने हिमालयी क्षेत्र के लिए भी इसी तरह का कदम उठाने और इसे अधिक राजनीतिक स्वायत्तता और निर्णय लेने की शक्तियां देने की मांग की है।

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME & DOB
I, Service No 14829375Y Rank : NK/MT, Name : PARASURAMUDU CHINNI S/o. CHINNI NAGESWARA RAO, Unit : HQ Telangana & Andhra Sub Area, Residing at Vill : Tallapalem PO Tallapalem, Teh : KASIMKOTA, Dist. ANAKAPALLI, State Andhra Pradesh, Pin, 531031,Changed my Mother name and DOB from: **CHINNI PARUATHA** to **CHINNI PARVATHI**, and DOB from:**01/17/1959**, to **01/01/1960**, Affidavit Signed By advocate and Notary Talari Balaiah.

CHANGE OF NAME & DOB
I,Service No. 14829375Y Rank: NK/MT, Name: PARASURAMUDU CHINNI S/o. CHINNI NAGESWARA RAO, Unit: HQ Telangana & Andhra Sub Area, Residing at Vill: TALLAPALEM, PO TALLAPALEM, Teh: KASIMKOTA, Dist ANAKAPALLI, State ANDHRA PRADESH, Pin: 531031, Changed my father Name and DOB from: **NAGESWARA RAO**, to **CHINNI NAGESWARA RAO** and Date of Birth from **01-07-1958** to **01-01-1951**, Affidavit Signed By Advocate and Notary Talari Balaiah.

CHANGE OF NAME & DOB
I, SYED HUSSAINBHI Spouse of Army No.JC 291576M Nb/Sub(DMT) KAREEMULLA SYED, R/o.Vill and Po:Ardhaveedu, Teh:Ardhaveedu, Dist:Prakasam, Andhra Pradesh have changed my name & DOB from **SYED HUSSAINBHI**, DOB: **17-7-1987** to **SYED HUSSAINBI**, DOB:**07-07-1987** vide affidavit dt:19-3-2024 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, Army No.JC 291576M, Rank:Nb/Sub(DMT) KAREEMULLA SYED, R/o.Vill and Po:Ardhaveedu, Teh:Ardhaveedu, Dist:Prakasam, Andhra Pradesh hereby declare that my son name is to be changed from **SYED AFFROZ** to **SYED AFROZ** vide affidavit dt:19-3-2024 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I. Army No.13998417K Hav Murali G. S/o.Gangadharan, R/o.Vill:Kokkeri, Erukkambattu, Melpadi, Vellore, Tamilnadu hereby declare that my son name is to be changed from **M JEEVA RAGHUL** to **JEEVA RAGHUL M** vide affidavit dt:19-3-2024 before Mohd.Muzibulla Baig, Advocate and Notary, Tolichowki, Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, ANNAL Mother of Army No.15207426A Hav (DMT) A REGAN SAHAYARAJ, R/o.233, Saveriyar Kovil Street, Anandhimedu Lalgudi, Sathamangalam, Tiruchirappalli, Tamilnadu have changed my name and DOB from **ANNAL**, DOB: **01-07-1958** to **ANNAL JAYA ROOBI**, DOB:**27-12-1965** vide affidavit dt:19-3-2024 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF DOB
I, **SULEKHA DEVI** Spouse of Army No.14660862W Hav NAVAL KISHOR, R/o.Vill:Muzaffarpur, Po. Tilyani, Firozabad, Uttar Pradesh have changed my Date of Birth from **15-5-1987** to **02-11-1976** Vide affidavit dt:19-3-2024 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

॥ श्री गणेशाय नमः ॥ ॥ ॐ श्री श्याम देवाय नमः ॥ ॥ श्री हनुमते नमः ॥

श्री कांची कामकोटी पीठम

श्री श्याम मंदिर सेवा समिति

काचीगुड़ा, हैदराबाद फोन : 9100100345, 7658919771

के तत्वावधान में

भव्य फाल्गुन मेला

फाल्गुन सुदी 11 (एकादशी) के अवसर पर

आज बुधवार 20 मार्च 2024

दिव्य दरबार

अद्भुत श्रृंगार

छप्पन भोग

सुमधुर भजन

श्री श्याम महोत्सव

श्री श्याम निशानों का स्वागत

प्रातः 8 बजे से

आज बुधवार, 20 मार्च 2024 को मन्दिर परिसर प्रातः 6 बजे से मध्याह्न 2 बजे तक तथा सायं 4 बजे से मध्य रात्रि तक भक्तों के दर्शन हेतु खुला रहेगा ।

MEDIA PARTNER facebook LIVE on CLICK MAGIK

श्री श्याम भजन संध्या

प्रमुख भजन गायक

श्री हरमिंदर सिंह रोमी

खलीलाबाद

प्रमुख भजन गायक

श्री सुनील शर्मा

हैदराबाद

आज बुधवार 20 मार्च 2024 रात्रि 7-01 बजे से

आरती - रात्रि 12 बजे

स्थान : श्री श्याम मन्दिर

श्री शिवदत्तराय प्रहलादराय सत्संग हॉल

काचीगुडा, हैदराबाद

भजन प्रस्तुतकर्ता

श्री श्याम सत्संग समिति

सभी सदस्यों, दानदाताओं एवं श्याम भक्तों से प्रार्थना है कि सपरिवार पधारकर श्री श्याम बाबा के विशेष श्रृंगार के दर्शन, भजन-कीर्तन एवं प्रसाद का लाभ उठाएँ ।

निवेदक : श्री श्याम मंदिर सेवा समिति

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.